टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | कोल्ड स्टोर मैनेजर से लूट का पर्दाफश... (पेज-3) | पृष्ठ- 10 | वर्ष-01 अंक-39 | मूल्य ₹ 7 | शुक्रवार | दिनांक- 07 .08 .2026

मानसून सत्र: रिजिजू बोले- राहुल से हुई सकारात्मक बातचीत

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में विपक्ष के हंगामे के कारण लगातार गतिरोध बना हुआ है। सदन की कार्यवाही बार-बार बाधित हो रही है। इसी बीच गुरुवार को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी से बातचीत की। रिजिजू ने इस मुलाकात को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष के साथ लगातार संवाद बनाए रखना चाहती है।

रिजिजू ने बताया कि राहुल गांधी के साथ एक विशेष मुद्दे और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सरकार कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के साथ बेहतर समन्वय चाहती है। रिजिजू के मुताबिक, राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन राष्ट्रीय हित में सभी को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोधी होना दुश्मन होने के बराबर नहीं है।

'अग्नि-4' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण

एजेंसी, चांदीपुर।

भारत ने अपनी मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का गुरुवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण स्ट्रेटेजिक फोर्स कमांड की निगरानी में किया गया। परीक्षण के दौरान मिसाइल से जुड़े सभी ऑपरेशनल और तकनीकी मानकों की सफल पुष्टि हुई।

विश्वसनीयता पर खरी उतरी अग्नि-4

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह मिसाइल परीक्षण पूरी तरह सफल रहा। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने निर्धारित उड़ान मार्ग का पालन करते हुए सभी मिशन उद्देश्यों को पूरा किया। इस परीक्षण से अग्नि-4 की परिचालन विश्वसनीयता और भारत की सामरिक प्रतिरोधक क्षमता को एक बार फिर मजबूती मिली।

गौरतलब है कि अग्नि-4 भारत की स्वदेशी विकसित मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। यह देश की विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाती है। ओडिशा के चांदीपुर

स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से किया गया यह परीक्षण भारत के सामरिक मिसाइल कार्यक्रम की निरंतर प्रगति का संकेत है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित उपयोगकर्ता परीक्षणों से मिसाइल प्रणाली की युद्धक तैयारी और विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है।

अग्नि-4 क्यों है खास

- यह मिसाइल 4,000 किलोमीटर तक के लक्ष्य को भेद सकती है।
- अग्नि 4 मिसाइल का कुल वजन 17000 किलो के करीब है।
- यह मिसाइल परमाणु व पारंपरिक दोनों तरह के वारहेड ले जाने में सक्षम।
- इस मिसाइल की लंबाई करीब 20 मीटर है।
- इसमें रिंग लेजर गाइरो इनर्शियल नेवीगेशन सिस्टम भी लगा है।

'कुश' का पहला सफल परीक्षण

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 'अग्नि-1' भारत की स्वदेशी बैलिस्टिक मिसाइल श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह मिसाइल कम दूरी तक सटीक मार करने में सक्षम है और देश की सामरिक प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने निर्धारित लक्ष्य और उड़ान मानकों को पूरी तरह हासिल किया। वहीं अग्नि-4 मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। वहीं बीते महीने जुलाई में भारत ने लंबी दूरी की मिसाइल 'कुश' का पहला सफल परीक्षण किया था। यह मिसाइल सिस्टम लंबी दूरी तक हवाई खतरों को बेअसर करने की क्षमता रखता है। इस परीक्षण के साथ ही भारत ने अपनी वायु रक्षा क्षमता को एक नई ऊंचाई प्रदान की है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसितह्यकुशह्न मिसाइल प्रणाली, लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है। इसका पहला सफल उड़ान परीक्षण गुरुवार को ओडिशा तट पर स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया।

इससे पहले भारत ने अपनी सामरिक क्षमता को और मजबूत करते हुए शॉर्ट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-1' का सफल परीक्षण किया था। 22 मई को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से वह परीक्षण किया गया था। परीक्षण के दौरान मिसाइल के सभी परिचालन और तकनीकी मानकों का सफलतापूर्वक सत्यापन किया गया। यह भी परीक्षण सामरिक बल कमान की निगरानी में संपन्न हुआ था।

बस में मौजूद यात्री 14, टिकट बनाए 6 के

बिना टिकट यात्री चोरी में टीआई की मिली भगत का आरोप

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- रोडवेज में सरकारी राजस्व की लूट का बड़ा खेल आया सामने

रोडवेज प्रशासन के लाख इंतजामों के बाद बिना टिकट यात्री चोरी का खेल खत्म नहीं हो रहा। क्षेत्रीय प्रबंधक के दाहिने हाथ बने टीआई की मिली भगत से बिना टिकट यात्री चोरी को बढ़ावा मिल रहा है। परिचालक बेखौफ बिना टिकट यात्री चोरी कर रहे हैं। जिससे निगम राजस्व की बड़ी हानि हो रही है। क्षेत्रीय प्रबंधक आगरा चहेतों पर कार्यवाहीं करने से कतरा रहे हैं। ऐसा ही मामला ईदगाह डिपो का सामने आया है।

बस नम्बर यूपी 78 एलएन-2275 ईदगाह डिपो। इस पर चालक भगवती प्रसाद एवं परिचालक अमित कुमार त्यागी। बस को लेकर भिण्ड से आगरा आ रहे थे। बस में मात्र 14 यात्री थे। गोपनीय सूचना पर मुख्यालय लखनऊ चैकिंग दल के कपिल पचौरी, रंजीत सिंह, सत्यवीर सिंह ने छापा मारकर भिण्ड से आगरा आते समय बस को फूप नामक स्थान पर पकड़ लिया। बस के भौतिक निरीक्षण में बस में सवार 14 यात्रियों में से 8 यात्री बिना टिकट मिले। बिना टिकट 8 यात्री परिचालक की ईटीएम मशीन में निरीक्षकों ने टिप्पणी की। निरीक्षकों ने परिचालक पर 3221/- रुपए पेनॉल्टी लगाई। बस में 65 प्रतिशत यात्री बिना टिकट मिले। इस संगीन मामले में अब देखना ये है कि क्षेत्रीय प्रबंधक आगरा रूट/क्षेत्रीय स्काउट टीम (टीआई) एवं परिचालक के विरूद्ध क्या कार्रवाई करते हैं। तब जबकि मामला निगम मुख्यालय लखनऊ तक पहुंच चुका है।

'आंदोलन करना राष्ट्रविरोधी नहीं'

GenZ को मोहन भागवत का समर्थन, कहा-हर बात का तार्किक जवाब चाहते हैं युवा

एजेंसी, मुंबई।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गुरुवार को मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस सम्मेलन में युवाओं को संबोधित किया। जेन-जी और जेन-अल्फा के छात्रों के बीच उन्होंने लोकतंत्र, आंदोलन, शिक्षा, रोजगार और युवा पीढ़ी की सोच जैसे मुद्दों पर अपने विचार रखे।

आंदोलन करना राष्ट्रविरोधी नहीं, लोकतंत्र का हिस्सा: भागवत

मोहन भागवत ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करने वाले युवाओं को राष्ट्रविरोधी नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि ये युवा इसी देश के नागरिक हैं और देश का भविष्य हैं। लोकतंत्र में आंदोलन अपनी बात रखने, संवाद शुरू करने और सहमति बनाने का एक वैध माध्यम है। उन्होंने कहा कि किसी भी मतभेद का समाधान बातचीत और आपसी सम्मान से ही संभव है।

उन्होंने यह भी कहा कि समस्याओं का समाधान भारतीय संविधान के दायरे में ही तलाशा जाना चाहिए। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए सांविधानिक मार्ग पर चलकर ही लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत हो सकती है।

आज का युवा हर बात पर सवाल पूछता है- भागवत

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी पहले की तुलना में अलग सोच रखती है। उन्होंने कहा कि जेन-जी और जेन-अल्फा के युवा किसी भी बात को बिना समझे स्वीकार नहीं करते। वे हर विषय पर तार्किक और तथ्य आधारित जवाब चाहते हैं। वे हमारी पीढ़ी से ज्यादा ईमानदार और देशभक्त हैं।

उन्होंने अपने समय का जिक्र करते हुए कहा कि पहले परिवार और समाज के बड़े-बुजुर्गों की बातें बिना सवाल किए मान ली जाती थीं, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। उनके अनुसार यह बदलाव नकारात्मक नहीं, बल्कि सकारात्मक है क्योंकि आज के युवा देश के प्रति अधिक जिम्मेदार, ईमानदार और सेवा भाव रखने वाले हैं। भागवत ने यह भी कहा कि भारतीय परंपरा में 'शास्त्रार्थ' की संस्कृति रही है, जहां किसी भी विषय पर दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद निष्कर्ष निकाला जाता है। समाज में भी इसी प्रकार के संवाद की आवश्यकता है।

भागवत बोले-शिक्षा को व्यवसाय नहीं, समाज सेवा का माध्यम बनाना होगा

शिक्षा व्यवस्था को लेकर मोहन भागवत ने कहा कि शिक्षा को केवल कमाई का साधन या व्यावसायिक धंधा नहीं बनाया जाना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा समाज के हर वर्ग तक सुलभ होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। समाज, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिकों को भी इसमें सक्रिय भूमिका निभानी होगी ताकि हर बच्चे तक अच्छी शिक्षा पहुंच सके।

उन्होंने शिक्षकों के लगभग 10 लाख रिक्त पदों का उल्लेख करते हुए शिक्षा पर सकल बजट का छह फीसदी खर्च किए जाने की लंबे समय से चली आ रही मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह मांग उचित है और बिना आंदोलन के भी इसे हासिल किया जा सकता है।

'रोजगार का मतलब सिर्फ नौकरी नहीं'

रोजगार के मुद्दे पर भागवत ने कहा कि नौकरी ही रोजगार का एकमात्र विकल्प नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता की ओर भी बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए अवसर पैदा करना और दूसरों को रोजगार देना भी राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कथित पैलेट गन फायरिंग पर क्या बोले भागवत?

छात्रों पर कथित पैलेट गन फायरिंग के सवाल पर भागवत ने कहा कि इस घटना की पूरी जानकारी उनके पास नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने भी इस संबंध में मीडिया में खबर पढ़ी है, इसलिए बिना पूरी जानकारी के टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। हालांकि उन्होंने कहा कि यदि आंख मूंदकर किसी पर विश्वास करने की बात होगी तो वह जेन जी पर विश्वास करेंगे।

इतना ही नहीं, सोशल मीडिया के संबंध में भागवत ने कहा कि केवल नियम और अनुशासन बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों का दृष्टिकोण भी बदलना होगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के जरिए फर्जी वीडियो आसानी से बनाए जा रहे हैं, इसलिए प्रामाणिक और विश्वसनीय स्रोतों की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।

अब यूपीआई पेमेंट पर देना होगा चार्ज: लोकसभा से पास बिल का सच क्या

नई दिल्ली। अगर आप रोजमर्रा के खर्च के लिए यूपीआई का इस्तेमाल करते हैं, तो यह खबर आपके लिए अहम है। लोकसभा ने गुरुवार को पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 में संशोधन से जुड़ा एक विधेयक पारित कर दिया है। इसके बाद केंद्र सरकार को यह अधिकार मिल जाएगा कि वह भविष्य में अधिसूचना जारी कर बैंकों और अन्य पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स को यूपीआई और दूसरे डिजिटल भुगतान माध्यमों पर शुल्क (एमडीआर) लगाने की अनुमति दे सके। हालांकि, इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि आज से यूपीआई पर चार्ज लग गया है। अभी यूपीआई पहले की तरह मुफ्त है। लेकिन कानून में ऐसा बदलाव जरूर किया गया है, जिससे भविष्य में सरकार चाहे तो शुल्क लगाने का फैसला कर सकती है। यह संशोधन टैक्सेशन एंड अदर लॉज (संशोधन) विधेयक, 2026 का हिस्सा है। गुरुवार को लोकसभा में ध्वनिमत से इसे मंजूरी मिल गई। अब तक पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट की धारा 10A के तहत आयकर अधिनियम की धारा 269SU में शामिल डिजिटल भुगतान माध्यमों पर बैंक या पेमेंट कंपनियां किसी तरह का शुल्क नहीं लगा सकती थीं।

पीएम मोदी ने जारी किया नया इंस्टा वीडियो, 7 अगस्त को हैंडलूम डे मनाने की अपील की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस से पहले अपना नया इंस्टाग्राम वीडियो जारी किया है। वीडियो में उन्होंने देशवासियों से सात अगस्त को पूरे उत्साह और उमंग के साथ राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि हथकरघे से बुने हुए कपड़े खरीदना केवल कपड़ा खरीदना नहीं, बल्कि देश के लाखों बुनकर और गरीब परिवारों की आजीविका को मजबूत करना है। उन्होंने लोगों से हथकरघा उत्पादों का इस्तेमाल बढ़ाने और सोशल मीडिया के जरिए भी इसे बढ़ावा देने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि सात अगस्त का दिन देश के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि जैसे लोग फ्रेंडशिप डे पूरे उत्साह के साथ मनाते हैं, उसी तरह राष्ट्रीय हथकरघा दिवस भी मनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने लोगों से कहा कि वे हैंडलूम उत्पाद खरीदें, पहनें और सोशल मीडिया पर उसकी फोटो या वीडियो साझा करें। उनका कहना था कि इससे अधिक से अधिक लोग भारतीय हस्तकरघा उत्पादों की ओर आकर्षित होंगे।

दवा कंपनियों पर केन्द्र की सख्ती

ड्रग्स नियमों में किए बदलाव, गलत जानकारी देने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

एजेंसी, नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने 'ड्रग्स रूल्स, 1945' में संशोधन किया है। इसके तहत लाइसेंस देने वाले अधिकारियों को उन आवेदकों को प्रतिबंधित करने का अधिकार दिया गया है, जो रेगुलेटरी मंजूरी के लिए आवेदन करते समय नकली या मनगढ़ंत डेटा जमा करते हैं। इस कदम का मकसद भारत की दवा रेगुलेटरी व्यवस्था की विश्वसनीयता और पारदर्शिता को मजबूत करना है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि जीएस आर 756(ई) के माध्यम से अधिसूचित संशोधनों में औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 के तहत मौजूदा प्रावधानों के अतिरिक्त एक नया प्रवर्तन तंत्र पेश किया गया है।

क्या है नया नियम?

संशोधित नियमों के तहत, अगर किसी आवेदक ने गलत या बनावटी डेटा जमा किया है, तो उसे संबंधित लाइसेंसिंग अथॉरिटी (चाहे वह केंद्र हो या राज्य का रेगुलेटर, जो भी लागू हो) के पास एक तय समय के लिए नए आवेदन करने से रोका जा सकता है। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत पहले से मौजूद लागू करने वाले प्रावधानों के अलावा, हाल ही में नोटिफाई किए गए ये प्रावधान लाइसेंसिंग अथॉरिटी को यह अधिकार देते हैं कि वे उन संस्थाओं के आगे के आवेदनों पर रोक लगा सकें जो अपने आवेदनों के समर्थन में नकली या मनगढ़ंत डेटा जमा करती हैं।'

मंत्रालय की ओर से क्या कहा गया है?

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'यह नियम औषधि नियम 1945 के विभिन्न प्रावधानों के तहत दायर सभी आवेदनों पर लागू होगा।' वर्तमान में, मनगढ़ंत डेटा प्रस्तुत करने वाले आवेदकों को आवेदन अस्वीकृत करने या मौजूदा लाइसेंस रद्द करने जैसी प्रवर्तनीय कार्रवाइयों का सामना करना पड़ता है।

आवेदन खारिज कर सकते हैं?

अभी, जो आवेदक गलत या बनावटी जानकारी देते हैं, उनके आवेदन खारिज किए जा सकते हैं या उनके मौजूदा लाइसेंस रद्द किए जा सकते हैं। इस बदलाव के बाद, उन्हें एक तय समय के लिए संबंधित रेगुलेटरी अथॉरिटी (राज्य या केंद्र, जो भी लागू हो) के पास और आवेदन जमा करने से रोक दिया जाएगा।

अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन भी जारी

एसआरएन अस्पताल का नाम अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह के नाम पर करने की मांग तेज

एजेंसी, प्रयागराज।

काकोरी केस के महानायक अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने और स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) का नाम उनके नाम पर किए जाने की मांग को लेकर महुआ डाबर संग्रहालय के नेतृत्व में अस्पताल परिसर में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर पूरे दिन बड़ी संख्या में छात्र-युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक पहुंचे तथा आंदोलन को अपना समर्थन दिया। धरने के दौरान वक्ताओं ने कहा कि देश आजादी का अमृत काल मना रहा है और वर्ष 2026 ऐतिहासिक काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ का वर्ष है। आगामी 9 अगस्त, काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस, शहीदों के बलिदान को याद करने का महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे समय में अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह को उनके योगदान के अनुरूप राष्ट्रीय सम्मान दिया जाना चाहिए।

वक्ताओं ने कहा कि शाहजहांपुर की पावन धरती पर जन्मे ठाकुर रोशन सिंह ने पंडित राम प्रसाद 'बिस्मिल', अशफाक उल्ला खां, शचीन्द्रनाथ बख्शी सहित अनेक क्रांतिकारियों के साथ मिलकर ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी थी। उनके अद्वितीय साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान का स्थान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों में है। काकोरी केस में अंग्रेजी सरकार ने उन्हें मृत्युदंड दिया और 19 दिसंबर 1927 को प्रयागराज की तत्कालीन मलाका जेल में उन्होंने ₹वंदे मातरम₹ और ₹भारत माता की जय₹ का उद्घोष करते हुए हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूम लिया।

धरने में बताया गया कि वर्तमान स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय का परिसर ही अंग्रेजी शासनकाल की ऐतिहासिक मलाका जेल था, जहां ठाकुर रोशन सिंह ने अंतिम समय तक यातनाएं झेलीं और यहीं उन्हें फांसी दी गई। आज भी वहां उनकी स्मृति में लगी प्रतिमा मौजूद है, लेकिन स्वतंत्रता के बाद अस्पताल का नाम स्वरूप रानी नेहरू के नाम पर रख दिया गया। आंदोलनकारियों का कहना है कि जिस पवित्र भूमि पर एक अमर क्रांतिकारी ने सर्वोच्च बलिदान दिया, उस संस्थान का नाम उनके नाम पर होना चाहिए ताकि नई पीढ़ी स्वतंत्रता संग्राम के वास्तविक नायकों को जान सके।

महुआ डाबर संग्रहालय के निदेशक एवं क्रांतिकारी शहीद वंशज डॉ. शाह आलम राना ने कहा कि काकोरी एक्शन की 100वीं वर्षगांठ इस ऐतिहासिक भूल को सुधारने का सबसे उपयुक्त अवसर है। उन्होंने मांग की कि प्रदेश सरकार तत्काल प्रभाव से पूरे चिकित्सा संस्थान का नाम 'अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह चिकित्सालय' घोषित करे, जिससे देश के महान बलिदानी को उचित सम्मान मिल सके। धरने में डॉ. अवनीश सिंह, निशांत मोदनवाल, प्रवेश मिश्रा, रिशुराज आनंद, हिमांशु सिंह, शिवांग त्रिपाठी, भानु प्रताप सिंह, शिवम पाठक, विपुल तिवारी, प्रमोद अग्रवाल, प्रियांशु रंजन, शुभम सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र,

आगरा में यमुना किनारे निखरेगा प्राकृतिक सौंदर्य, योगी सरकार बनाएगी भव्य 'रिवर फ्रंट पार्क'

- झलकारी बाई चौराहे से वेदांत मंदिर तक विकसित होगा नया 'ग्रीन जोन'
- भव्य पार्क में मिलेगा 1500 मीटर लंबा पाथवे, ओपन जिम और एम्फीथिएटर
- कचरा मुक्त होगा यमुना किनारा, सघन पौधरोपण से बढ़ेगी शहर की हरियाली

टीएनएफ टुडे, आगरा।

योगी सरकार राज्य में पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण और शहरी बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर लगातार ऐतिहासिक कदम उठा रही है। इसी कड़ी में अब ताजनगरी में यमुना नदी के किनारों को खूबसूरत, प्रदूषण मुक्त और उपयोगी बनाने की बड़ी तैयारी शुरू हो गई है। आगरा के झलकारी बाई चौराहे से लेकर वेदांत मंदिर के पास यमुना किनारे (यमुना बैंक साइड) एक नए और भव्य पार्क का विकास किया जा रहा है। योगी सरकार की इस पहल से शहरवासियों और पर्यटकों को एक बेहतरीन और अत्याधुनिक 'ग्रीन जोन' की सौगात मिलेगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 जुलाई 2026 को किया था।

अमृत 2.0 योजना के तहत 3.46 करोड़ का भारी-भरकम बजट

यमुना किनारे की तस्वीर बदलने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना को 'अमृत 2.0' योजना के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है, जिस पर 3.46 करोड़ रुपये की लागत

आएगी। इस बड़ी धनराशि का उपयोग अविकसित और कचरायुक्त क्षेत्र को एक व्यवस्थित, हरे-भरे और आधुनिक सुविधाओं वाले पार्क में तब्दील करने के लिए किया जाएगा।

योजना के तहत यहां 1500 मीटर लंबा और 1.5 मीटर चौड़ा सुंदर पाथवे, 200 वर्ग मीटर में ओपन जिम, फाउंटेन, आकर्षक लाइटिंग और बैठने के लिए बेंच की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा छोटे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए 300 वर्ग मीटर में 100- 150 लोगों की क्षमता वाला एक 'ओपन-एयर एम्फीथिएटर' भी बनेगा, जिसे लाल बलुआ पत्थर की सीटों के साथ डिजाइन किया गया है। पर्यटकों की सुविधा के लिए 200 वाहनों की कार पार्किंग और 1500 मीटर क्षेत्र में मजबूत फेंसिंग भी की जाएगी।

'विजुअल कॉरिडोर', फाइटोरेमेडिएशन से होगा कचरा मुक्त

योगी सरकार नदियों के संरक्षण (रिवर फ्रंट डेवलपमेंट) पर विशेष जोर दे रही है। साइट पर मौजूद कचरे को हटाकर औपचारिक लैंडफिल में भेजा जाएगा और प्रदूषित क्षेत्र को 'फाइटोरेमेडिएशन' प्रजातियों से आच्छादित किया जाएगा। दृश्य को बेहतर बनाने के लिए ताजमहल की ओर 'विजुअल कॉरिडोर' खुले छोड़े गए हैं। पर्यावरण को शुद्ध करने के लिए कैसिया बाइफ्लोरा, बोगनवेलिया, नेरियम ओलियंडर, पाम और बेबी गोल्डन जैसी प्रजातियों का सघन पौधरोपण किया जाएगा। पास की कृषि भूमि पर सजावटी पौधे उगाए जाएंगे, जो इस परियोजना के रखरखाव में आर्थिक सहायता करेंगे।

योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए अधिशासी अभियंता अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि उ.प्र. सरकार की मंशा के अनुरूप अमृत 2.0 योजना के तहत यमुना किनारे इस भव्य पार्क का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ेगा। 3.46 करोड़ की लागत से बनने वाला यह पार्क शहरवासियों को मॉर्निंग वॉक, योग और बच्चों के खेलने के लिए एक सुरक्षित, स्वच्छ और प्राकृतिक स्थान उपलब्ध कराएगा। हमारा फोकस यहां सघन पौधरोपण के जरिए पर्यावरण को संतुलित करने और रिवर फ्रंट को एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण के रूप में विकसित करने पर है।

बीधापुरा में मकान की दीवार गिरी

गृहस्थी का सामान मलबे में दबा

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

लगातार हो रही बारिश अब ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के लिए मुसीबत बनती जा रही है। थाना बसई अरेला क्षेत्र के गांव बीधापुरा में गुरुवार को बारिश की सीलन के कारण अरविंद के मकान की एक दीवार अचानक तेज धमाके के साथ भरभराकर गिर गई। गनीमत रही कि घटना के समय कोई व्यक्ति दीवार के पास मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

दीवार गिरने से घर में रखा खाना बनाने का सामान, बर्तन, कपड़े, अनाज, साइकिल तथा पशुओं के चारे काटने की मशीन मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गई। तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और परिवार की मदद करते हुए मलबा हटाने में सहयोग किया। पीड़ित परिवार ने बताया कि लगातार बारिश के कारण दीवार में सीलन आ गई थी, जिससे वह कमजोर होकर गिर गई। घटना से परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके का सर्वे कराकर पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक सहायता एवं मुआवजा दिलाने की मांग की है।

लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित

तहसील और ब्लॉक की टीमें दौड़ी गांव की ओर

फतेहाबाद। तीन दिन से हो रही लगातार मूसलाधार बारिश से ग्रामीण क्षेत्र में जनजीवन प्रभावित हो गया है। इसके चलते गांव में तालाब ओवरफ्लो होकर घरों में घुस गए। इसी को लेकर तहसील प्रशासन व ब्लॉक की टीमें गांव की ओर दौड़ पड़ी। जहां आधा दर्जन से अधिक गांव में जाकर पानी निकासी सहित अन्य व्यवस्थाएं कराई गई।

फतेहाबाद क्षेत्र में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। जिसके चलते जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। पशुओं के चारे के लिए भी किसानों के सामने संकट पैदा हो गया है। घरों में पानी घुस जाने से कई मकानों पर अस्तित्व का संकट छा गया है। ग्रामीण छत पर रहकर अपना गुजारा कर रहे हैं। इसी को लेकर ब्लॉक तथा तहसील की टीमों के द्वारा गांव में जाकर जायजा लिया जहां जटपुरा में नायब तहसीलदार सलेमपुर मुड़िया, नगला मुक्ता झारपुरा, बासवले में सहायक विकास अधिकारी पंचायत सहित सभी सचिवों व लेखपालों को उनकी ग्राम पंचायत में तैनात किया गया है। प्रशासन से मांग की गई है कि वह जल्द से जल्द पानी निकालने की व्यवस्था करें। नहीं तो बड़ी जनहानी हो सकती है।

तहसीलदार फतेहाबाद शिखर मिश्रा ने बताया कि नायब तहसीलदार लेखपालों के द्वारा गांव में जाकर निरीक्षण किया गया है। व्यवस्थाओं को ठीक करने का काम किया जा रहा है।

कांवड़ियों के लिए रास्ता दुरुस्त करने में जुटा प्रशासन

खंदौली। आगरा-अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर बरसात के बाद हो रहे जलभराव से कांवड़ यात्रियों और अन्य राहगीरों को हो रही परेशानी को देखते हुए प्रशासन सक्रिय हो गया है। बुधवार को उपजिलाधिकारी एत्मादपुर सुमित कुमार ने तहसील प्रशासन और ब्रजभूमि कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के अधिकारियों के साथ जलभराव प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कांवड़ियों को जलभराव से होकर गुजरने की मजबूरी समाप्त करने के लिए सड़क किनारे बने नाले को अतिक्रमण मुक्त कराने और उसकी साफ-सफाई जल्द शुरू कराने के निर्देश दिए। इससे कांवड़ियों एवं अन्य पैदल राहगीरों के लिए सुरक्षित आवागमन का रास्ता उपलब्ध कराया जा सकेगा।

जलभराव वाले क्षेत्र का किया निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

ब्रजभूमि कंस्ट्रक्शन लिमिटेड की ओर अतिरिक्त पंपसेट लगाकर लगातार पानी की निकासी कराई जा रही है। ताकि सड़क पर जलभराव कम हो और यातायात सुचारु बना रहे। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी एत्मादपुर सुमित कुमार, नायब तहसीलदार एच एल चौधरी, राजस्व निरीक्षक वीरेंद्र सिंह, लेखपाल महादेव सिंह, टोल प्लाजा मैनेजर अमित चौहान आदि ने ग्रामीण विनोद शर्मा, आनंद शर्मा, अंकित शर्मा, पवन कुमार, कुनाल कौशिक के साथ निरीक्षण किया।

अछनेरा में मकान की छत गिरी, महिला घायल

टीएनएफ टुडे, अछनेरा।

विगत दिन लगातार हो रही बारिश के बीच बुधवार रात ब्लॉक अछनेरा क्षेत्र के गांव नगला पुना में एक जर्जर मकान की छत भरभराकर गिर गई। हादसे में खाट पर सो रही 35 वर्षीय महिला मलबे में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गई। जबकि उसी कमरे में मौजूद उसके दो मासूम बच्चे बाल-बाल बच गए। घायल महिला का आगरा हरीपर्वत स्तिथ प्राइवेट अस्पताल में उपचार चल रहा है। गांव नगला पुना निवासी नीलम पत्नी सुनील सिंह बुधवार रात करीब 9 बजे अपने जर्जर मकान के कमरे में खाट पर लेटी हुई थीं। उनके साथ कमरे में 10 वर्षीय पुत्र अमर और सात वर्षीय पुत्री पवित्रा भी मौजूद थे। इसी दौरान लगातार बारिश के चलते मकान की छत अचानक भरभराकर गिर गई। छत का अधिकांश मलबा नीलम के ऊपर गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि दोनों बच्चे संयोगवश सुरक्षित बच गए। परिजन और ग्रामीणों ने उन्हें मलबे से निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पीड़िता के देवर मोहन सिंह ने बताया कि करीब छह माह पूर्व इस जर्जर मकान के स्थान पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सरकारी आवास स्वीकृत होने कि बात कही लेकिन अभी तक मिला नहीं।

प्रधान और सचिव वीरेन्द चाहर ने मौके का निरीक्षण भी किया था। आरोप है कि पूरी प्रक्रिया केवल सरकारी कागजों तक सीमित रह गई और समय रहते आवास का निर्माण न होने के कारण यह हादसा हो गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। उपजिलाधिकारी के आदेश पर बारिश से गिरे पीड़ित के मकान कि जांच करने पहुँचे लेखपाल रुपेश सिंह ने जांच कर रिपोर्ट उपजिलाधिकारी को सौंप दी है।

दीवार गिरने से तीन बकरियां मरीं

फतेहाबाद। क्षेत्र के गांव सिलावली में बारिश के कारण पक्की दीवार गिरने से किसान की तीन बकरियां मर गईं। जबकि दो घायल हो गई। अर्जुन पुत्र भोगीराम निवासी सिलावली गुरुवार सुबह साढ़े सात बजे के करीब बारिश के कारण अचानक से पक्की दीवार व टीनशेड गिरने से किसान की तीन बकरियां मलबे में दबने से मर गई। जबकि दो बकरी घायल हो गई। जानकारी राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। वहीं पीड़ित किसान ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

भाजपा नगर मंडल की हर घर तिरंगा के लिए कार्यशाला

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान एवं तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने ताकत झोंक दी है। गुरुवार को बाह रोड स्थित माँ पीतांबरा ढाबा पर भाजपा नगर मंडल फतेहाबाद की कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें अभियान को ऐतिहासिक बनाने की रणनीति बनाई गई। कार्यशाला में मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरिओम रावत ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया।

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्रप्रेम, एकता और अखंडता का संदेश देता है। यह प्रत्येक नागरिक के दिल में देशभक्ति की अलख जगाने का माध्यम है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे नगर के प्रत्येक वार्ड और घर-घर जाकर लोगों को अभियान से जोड़ें, ताकि हर घर पर राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सदस्य अनिल गुर्जर, मंडल अध्यक्ष अंकित गुप्ता, हरि सिंह कर्दम ने भी आगामी तिरंगा यात्रा की व्यवस्थाओं व जनसंपर्क अभियान को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर रामलखन दीक्षित, मुन्नालाल त्यागी, रामसेवक जादौन, प्रमोद कुशवाहा, सुभाष वर्मा, सुनील दत्त कुशवाहा, धीरज शर्मा, रामनरेश उपाध्याय, आकाश मैरोठिया, अतुल गुप्ता, गणेश बघेल, संतोष शर्मा, मदन यादव, मीरा शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, नरेंद्र बघेल, आनंद गुप्ता, रामप्रकाश, सत्यप्रकाश जाटव, रेनू अनवारिया सहित आदि उपस्थित रहे।

राजस्व बढ़ाने और रोजगार सृजन का मिला पाठ

सचिव एवं पंचायत सहायकों को दिया गया प्रशिक्षण

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत गुरुवार को पंचायत सचिवों एवं पंचायत सहायकों के लिए ओएसआर पोर्टल, राजस्व संकलन एवं सर्विस डिलीवरी विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर बबीता सिकरवार एवं पंचायत राज विभाग के अमित त्यागी ने प्रतिभागियों को पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

प्रशिक्षण में बताया गया कि ग्राम पंचायतें अपने नए आय स्रोत विकसित कर स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों पर खर्च करें। गांव में रोजगार के अवसर बढ़ाने, साफ-सफाई में ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करने, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत कूड़े का संग्रहण व छंटाई कर पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को बेचने तथा सड़क निर्माण सहित अन्य कार्यों के लिए उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। प्रशिक्षण में पंचायत सचिवों की उपस्थिति संतोषजनक नहीं रही। आधे से अधिक सचिव अनुपस्थित रहे और केवल दो दर्जन सचिव एवं पंचायत सहायक ही प्रशिक्षण में मौजूद रहे।

अधिकारियों ने प्रशिक्षण की उपयोगिता बताते हुए सभी संबंधित कर्मचारियों से ऐसे कार्यक्रमों में नियमित सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। इस दौरान खंड विकास अधिकारी परवेज आलम, एडीओ पंचायत दीवान सिंह सहित पंचायत राज विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों को दिए सुरक्षित डिजिटल लेनदेन के टिप्स

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

भारतीय रिजर्व बैंक की जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता निधि के अंतर्गत नारी जागरण सेवा संस्थान, फिरोजाबाद द्वारा विकास खंड फतेहाबाद के ग्राम अई में एक दिवसीय वित्तीय साक्षरता एवं बैंकिंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों में नियमित बचत की आदत विकसित करना, जमाकताओं के अधिकारों की जानकारी देना तथा साइबर धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान वीरभान सिंह ने कहा कि आर्थिक रूप से सशक्त गांव ही विकसित भारत की वास्तविक नींव हैं। उन्होंने प्रत्येक ग्रामीण से बैंकिंग प्रणाली से जुड़ने और सरकारी योजनाओं का लाभ बैंक खातों के माध्यम से लेने की अपील की। भारतीय रिजर्व बैंक, लखनऊ से आए संदीप मिश्रा ने जमाकर्ता अधिकारों और शिकायत निवारण प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ग्रामीणों को सतर्क करते हुए कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, पिन या पासवर्ड साझा न करें। संस्थान के प्रतिनिधि अंकित शर्मा, गौरव सिंह और विशेषज्ञ हृदय मोहन जैन ने सुरक्षित मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और वित्तीय अनुशासन के महत्व को समझाया। संस्था के सचिव कौशल किशोर शर्मा ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम का संचालन राजेश राज ने किया। इस दौरान विशेषज्ञों ने ग्रामीणों की शंकाओं का समाधान भी किया गया। अवसर पर भगवान सिंह, राजवीर सिंह, दिलशाद व शम्सुद्दीन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्राम अई में बैंकिंग और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता कार्यक्रम

बीआरसी अछनेरा में शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

टीएनएफ टुडे, अछनेरा।

ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) अछनेरा पर परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों के लिए फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफएलएन) एवं एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण चल रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप बुनियादी भाषा एवं गणितीय दक्षताओं के प्रभावी शिक्षण के लिए दक्ष बनाना है।

प्रशिक्षण में शिक्षकों को गतिविधि आधारित शिक्षण, विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता का आकलन, भाषा एवं गणित के बुनियादी कौशल विकसित करने के प्रभावी तरीकों तथा एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों के बेहतर उपयोग की जानकारी दी जा रही है। बृहस्पतिवार को दोपहर 12 बजे जिला शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार बीआरसी अछनेरा पहुँचे और प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों एवं समूह चचाओं के माध्यम से शिक्षण को अधिक रोचक और प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक संसाधन केंद्र अछनेरा में किया जा रहा है। प्रशिक्षण में ब्लॉक क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षामित्र उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं। विभागीय अधिकारियों ने प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों से विद्यालयों में सीखी गई गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू कर विद्यार्थियों की बुनियादी शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार लाने का आह्वान किया। इस मौके पर एबीएसए सौरभ आनंद, ओमवीर सिंह, भगवानदास मौजूद रहे।

जर्जर सड़क से बढ़ी मुसीबत, सभासद ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर लगाई गुहार

पिनाहट। नगर पंचायत पिनाहट के वार्ड संख्या-8 के सभासद विक्रम सिंह ने चचिहा मोड़ से लबेरापुरा तक जाने वाली जर्जर सड़क के निर्माण की मांग को लेकर मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी यह सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है और जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। लगातार बारिश के कारण इन गड्ढों में पानी भर जाने से राहगीरों, स्कूली बच्चों, बुजुर्गों तथा दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन फिसलने और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। सभासद का कहना है कि क्षेत्र के ग्रामीण लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने मुख्यमंत्री पोर्टल के माध्यम से संबंधित विभाग को निर्देशित कर इस मार्ग का शीघ्र आरसीसी सड़क निर्माण कराने की मांग की है, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके तथा दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

बसई अरेला पीएचसी जलमग्न, मरीजों को परेशानी

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

सड़क से गांव से निचले स्तर पर होने के कारण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में जलभराव होने के कारण मरीजों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आगरा-बाह मार्ग स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बसई अरेला का परिसर गांव और सड़क से निचले स्तर पर बना हुआ है। इस कारण दोनों जगहों का पानी बहकर इसी स्वास्थ्य केंद्र में भर जाता है।?लगातार बारिश के कारण स्वास्थ्य केंद्र परिसर में पानी भरा हुआ है। जिस कारण मरीजों को यहां आवागमन करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह समस्या कोई नई नहीं है। प्रतिवर्ष बरसात के दिनों में यहां ऐसे ही हालत होते हैं। किन्तु स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस समस्या का कोई समाधान नहीं निकाला गया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ प्रमोद कुशवाहा ने बताया कि खंड विकास अधिकारी को अवगत कराकर जल्द ही समस्या का समाधान कराया जायेगा।

जेसीबी से कराई पानी की निकासी

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

ब्लॉक क्षेत्र के गांव धर्मसिंहपुरा में खेत में जलभराव की शिकायत मिलने पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पानी निकासी की व्यवस्था कराई। गांव निवासी गुड्डू ने शिकायत की कि पड़ोसी के घर से निकलने वाला पानी उनके खेत में भर रहा है, जिससे फसल प्रभावित होने की आशंका है। शिकायत पर प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का निरीक्षण किया। अधिकारियों के निर्देश पर जेसीबी मशीन से नाली की सफाई एवं खुदाई कराकर पानी निकासी का रास्ता सुचारु कराया। तब खेत में भरे पानी की निकासी शुरू हो सकी। मौके पर एसडीएम बाह विनोद कुमार, तहसीलदार संपूर्णानंद, नायब तहसीलदार दयानंद, थाना प्रभारी वीरेशपाल गिरी मौजूद रहे।

गैंगस्टर एक्ट का वारंटी गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना फतेहाबाद पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के एक वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि सत्यनारायण उर्फ सत्यप्रकाश उर्फ मोटा पुत्र उदल सिंह निवासी जलौपुरा, थाना टूंडला, जिला फिरोजाबाद गैंगस्टर एक्ट के मामले में काफी समय से न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा था। इस पर न्यायालय द्वारा उसके विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। बुधवार शाम उपनिरीक्षक रामभेज सिंह ने पुलिस टीम के साथ आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर मध्य डिवाइडर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान कार सवार बाल-बाल बचे। गुरुवार पूर्वाहन 11.30 बजे कार चालक संदीप लाल श्रीवास्तव पुत्र केएम श्रीवास्तव निवासी आलमबाग लखनऊ अपने साथी एमएम अब्बास के साथ लखनऊ से गुरुग्राम हरियाणा जा रहे थे। उनकी कार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे किलोमीटर 0.500 पर पहुंची तो तीव्र मोड़ व रफ्तार अधिक होने के कारण अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर करीब 20 मीटर एमबीसीबी टूट गई। हादसे में कार अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं कार सवार बाल-बाल बच गए। सूचना पर पहुंची यूपीडा की टीम ने कार को रोड से हटवाया। यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधामोहन द्विवेदी ने बताया कि कार की रफ्तार अधिक होने के कारण डिवाइडर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई है। कार सवार सुरक्षित है।

सड़क हादसे में घायल एंबुलेंस चालक की मौत

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

क्षेत्र के सैंया रोड स्थित काली माता मंदिर के समीप बुधवार शाम सड़क हादसे में गंभीर घायल हुए एंबुलेंस चालक की बृहस्पतिवार सुबह उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। मृतक के भाई भानु प्रताप ने बताया कि रामवकील (45) बुधवार शाम बाइक से खेरागढ़ जा रहे थे। रास्ते में काली माता मंदिर के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस और एंबुलेंस ने उन्हें सीएचसी खेरागढ़ पहुंचाया, जहां से एसएन इमरजेंसी भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि सुबह करीब नौ बजे उपचार के दौरान रामवकील ने दम तोड़ दिया। मृतक स्वास्थ्य विभाग में एंबुलेंस चालक थे। उनके परिवार में पत्नी और पांच नाबालिग बच्चे हैं। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एक साल से बंद पेंशन, बुजुर्गों की बढ़ी परेशानी

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

क्षेत्र के कई बुजुर्गों ने आरोप लगाया है कि उनकी वृद्धावस्था और विधवा पेंशन पिछले एक वर्ष से बंद है। ब्लॉक कार्यालय से लेकर आगरा के संजय प्लेस स्थित समाज कल्याण कार्यालय तक कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। दूल्हे खां ग्राम पंचायत के चंदन सिंह, वैजयंती देवी, जबूरन, रामढकेली देवी और मुबीना बानों ने बताया कि पेंशन बंद होने से दवा और रोजमर्रा का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। एडीओ समाज कल्याण संजय सिंह ने बताया कि दोनों ब्लॉकों का कार्यभार होने के कारण समय की समस्या रहती है। शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मृत गौवंश का अंतिम संस्कार किया

टीएनएफ टुडे, शमशाबाद।

थाना क्षेत्र के गांव बड़ोबरा कलां में स्थित शराब ठेके के पास एक लावारिश गौवंश का शव पड़ा होने की सूचना पर समाजसेवियों ने उसका अंतिम संस्कार कराया। गांव में शराब ठेके के पास लावारिश हालत में गौवंश मरा पड़ा था। सूचना मिलते ही प्रदीप रघुवंशी, होतम रघुवंशी, राधे रघुवंशी, साहिल गोस्वामी, सौरभ कुशवाह आदि लोग एकत्र हुए। सभी ने मिलकर जेसीबी व अन्य संसाधनों की मदद से गौवंश के शव को सम्मान के साथ मिट्टी दिलाई। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में आवारा पशुओं की उचित व्यवस्था की जाए। ताकि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। समाजसेवियों के इस कार्य की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

जुआ खेलते पांच लोग गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे, अछनेरा।

थाना अछनेरा पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कब्जे से 52 ताश के पत्ते, 3,550 रुपये की नकदी और एक नीली तिरपाल बरामद की है। पुलिस ने धीरेंद्र उर्फ भीमा, अजीत सिंह, लक्ष्मण, अन्नू चौधरी और अजय के खिलाफ जुआ अधिनियम की धारा 13 जी के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

कोल्ड स्टोर मैनेजर से लूट का पर्दाफाश

चेसिस नंबर मिटाने से पहले ही दबोचे गए बदमाश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

इरादतनगर थाना क्षेत्र में कोल्ड स्टोर मैनेजर से हुई लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर पदार्फाश कर दिया। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए लूटी गई मोटरसाइकिल, वारदात में प्रयुक्त बाइक, अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस, मोबाइल फोन और नकदी बरामद की है। आरोपियों ने पुलिस से बचने के लिए लूटी गई बाइक की पहचान पूरी तरह मिटाने की कोशिश की। लेकिन पुलिस की सतर्कता और लगातार चेकिंग अभियान के चलते उनकी यह कोशिश नाकाम साबित हुई।

डीसीपी ईस्ट अभिषेक अग्रवाल ने गुरुवार को प्रेसवार्ता में बताया कि

4 अगस्त की शाम करीब 8:15 बजे कुर्रा चित्तरपुर निवासी एक कोल्ड स्टोर मैनेजर अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह वीकापुर पुलिया के पास पहुंचे।तभी दो बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। बदमाशों ने तमंचे के बल पर उनकी होंडा एसपी-125 मोटरसाइकिल और करीब 10 हजार रुपये लूट लिए और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही इरादतनगर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।

आरोपियों की तलाश के लिए विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने घटना के बाद इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। गुरुवार सुबह चेकिंग और गश्त के दौरान पुलिस ने वीकापुर पुलिया के पास घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।उन्होंने कोल्ड स्टोर मैनेजर से लूट की वारदात को स्वीकार कर लिया। पुलिस को पता चला कि आरोपी लूटी गई बाइक को अपने कब्जे में रखकर उसकी पहचान मिटाने की कोशिश कर रहे थे।

उन्होंने बाइक की नंबर प्लेट पहले ही हटा दी थी और चेसिस नंबर को भी घिसकर मिटाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने बाइक बरामद कर ली है।गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से लूटी गई होंडा एसपी-125 मोटरसाइकिल, वारदात में प्रयुक्त टीवीएस राइडर बाइक, एक अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल फोन, 2,200 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस अब तीनों आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है।

केरल से आए मेडिकल छात्रों ने देखा ताजमहल

आगरा। ताजमहल भ्रमण पर आए केरल के कालीकट के मेडिकल छात्रों का ताज सुरक्षा पुलिस ने स्वागत किया। इस दौरान छात्रों को उत्तर प्रदेश पुलिस के ऑपरेशन टूरिस्ट डिलाइट और मिशन शक्ति अभियान की जानकारी दी गई। उनकी सुरक्षा और सुविधा से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत कराया गया। ताजमहल के पश्चिमी प्रवेश द्वार पर तैनात क्विक रिस्पांस टीम के प्रभारी उप निरीक्षक शिवराज सिंह ने छात्र-छात्राओं को स्मारक भ्रमण के दौरान अपनाई जाने वाली सुरक्षा सावधानियों, पर्यटक सहायता सेवाओं और महिला सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी दी। छात्रों ने ताज सुरक्षा पुलिस की व्यवस्था, सहयोग और आतिथ्य की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। ताज सुरक्षा पुलिस का ह्यऑपरेशन टूरिस्ट डिलाइटह्व अभियान देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को सुरक्षित, सहज और यादगार अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से लगातार संचालित किया जा रहा है। जबकि मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

शहर में 26 केंद्रों पर होगी ग्रुप-सी की मुख्य परीक्षा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

अपर जिलाधिकारी (नगर) यमुनाधर चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ की ओर से 9 अगस्त को आयोजित होने वाली प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी मुख्य परीक्षा की तैयारियों के लिए बैठक आयोजित की गई। अपर जिलाधिकारी (नगर) ने परीक्षा की समस्त व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

परीक्षा का आयोजन 9 अगस्त को प्रातः 10 बजे से अपराह्न 12 बजे तक किया जाएगा। परीक्षा के लिए कुल 26 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिन पर कुल 11,808 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं।

परीक्षा की निगरानी एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु 26 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं 26 स्टैटिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त कक्ष निरीक्षकों की तैनाती की प्रक्रिया प्रचलित है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि परीक्षा केंद्रों के केंद्र व्यवस्थापकों, सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक आयोजित कर उन्हें परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों एवं दायित्वों के संबंध में विस्तार से ब्रीफ किया जाएगा।

गौसेवकों ने गौ सेवा कर पुण्य लाभ कमाया

टीएनएफ टुडे, आगरा।

गौ सेवा को समर्पित 'गौ सेवा संकल्प परिवार की ओर से बृहस्पतिवार को रामलाल वृद्धाश्रम व गौशाला में गौसेवा की गई। वृद्धजनों के लिए राशन का सामान दिया गया।

सर्वप्रथम गौ माता की पूजा की गई। सभी ने वहां उपस्थित गौ माताओं को हरा चारा, हरी सब्जी, भूसा, चोकर, चना दाल, गुड़, केले, रोटी आदि खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। संस्थापक रितु गोयल, रचना कपूर, साक्षी शर्मा, राहुल अग्रवाल, विजय कपूर, संजय कुमार व मोंटी अग्रवाल ने व्यवस्थाएं संभाली। गौसेवक पदाधिकारियों द्वारा कार्यशील गौसेवक के रूप में ममता मित्तल को पटका व शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

राकेश शुक्ला, श्रुति सिन्हा, दिनेश भार्गव, डॉ अरुणा भार्गव, वर्षा अग्रवाल, आर के कपूर, कुमुद पांडे, अखिलेश पांडे, वंदना परिहार, आशा अग्रवाल, ऋचा गोयल, माया देवी, रजनी भटनागर, दीपा मित्तल, कमलेश सिंघल, कुमुद सिंघल, डॉ रचना अग्रवाल, सरिता सिंह, डॉ कल्पना पोरवाल, बब्बल परमार, अंजू सिंह, कीर्ति अग्रवाल, नीलम गुप्ता, शिखा अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, अनु अरोरा, शिवानी सिंह, रेखा रानी, गीता मयंक, ऊषा सिंह, रश्मि चोपड़ा, सुनीता दुबे, निर्मला देवी, रीता अग्रवाल, मीरा माहेश्वरी, दिनेश गौतम, प्रीति चौहान, राखी गुप्ता, प्रीति अग्रवाल, आशा अग्रवाल, जगदीप कपूर, पीयूष गर्ग, अनीता सान्याल, रेखा तिवारी, डॉ माधवी कुलश्रेष्ठ, नीतू अग्रवाल, संजीव गोयल, जितेन्द्र शर्मा आदि ने सहयोग किया।

गड्ढे में गिरे कुत्ते को बचाया

आगरा। 'कैस्पर होम' के वॉलंटियर ऋषभ ने एक प्लॉट में बने बड़े और गहरे गड्ढे में गिरे कुत्ते कोबचा लिया। दोपहर बाद शाहगंज इलाके से मिली सूचना पर टीम मौके पर पहुंची और 112 नंबर पर फोन किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। दोपहर बाद करीब 3 बजे किसी भी हेल्पलाइन से कोई जवाब नहीं मिल रहा था। वॉलंटियर ऋषभ सक्सेना ने बारिश के मौसम के बावजूद कुत्ते को बचाने के लिए जोखिम उठाया। उन्होंने सफलतापूर्वक कुत्ते को बचा लिया। अब कुत्ता कॉलोनी में लोगों के साथ सुरक्षित है। 'कैस्पर होम' संस्थापिका विनीत अरोड़ा ने कहा कि सीवीओ डीके पांडे के सामने मांग रखी कि पशु क्रूरता को रोकने के लिए टीम बनाई जाए और रेस्क्यू टीम भी बने। इसमें प्रशिक्षित सदस्य हों। गाय शेल्टर में डॉग्स शेल्टर की व्यवस्था कराई जाए। डीके पांडे ने आगामी मीटिंग में सुझाव रखने का

डेयरी कॉन्क्लेव में 140 लोगों का प्रशिक्षण शुरू

दुग्ध विकास विभाग के 50 वर्ष पूरे होने पर महोत्सव आयोजित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

दुग्ध विकास विभाग के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे दुग्ध स्वर्ण महोत्सव के अंतर्गत जनपद स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डेयरी एवं पशुपालन व्यवसाय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 140 प्रशिक्षार्थियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को वैज्ञानिक पशुपालन, आधुनिक डेयरी प्रबंधन, पशुपोषण, दुग्ध उत्पादन वृद्धि की तकनीकों तथा शासन की विभिन्न लाभकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रतिभा सिंह मुख्य विकास अधिकारी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. डीके पाण्डेय मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी ने कहा कि

डेयरी एवं पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम है। यदि किसान आधुनिक तकनीकों एवं वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर पशुपालन करें तो वे अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने लोगों से गौसंरक्षण एवं गौसेवा के प्रति जागरूक होने का आह्वान करते हुए कहा कि सहभागिता योजना के माध्यम से गौशालाओं से गाय लेकर उनका पालन-पोषण करें। इससे गौवंश संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा परिवारों को शुद्ध एवं पौष्टिक दूध उपलब्ध होगा। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी ने कहा कि पशुपालन केवल अतिरिक्त आय का साधन नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास एवं आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, स्वच्छता बनाए रखने तथा समाज को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान करते हुए कहा कि ₹निरोगी रहें, स्वस्थ रहें और स्वच्छ रहें₹ यही हम सभी का संकल्प होना चाहिए।

डॉ देवेंद्र पाल सिंह अपर निदेशक ग्रेड2 ने कहा कि पशुपालन विभाग द्वारा संचालित नंद बाबा दुग्ध मिशन, मिनी नंदिनी योजना एवं सहभागिता योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक डेयरी प्रबंधन, संतुलित पशु आहार, पशु स्वास्थ्य प्रबंधन, रोग नियंत्रण, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने की वैज्ञानिक तकनीकों एवं विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान नंद बाबा दुग्ध मिशन योजनांतर्गत मुख्यमंत्री गौ संवर्धन योजना की लॉटरी भी सम्पन्न करायी गई। कार्यक्रम में उपमुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ प्रियंका शुक्ला एवं डॉ विपिन यादव, वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक मनोज सोलंकी सहित पशुपालन एवं दुग्ध विकास विभाग के अधिकारी, कार्मिक, प्रशिक्षक तथा बड़ी संख्या में पशुपालक एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

नारायणी माता की शोभायात्रा 19 सितंबर को

टीएनएफ टुडे, अछनेरा।

कस्बा किरावली स्थित देव गार्डन में सेन समाज की आराध्य माँ नारायणी माता की 19 सितंबर को प्रस्तावित भव्य शोभायात्रा के सफल आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में शोभायात्रा की तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं जिम्मेदारियों पर चर्चा करते हुए विभिन्न पदाधिकारियों का चयन किया गया। बैठक में राजेश सविता को अध्यक्ष, ख्याली राम मास्टर एवं सुभाष डीलर को कोषाध्यक्ष, जय प्रकाश एवं धर्मेंद्र को उपाध्यक्ष बनाया गया। संरक्षक मंडल में रोशन लाल चित्तौड़िया (प्रधान जी), शिवराम भगत जी, शिव सिंह, ब्रजकिशोर, जसवंत सिंह, होतम सिंह, दामोदर मास्टर, भूरी सिंह, ज्ञान सिंह प्रधान एवं होती लाल को शामिल किया गया।

वहीं राकेश सिंह एवं पवन कुमार को सचिव, विनोद कुमार, बलराम, देवेंद्र एवं राधे श्याम को महासचिव तथा प्रमोद कुमार, गोरेलाल एवं पवन सविता को महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। सदस्य के रूप में बंटू, राजवीर, गोवर्धन, राधे सविता एवं पवन को शामिल किया गया। बैठक में 19 सितंबर को निकलने वाली माँ नारायणी माता की शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

भगवान शिव के रूप ने सभी को मोहित किया

टीएनएफ टुडे, आगरा।

पं. रतिराम शिव दुर्गा मन्दिर प्रतापपुरा पर श्रावण माह में चल रही कथा के छठवें दिन की कथा में कथा व्यास पं लोकेश कृष्ण शास्त्री ने कहा कि भगवान सदा शिव अपनी बरात में सभी गणों ओर देवताओं को लेकर हिमालय राज के यहाँ जैसे ही पहुंचे। देवताओं को देख कर सब आनन्द में आ गए। जैसे ही शिव गणों और भूतों को देखा तो सब डर गए। बच्चे छुपने लगे। माता मैना मूर्छित हो गयीं और नारद जी को कोसने लगी। नारद जी ने समझया कि यह विधि की लेखनी है। कोई इसे मिटा नहीं सकता। पार्वती माँ के समझाने पर माता तैयार हुई। देवताओं ने शंकर जी का सुन्दर श्रृंगार किया। शंकर जी के

उस रूप को देख सब मोहित हो गए। तब वैदिक क्रिया से ब्राह्मणों ने शंकर जी का विवाह माता पार्वती से कराया। विवाह के उपरांत एक ब्राह्मणी ने पार्वती को पतिव्रत धर्म का अवदेश किया। उपदेश पाकर पार्वती माता भोले भगवान के साथ अपने पिता हिमालय के यहाँ से विदा होकर कैलाश पर जाकर वास करने लगी। कथा में मन्दिर महन्त पं. तुहिराम, संतोष शास्त्री, समाजसेवी श्याम भोजवानी, उमेश अग्रवाल, नवल किशोर अग्रवाल, उर्मिला देवी, ब्रज मोहन गोयल, तनय अग्रवाल, राजेश कुमार शर्मा, राहुल मुदगल, रामप्रकाश शर्मा, सौरव अग्रवाल, राजेन्द्र अग्रवाल उपस्थित रहे।

भव्य तिरंगा यात्रा के लिए किया मंथन

आगरा। तिरंगा फाउंडेशन की ओर से 15 अगस्त को आयोजित होने वाली 8वीं भव्य तिरंगा यात्रा की तैयारियों के क्रम में गुरुवार को दूसरी बैठक उत्साहपूर्ण वातावरण में हुई। बैठक में यात्रा को भव्य, अनुशासित एवं जनभागीदारी से परिपूर्ण बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई और पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों की घोषणा की गई। अलौकिक उपाध्याय को तिरंगा यात्रा का अध्यक्ष तथा एकता जैन को महिला मोर्चा अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में मंचासीन वरिष्ठजनों में वसंत कुमार गुप्ता, जगदीश कुशवाहा एवं तिरंगा फाउंडेशन के संस्थापक भोला पंडित उपस्थित रहे। संचालन कर रहे संस्थापक भोला पंडित ने कहा कि तिरंगा केवल हमारी पहचान नहीं, बल्कि राष्ट्र की आन, बान और शान का प्रतीक है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर लोगों को तिरंगा यात्रा से जोड़ें और इसे राष्ट्रभक्ति का जन आंदोलन बनाएं। तिरंगा फाउंडेशन के संयोजक सनी उपाध्याय, प्रद्युम्न उपाध्याय, प्रिंस चक, विशाल उपाध्याय, आयुष पाठक, परितोष चौहान, अनुभव दीक्षित, कौशल चौहान, अंजू शर्मा, रवि माथुर, मुकेश गुप्ता, अंजू शर्मा, जीत शर्मा आदि मौजूद रहे।

नशा मुक्ति अभियान में सेमिनार और वृत्तचित्र का प्रदर्शन

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ बेसिक साइंसेज (आईबीएस) के रसायन विज्ञान विभाग ने गुरुवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत सेमिनार एवं वृत्तचित्र का प्रदर्शन" किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गौरीश सक्सेना उपस्थित रहे। उनके साथ विभागाध्यक्ष प्रोफेसर देवेंद्र कुमार, डॉ. अमित गुप्ता, डॉ. अंशिका हजेला भी मंच पर विराजमान रहे। कार्यक्रम के दौरान नशे की भयावह वास्तविकता को दशार्ने वाली एक लघु डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई। प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों में अरशद, कृष्णा, गौरा, दीक्षा और कथा प्रमुख रूप से शामिल रहे। मुख्य अतिथि गौरीश सक्सेना ने युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर देवेंद्र कुमार ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कबड्डी में वाराणसी मंडल ने मारी बाजी

आगरा छात्रावास की टीम को 41-18 के अंतर से किया पराजित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

खेल निदेशालय, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में प्रदेशीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में गुरुवार को समापन एवं पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि हेमलता काला, पूर्व अन्तर्राश्ट्रीय क्रिकेटर के कर कमलों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि को संजय शर्मा, क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी द्वारा बुके भेंटकर स्वागत किया गया। कल्पना चौधरी ने मुख्य अतिथि को बैज लगाकर एवं पटका पहनाकर स्वागत किया।

कबड्डी प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल मैच में अलीगढ़ की टीम ने सहारनपुर को 25-20 से, मेरठ मण्डल की टीम ने गोरखपुर को 31-12 से, आगरा छात्रावास की टीम ने कानपुर मण्डल को 24-16 से तथा वाराणसी मण्डल ने आगरा मण्डल को 35-12 से पराजित कर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल मैच वाराणसी मण्डल

तथा अलीगढ़ मण्डल के मध्य खेला गया। इसमें वाराणसी मण्डल की टीम ने अलीगढ़ को 35-20 से पराजित करते हुए फाइनल में जगह बनाई। जबकि दूसरे सेमीफाइनल में आगरा छात्रावास की टीम ने मेरठ मण्डल को 43-40 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह प्रतियोगिता का फाइनल मैच आगरा छात्रावास और वाराणसी मण्डल के मध्य खेला गया। इसमें वाराणसी की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए आगरा छात्रावास की टीम को 41-18 के बड़े अंतर के मुकाबले से पराजित कर विजेता बनीं।

मैचो में निर्णायकों की भूमिका सुनील श्रीवास्तव, मनीश दिवाकर, विनोद चौधरी, अष्वनी चौधरी, विक्रम, संजय, सत्यदेव, कन्हैया, पवन, जयप्रकाश, संतोश लोधी एवं विनीत सारस्वत ने निभाई। विजेता, उपविजेता खिलाड़ियो को पुरस्कार, ट्राफी एवं प्रमाण पत्र एवं निर्णायकों को पुरस्कार मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अरविन्द यादव, क्रीड़ाधिकारी-एटा, बृजेन्द्र सिंह, जिला युवा कल्याण अधिकारी, मनोज कुशवाह आदि उपस्थित रहे। आयोजन के बाद उपस्थित मुख्य अतिथि, अतिथियों, खिलाड़ियों एवं निर्णायकों का संजय शर्मा, क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी ने आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन हरदीप सिंह ने किया।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादकः धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

झूठी शान, बिखरती इंसानियत और हमारा आत्मनिरीक्षण

आज का समाज एक अजीब से अंतर्विरोध के चौराहे पर खड़ा है। एक तरफ हम मंगल और चांद पर बस्तियां बसाने की होड़ में हैं, आधुनिकता का चोला ओढ़ रहे हैं, और लिव-इन रिलेशनशिप से लेकर समलैंगिकता जैसे विषयों पर कानूनी और सामाजिक बहस कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ, जमीनी हकीकत यह है कि आज भी हम अपनी ही बेटियों, बहनों और बहुओं को उनकी मर्जी से जीने का हक नहीं दे पा रहे हैं। 'ऑनर किलिंग' यानी झूठी शान की खातिर हत्या जैसे क्रूर शब्द इस बात के गवाह हैं कि हम विकास की सीढ़ियां चढ़ते हुए असल में कितने पीछे छूट गए हैं। हाल ही में एक ही तहसील में दो दिनों के भीतर दो लड़कियों की हत्या की घटना इस बात का झकझोरने वाला सबूत है कि हमारी तथाकथित सामाजिक मयार्दाओं के पीछे कितनी भयानक पशुता छिपी है। हमारा संविधान और व्यवस्था अपराधियों को सुधारने, अपराध को खत्म करने और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए नीतियां बनाते हैं। लेकिन समाज के भीतर आज भी 'जैसे को तैसा' का हिंसक सिद्धांत हावी है। अदालते, थाने, अस्पताल और सुधार गृह तब पूरी तरह बेअसर साबित होने लगते हैं जब इंसान का अपना स्व-विवेक और करुणा समाप्त हो जाती है। एक हत्या सिर्फ एक जीवन को खत्म नहीं करती, बल्कि उससे जुड़े दर्जनों घरों को हमेशा के लिए सूना और तबाह कर देती है। इस दौर में जहां धर्म और नेतृत्व का काम समाज को सही दिशा दिखाना, दया और सहिष्णुता सिखाना होना चाहिए था, वहां न्याय के नाम पर 'ठोक देंगे' और 'बुलडोजर नीति' जैसी आक्रामक प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिल रहा है। तात्कालिक और त्वरित न्याय का यह दिखावा मानवीय सुधारों की मूल आत्मा को ठेस पहुंचाता है। जब रक्षक या मार्गदर्शक ही प्रतिशोध की भाषा बोलने लगें, तो आम जनमानस में छिपी हिंसक भावनाएं और उग्र हो जाती हैं। कानून का डर होना जरूरी है, लेकिन भय और प्रतिशोध के बल पर कभी भी संवेदनशील समाज का निर्माण नहीं किया जा सकता। हम नियम, प्रणालियां और तकनीक तो बेहतर बनाते जा रहे हैं, लेकिन हमारे कर्तव्य, दायित्व और नैतिक दायरे पीछे छूटते जा रहे हैं। हम घूम-फिरकर उसी आदिम युग की हिंसक मानसिकता की ओर लौट रहे हैं जहां ताकत और अहंकार ही सब कुछ था। यदि हमें वाकई एक विकसित समाज बनना है, तो हमें अपनी बेटियों को बंधनों में जकड़ने के बजाय अपने बेटों को संस्कारी और संवेदनशील बनाना होगा। झूठी आन-बान और शान के नाम पर अपनों का खून बहाना कोई बहादुरी नहीं, बल्कि समाज के मानसिक दिवालियेपन की निशानी है। अब समय आ गया है कि हम इस खोखली शान को छोड़कर इंसानियत, प्रेम और आपसी सम्मान के परिवेश को वापस लाएं।

युवा मंचः जब तर्क हारने लगते हैं...

> साहित्य का संसार भी इस प्रवृति से मुक्त नहीं रहा। अनेक बार किसी नई भाषा, नई शैली या नए विचार को केवल इसलिए अस्वीकार कर दिया गया क्योंकि उसे किसी युवा ने लिखा था। आलोचना रचना की नहीं, रचनाकार की आयु की होने लगी। जैसे साहित्य का मूल्य शब्दों से नहीं, जन्मतिथि से तय होगा। जबकि साहित्य का इतिहास बताता है कि हर नई धारा ने पहले अस्वीकृति झेली, फिर वही धारा परंपरा बन गई। कल जिन्हें अपरिपक्व कहा गया, आज उन्हें युगद्रष्टा कहा जाता है।

रत्ना भदौरिया छात्रा बाह

इतिहास की सबसे पुरानी चालों में एक यह भी रही है कि जब किसी विचार का उत्तर देना कठिन हो जाए, तब विचार रखने वाले की पहचान पर प्रश्न खड़ा कर दिया जाए। कभी उसकी जाति देखी गई, कभी उसका वर्ग, कभी उसका लिंग, और बहुत बार उसकी उम्र। विशेषतः यदि वह युवा हो, तो उसके तर्कों का सामना करने के बजाय उसे "अपरिपक्व", "आवेगशील", "अनुभवहीन" या "नासमझ" कह देना समाज की एक सुविधाजनक आदत रही है। यह केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं, बल्कि विचार-विमर्श की संस्कृति का पतन है। समाज ने उम्र को सम्मान देना सीखा, यह उचित है; किंतु धीरे-धीरे सम्मान और अचूकता का अंतर मिटा दिया गया। अनुभव का आदर करते-करते हमने यह मान लिया कि अधिक आयु का अर्थ अधिक सत्य भी है। यहीं से समस्या आरंभ होती है। उम्र समय का माप है, विचार का नहीं। किसी व्यक्ति ने वर्षों में क्या सीखा, क्या पढ़ा, क्या समझा, किन पूर्वाग्रहों को छोड़ा और किन नए प्रश्नों को स्वीकार किया—यह उसकी वास्तविक परिपक्वता का पैमाना है। केवल कैलेंडर के पन्ने बदलते रहने से चेतना का विस्तार नहीं होता। राजनीति इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है। जब युवा व्यवस्था से प्रश्न करते हैं, तब उन्हें कहा जाता है—"पहले जीवन देखो, फिर बात करना।" परंतु क्या जीवन देखने का अर्थ अन्याय को चुपचाप स्वीकार कर लेना है? क्या अनुभव का अर्थ केवल समझौते करना है? यदि ऐसा होता, तो हर क्रांति असंभव होती। इतिहास में जितने बड़े परिवर्तन हुए, उनमें युवाओं की बेचैनी, साहस और प्रश्नाकुलता ने निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने इसलिए परिवर्तन नहीं किए कि वे कम उम्र के थे, बल्कि इसलिए कि वे जड़ता को नियति मानने को तैयार नहीं थे।

साहित्य का संसार भी इस प्रवृत्ति से मुक्त नहीं रहा। अनेक बार किसी नई भाषा, नई शैली या नए विचार को केवल इसलिए अस्वीकार कर दिया गया क्योंकि उसे किसी युवा ने लिखा था। आलोचना रचना की नहीं, रचनाकार की आयु की होने लगी। जैसे साहित्य का मूल्य शब्दों से नहीं, जन्मतिथि से तय होगा। जबकि साहित्य का इतिहास बताता है कि हर नई धारा ने पहले अस्वीकृति झेली, फिर वही धारा परंपरा बन गई। कल जिन्हें अपरिपक्व कहा गया, आज उन्हें युगद्रष्टा कहा जाता है।

कला में भी यही होता है। जब स्थापित सौंदर्यबोध को चुनौती मिलती है, तो कहा जाता है कि "नई पीढ़ी को कला की समझ नहीं।" किंतु हर युग की कला अपने समय की बेचैनी से जन्म लेती है। यदि नई पीढ़ी केवल पुराने रूपों की नकल करती रहती, तो कोई नई अभिव्यक्ति कभी जन्म ही न लेती। विडंबना यह है कि जो समाज युवाओं से विज्ञान, तकनीक, युद्ध, खेल, उद्योग और श्रम में चमत्कार की अपेक्षा रखता है, वही समाज विचार के क्षेत्र में उन्हें बच्चा घोषित कर देता है। जब राष्ट्र का भविष्य बनाना हो, तब युवा सक्षम हैं; पर जब राष्ट्र की दिशा पर प्रश्न उठाना हो, तब वही युवा अनुभवहीन हो जाते हैं। यह विरोधाभास संयोग नहीं, सत्ता-संरचनाओं की सुविधा है।

यह भी उतना ही सत्य है कि युवावस्था अपने-आप में ज्ञान का प्रमाण नहीं। उत्साह यदि अध्ययन से न जुड़ा हो, तो वह शोर बन सकता है। इसलिए युवा होने का अर्थ केवल प्रश्न करना नहीं, प्रश्न करने की तैयारी भी है। पढ़ना, सुनना, समझना, आत्मालोचन करना और अपनी भूल स्वीकार करना—यही वह प्रक्रिया है जो विचार को विश्वसनीय बनाती है। किंतु यही बात वरिष्ठों पर भी समान रूप से लागू होती है। यदि कोई व्यक्ति केवल इसलिए स्वयं को अंतिम सत्य मान ले कि उसने अधिक वर्ष देखे हैं, तो वह अनुभव का नहीं, अहंकार का प्रतिनिधि बन जाता है।

समाज की सबसे बड़ी त्रासदी तब जन्म लेती है जब संवाद की जगह वरिष्ठता बैठ जाती है। तर्क की जगह पद, अध्ययन की जगह प्रतिष्ठा और विचार की जगह उम्र खड़ी कर दी जाती है। तब ज्ञान का प्रवाह रुक जाता है। जो नई पीढ़ी सीख सकती थी, वह चुप हो जाती है; और जो पुरानी पीढ़ी सीख सकती थी, वह सुनना छोड़ देती है। परिणाम यह होता है कि पीढ़ियाँ एक-दूसरे की पूरक बनने के बजाय प्रतिद्वंद्वी बन जाती हैं। वास्तविक परिपक्वता यह स्वीकार करने में है कि सत्य किसी एक पीढ़ी की निजी संपत्ति नहीं। वह निरंतर संवाद से जन्म लेता है। एक युवा का प्रश्न किसी वरिष्ठ की दशकों की सोच को नया आयाम दे सकता है, और एक वरिष्ठ का अनुभव किसी युवा की अधीरता को दिशा दे सकता है। यही स्वस्थ समाज की पहचान है।

आज आवश्यकता इस बात की नहीं कि युवाओं को बिना सोचे महान घोषित कर दिया जाए, और न ही इस बात की कि वरिष्ठों को केवल आयु के कारण अंतिम प्राधिकारी मान लिया जाए। आवश्यकता इस बात की है कि विचारों का मूल्य उनके तर्क, अध्ययन, संवेदना और ईमानदारी से तय हो। जिस दिन हम किसी तर्क का उत्तर उसकी आयु देखकर देंगे, उसी दिन हम ज्ञान नहीं, पूर्वाग्रह का समर्थन कर रहे होंगे।

प्रश्न केवल युवाओं का नहीं है। प्रश्न उस मानसिकता का है जो हर नई आवाज से डरती है। क्योंकि जो व्यवस्था प्रश्नों से भयभीत होती है, वह सबसे पहले प्रश्न पूछने वाले की उम्र गिनती है। उसे पता होता है कि यदि विचार से सामना किया, तो शायद उसकी अपनी जड़ता उजागर हो जाएगी। इसलिए वह संवाद नहीं करती, उपेक्षा करती है; तर्क नहीं देती, उपाधियाँ देती है; और उत्तर नहीं खोजती, बल्कि कहती है—"अभी तुम छोटे हो।" शायद यही वह क्षण है जहाँ समाज को स्वयं से पूछना चाहिए—क्या हम सचमुच अनुभव का सम्मान कर रहे हैं, या अनुभव के नाम पर जड़ता को सिंहासन पर बैठा चुके हैं? और क्या हम युवाओं को इसलिए अस्वीकार करते हैं कि वे गलत हैं, या इसलिए कि उनके प्रश्न हमारे सुविधाजनक मौन को असहज कर देते हैं?

दुष्कर्म के दोषी पूर्व संपादक को 10 साल की सख्त जेल

गोवा में बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को निचली अदालत के 2021 के बरी करने के फैसले को पलट दिया और 'तहलका' मैगजीन के पूर्व एडिटर 61 वर्षीय तरुण तेजपाल को 2013 में गोवा के एक फाइव-स्टार होटल में 'थिंकफेस्ट' कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी एक जूनियर सहयोगी के साथ रेप का दोषी ठहराया। जस्टिस नीला गोखले और अमित जमसांडेकर की बेंच ने गुरुवार को तेजपाल को 10 साल की कड़ी सजा सुनाई।इससे पहले बंबई उच्च न्यायालय ने समाचार पत्रिका ह्यतहलकाह्न के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल को 2013 में अपनी एक सहकर्मी से दुष्कर्म के मामले में बृहस्पतिवार को दोषी करार दिया। अदालत ने गोवा के एक सत्र न्यायालय द्वारा पांच साल पहले उसे बरी करने के फैसले को भी रद्द कर दिया। सुनवाई के दौरान तेजपाल ने स्वयं को ह्यह्यराजनीतिक प्रताड़ना का शिकारह्नह्न बताया और दो बेटियों का पिता होने का हवाला देते हुए अदालत से नरमी बरतने की अपील की।

वहीं, गोवा सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अधिकतम सजा की मांग करते हुए कहा कि इससे यह स्पष्ट संदेश जाएगा कि ''नहीं का मतलब नहीं'' (शारीरिक संबंध के लिए सहमति नहीं देना) होता है। उच्च न्यायालय की गोवा पीठ के न्यायमूर्ति नीला गोखले और न्यायमूर्ति अमित जमसांडेकर ने कहा कि वे दोपहर में सजा पर अपना आदेश सुनाएंगे। पीठ ने कहा कि हम निचली अदालत के बरी करने के आदेश को निरस्त करते हैं। प्रतिवादी (तरुण तेजपाल) को दोषी करार देते हैं। उच्च न्यायालय के फैसले के बाद अदालत परिसर के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में तेजपाल ने कहा कि वह इस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगे।

-अनाम

मिलावटखोरों के खिलाफ भी करना पड़ेगा देशव्यापी आंदोलन

संतोष कुमार पाठक

संसद भवन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध लगातार जारी है और वहीं देश के तीन राज्यों की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों पर भी मीडिया में काफी चर्चा हो रही है। लेकिन इस बीच कई ऐसी खबरें भी लगातार निकल कर सामने आ रही है, जिसपर बड़े पैमाने पर चर्चा, वाद-संवाद और कार्रवाई की जरूरत है। लेकिन इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा कि देश के सभी लोगों के जीवन से जुड़े इतने महत्वपूर्ण मसले पर चर्चा करने का समय किसी के पास नहीं है। सत्ता में बैठने वाली किसी भी सरकार (चाहे वो किसी भी राजनीतिक दल की हो) के पास इसके समाधान का कोई स्थायी फॉमूर्ला या विजन नहीं है, विपक्ष के पास भी इस पर बात करने की फुर्सत नहीं है और सरकारी अधिकारी अपने में ही मस्त है।

हाल ही में देश के एक बड़े अखबार ने इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में जो दावा किया है, उसने सबकी नींदे उड़ा दी है। इस रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि उत्तर प्रदेश की कई आटा मिलों में गेंहू के आटे में सफेद पत्थर का चूरा यानी स्टोन पाउडर मिलाया जा रहा है। मुनाफाखोरी के लालच में ये

मिलावटखोर हमें पत्थर वाले आटे से बनी रोटी खाने को मजबूर कर रहे हैं। जबकि ये भी जानते हैं कि इस मिलावटी आटे से बनी रोटी को खाने से लोगों के शरीर पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ेंगे।

आजकल लोगों के घरों से लेकर, फास्ट फूड, शादी-ब्याह और पार्टियों तक में सबसे ज्यादा पनीर का इस्तेमाल किया जाता है। कई एक्सपर्ट/ जिम ट्रेनर तो बॉडी को मजबूत बनाने के लिए भी पनीर खाने की सलाह देते हैं। लेकिन पनीर में मैदा या अरारोट मिलाना और स्किम्ड मिल्क पाउडर एवं वनस्पति तेल का इस्तेमाल कर सिंथेटिक या नकली पनीर बनाना तो आम बात हो गई है। बल्कि ऐसे गंभीर मामले भी कई बार सामने आए हैं, कि डिटर्जेंट या यूरिया से बने दूध का भी इस्तेमाल कर पनीर बनाया और बेचा जाता है।

महाराष्ट्र सरकार ने कुछ दिन पहले ही, राज्य में एनालॉग पनीर यानी नॉन डेयरी पनीर के निर्माण, बिक्री, भंडारण, परिवहन और वितरण पर यह कहते हुए प्रतिबंध लगा दिया कि असली पनीर बताकर इसे बेचना उपभोक्ताओं को गुमराह करना है। महाराष्ट्र सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य का हवाला देते हुए अपने आदेश में सख्त शब्दों में कहा कि नियम तोड़ने वालों पर खाद्य सुरक्षा कानून के तहत कड़ी कार्रवाई होगी। अपराध की गंभीरता के आधार पर 6 महीने तक की जेल और एक लाख रुपए तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। इससे पहले छत्तीसगढ़ सरकार भी एनालॉग पनीर यानी नॉन डेयरी पनीर को लेकर ऐसा ही फैसला कर चुकी है।

सबसे अधिक दुःखद और परेशानी में डालने वाला तथ्य तो यह है कि देश की नामी-गिरामी कंपनियां भी उपभोक्ताओं को धोखा देने का कोई मौका नहीं चूकती है। रोजमर्रा की जरूरत का कई सामान बेचने वाली एफएमसीजी कंपनी डाबर को लेकर भी चौंकाने वाली खबर सामने आई है। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने डाबर द्वारा किए जा रहे ' 100% प्योर', '100% ऑर्गेनिक' और '100% नेचुरल' जैसे दावों को भ्रामक बताते हुए ऐसे प्रोडक्ट्स की बिक्री को तुरंत रोकने का आदेश दे दिया है। इन प्रोडक्ट्स में शहद, गाय का देसी घी, तिल का तेल और नारियल पानी जैसी कई चीजें शामिल हैं। डाबर को 15 दिनों के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट भी जमा करने को कहा गया है।

इससे पहले भी कई नामी-गिरामी और बड़ी कंपनियों के प्रोडक्ट्स पर गंभीर सवाल उठ चुके हैं। सबसे बड़ी विडंबना तो यह है कि यही कंपनियां जब विदेश खासकर अमेरिका या यूरोपीय देशों में कोई सामान बेचती है तो उसकी क्वालिटी का खास ध्यान रखती है लेकिन भारतीयों के लिए इनका एटीट्यूड 'सब चलता है टाइप' ही होता है।

लोग पैसे खर्च करने को तैयार हैं ताकि उन्हें शुद्ध आटा, दाल, चावल, मसाले, चीनी, दूध, घी, खाद्य तेल, सब्जियां, पनीर, शहद, पानी और अन्य सामान मिल सके। लेकिन ज्यादा खर्च के बाद भी उनके साथ न केवल ठगी की जा रही है बल्कि लोग गंभीर बीमारियों के भी शिकार होकर मरते भी जा रहे हैं।

लेकिन क्या सिर्फ कानून बना देने से इस भयावह समस्या का समाधान हो जाएगा, कतई नहीं। इसके लिए युद्धस्तर पर एक मिशन के तहत कई मोर्चों पर एक साथ काम करना पड़ेगा। नकली सामानों को बनने के स्तर पर ही रोकना होगा, इसके लिए उत्तरदायी विभाग में मैन पावर बढ़ाने के साथ ही उनकी जिम्मेदारी भी तय करनी होगी। इससे जुड़े विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को हर महीने अपनी संपत्ति का ब्यौरा भी ऑनलाइन भरना चाहिए। ऐसे मामलों को निपटाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर फैसले की समय सीमा भी तय करनी होगी। इसके साथ ही बड़े पैमाने पर कई अन्य कदम भी उठाने होंगे। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है कि क्या हमारी सरकार, अधिकारी, अदालत और नेता..ये सब इसके लिए तैयार हैं?

सितारों की चालः आपका भविष्यफल

दिनांक 08 अगस्त 2026 शनिवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष सिंह कन्या धनु और मीन राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का सहयोग बहुत उत्तम रहेगा। शनिवार का दिन साक्षात न्याय के देवता भगवान शनिदेव की आराधना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन शनिदेव को सरसों का तेल अर्पित करना तथा हनुमान चालीसा का वाचन करना जीवन में असीम मानसिक शांति आरोग्यता पारिवारिक सुख और उच्च प्रशासनिक सफलता लेकर आता है।

मेष

आज आपकी सामाजिक साख और व्यावसायिक सम्मान में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव अत्यधिक होगा और सोचे हुए सभी रुके हुए काम गति पाएंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी सुस्ती आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। शनिदेव को प्रणाम करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद हल होंगे। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी मुख्य और सम्मानित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मस्तक ऊंचा होगा और मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। शनि चालीसा का जाप करें जिससे आपके घर में स्थाई सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल व्यावसायिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। शनिवार को पीपल के वृक्ष के पास दीप प्रज्वलित करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क

मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊर्जावान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी महत्वपूर्ण व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। शनिदेव के सम्मुख सरसों के तेल का दीप अर्पित करें जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर भस्म का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और उच्च सहयोगियों की मदद से किसी महत्वपूर्ण नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी सच्ची मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। असहाय लोगों के लिए अन्न की व्यवस्था करें जिससे आपके यश में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र विस्तृत होगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। मस्तक पर नीले रंग का पुष्प अर्पित करें या नीले वस्त्र धारण करें जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई महत्वपूर्ण रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा।

वृश्चिक

धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। शनि रक्षा स्तोत्र का वाचन करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का अधिक लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखित प्रमाण के कोई महत्वपूर्ण आर्थिक व्यवहार न करें। शनि मंत्र का मानसिक जाप करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत और नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए मुख्य व्यावसायिक सहयोगी सम्मिलित होने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। शनिदेव महाराज को याद करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर षड्यंत्र को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत महत्वपूर्ण और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। काले तिल का दान करें जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी जिससे मन को असीम राहत मिलेगी। किसी शिव मंदिर में धार्मिक पुस्तक दान करें जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शनिवार के दिन घर के मुख्य प्रवेश द्वार पर पश्चिम की दिशा में सरसों के तेल का दीपक प्रज्वलित करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा और भयंकर वास्तु दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात शनिदेव की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा संवर्धित होती रहती है।

18 साल बाद एमवीडीए छाता में लॉन्च करेगा सबसे बड़ी आवासीय योजना

117 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली आवासीय योजना के लिए भूमि का अधिग्रहण लगभग पूरा

- कोकिलावन शनिधाम, बरसाना और नंदगांव के निकट होने से लंबे समय से था इंतजार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण (एमवीडीए) जल्द ही छाता स्थित बहुप्रतीक्षित आवासीय योजना लॉन्च करने जा रहा है। 18 साल बाद के बाद यह प्राधिकरण की सबसे बड़ी आवासीय योजना है। योजना के लिए 102 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण पूरा हो चुका है।

दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप एमवीडीए ने सितंबर 2024 में 117 हेक्टेयर क्षेत्रफल की छाता आवासीय योजना को विकसित करने की प्रक्रिया शुरू की थी। करीब 15 माह के दौरान दिसंबर 2025 तक 60 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया। इसके बाद वर्तमान उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन के नेतृत्व मंक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाई गई, जिसके परिणामस्वरूप सिर्फ 7 माह में अब 102 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण पूरा हो चुका है। इस योजना की शेष भूमि का अधिग्रहण भी अगले कुछ समय में पूरा होने की संभावना है। भूमि अधिग्रहण की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के बाद मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण ने योजना को लॉन्च करने की तैयारियां तेज कर दी हैं।

खास बिंदु...

- 117 हेक्टेयर क्षेत्रफल में होगा आवासीय योजना का विकास
- 102 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण पूरा
- 350 किसानों ने दी है योजना के लिए जमीन
- एन एच 19 के निकट छाता में विकसित की जा रही है यह आवासीय योजना
- 2024 में शुरू की गई थी इस योजना के विकास की प्रक्रिया
- पिछले 07 माह के दौरान तेजी से हुआ जमीन अधिग्रहण का कार्य

मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि छाता आवासीय योजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। रुक्मिणी विहार आवासीय योजना, वृंदावन के बाद करीब 18 साल उपरांत प्राधिकरण छाता में सबसे बड़ी आवासीय योजना लॉन्च करने की तैयारी में है। इस योजना के लिए करीब 350 किसानों की सहमति प्राप्त की गई है। 117 हेक्टेयर में विकसित होने वाली इस आधुनिक आवासीय योजना में आवासीय एवं व्यावसायिक भूखंडों के साथ-साथ विद्यालय, महाविद्यालय, ग्रुप हाउसिंग, होटल, सुपर मार्केट, अस्पताल, ईडब्ल्यूएस भूखंड/ आवास निकट भी अतिरिक्त शॉपिंग काम्प्लेक्स सहित अन्य सामुदायिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि योजना का स्थान कोकिलावन शनिधाम, बरसाना और नंदगांव जैसे प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के निकट होने के कारण इसे भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा।

वाहन चेकिंग में 20 वाहन किए सीज

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- न्य नियम तोड़ने वाले 76 स्वामियों के वाहन का हुआ चालान

मिशन आरोही के अंतर्गत गुरूवार को 20 वाहन सीज किए गए। नियमों का उल्लंघन कर चला रहे सड़क पर 76 वाहन स्वामियों के वाहनों का चालान किया गया। यह क्रम पांच अगस्त से शुरू होकर आठ अगस्त तक जारी रहेगा।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, (प्रवर्तन) राजेश राजपूत के नेतृत्व में चलाए जा रहे 04 दिवसीय विशेष प्रवर्तन अभियान मिशन आरोही के दलों द्वारा अवैध संचालन, बिना टैक्स, ओवरलोड वाहनों, गलत नम्बर प्लेट एवं नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। एआरटीओ सत्येंद्र सिंह तथा यात्री कर अधिकारी श्रीमती पूजा सिंह द्वारा जनपद में बिना वैध प्रपत्र, अनफिट स्लीपर लंबी दूरी की बसों, बिना वैध नंबर प्लेट तथा गंभीर ओवरलोडिंग में लिप्त पाए गए कुल 20 वाहनों को सीज कर स्थानीय थाने में निरुद्ध कराया गया। साथ ही बकाया कर, निजी वाहनों का अनाधिकृत व्यावसायिक प्रयोग (रेलवे स्टेशन/संवेदनशील स्थल), ओवरस्पीडिंग, बिना हेलमेट सीटबेल्ट व अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन में 76 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही की गयी। एआरटीओ (प्रवर्तन) राजेश राजपूत ने स्पष्ट किया कि मिशन आरोही के तहत आने वाले अगले तीन दिनों (08 अगस्त तक) में यह अभियान बिना किसी ढिलाई के और अधिक कड़ाई से संचालित रहेगा।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आज वृंदावन में, तीन दिन रहेंगे

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

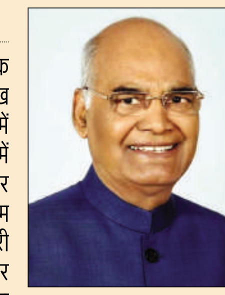

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 7 से 9 अगस्त तक वृंदावन प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वह प्रमुख मंदिरों में दर्शन-पूजन, धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता तथा विभिन्न संस्थानों के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार दोपहर वृंदावन स्थित विवांता होटल पहुंचेंगे। शाम छह बजे होटल से रवाना होकर श्री बांके बिहारी मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके बाद प्रेम मंदिर पहुंचेंगे। शाम को धनुका आश्रम में आयोजित रासलीला कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। शनिवार को सुबह 10 :30 बजे रामकृष्ण मिशन पहुंचेंगे। इसके बाद सिग्नेचर वृंदावन धाम, रुक्मिणी विहार में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। दोपहर में विश्राम के बाद शाम चार बजे रामकथा कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा शाम 5 :30 बजे इस्कॉन मंदिर पहुंचकर दर्शन करेंगे। रात्रि विश्राम होटल में करेंगे। रविवार सुबह नौ बजे होटल से प्रस्थान कर व्यजयंती आश्रम एवं श्री पुंडरीक जी महाराज आश्रम पहुंचेंगे। इसके बाद राधारमण मंदिर, निधिवन तथा सेवा कुंज का भ्रमण करेंगे। सिग्नेचर वृंदावन धाम में दोपहर का भोजन करने के बाद विवांता होटल लौटेंगे। शाम चार बजे वह नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। पूर्व राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए सभी कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

सोसनी हिंडोले में राजाधिराज के दर्शन पाकर भक्त हुए आनंदित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

पुष्टिमार्ग संप्रदाय के प्रसिद्ध मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश में गुरुवार को सावन मास के आठवें दिन ठाकुर राजाधिराज महाराज ने सोसनी हिंडोले में विराजमान होकर अपने भक्तों को धन्य किया। हिंडोला दर्शन पाकर भक्त आनंदित होकर राजाधिराज की जयजयकार करने लगे। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि नगर के प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर में पुष्टिमार्गीय परंपरा के अनुसार ठाकुर राजाधिराज जी को लाड़-लड़ाने के के लिए सावन मास में रंग बिरंगी घटाएं और हिंडोला को सजाया जाता है। इसी क्रम में आज मंदिर में सोसनी हिंडोले में राजाधिराज को झूला झुलाया गया। इस अवसर पर मंदिरों में दर्शनों के लिए भक्तों का तांता लग गया। सात अगस्त को संध्या समय 5.10 से 5.40 बजे तक ठाकुर राजाधिराज महाराज केले के हिंडोले में विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देंगे। उन्होंने भक्तों से केले के हिंडोले का दर्शन करने का अनुरोध किया है।

शपथ लेकर युवाओं ने जन जागरण का लिया संकल्प

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मथुरा में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति युवा विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरुवार को नशा मुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाते हुए अपने घर, परिवार, रिश्तेदारों, गांव, शहर तथा खेत खलिहानों तक नशा मुक्ति का संदेश पहुँचाकर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया। शपथ ग्रहण कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला नोडल अधिकारी डॉ. अशोक कुमार कौशिक, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नवीन अग्रवाल तथा एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. कपिल कौशिक के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रो. राजेश अग्रवाल, प्रो. राजेश गौतम, प्रो. उमेश शर्मा, प्रो. विनोद खंडेलवाल, डॉ. राजेश सारस्वत, डॉ. रामदत्त मिश्रा, डॉ. अजय उपाध्याय, डॉ विजय नारायण, रामकिशन शर्मा, दीपक कुमार, संजय सिंह, नितिन कुमार, रिंकू, तरुण कुमार, प्रवेश शर्मा, पवन कुमार आदि उपस्थित रहे।

खाद्य और अस्वच्छ 400 किलो पेड़ा नष्ट, फ्लोर मिलों से नमूने संग्रहित

मथुरा। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा जिलाधिकारी के निदेर्शों के अनुपालन में जनपद में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा छापामार कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में आज सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के0के0 त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य सचल दल ने मथुरा के विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया।

खाद्य सचल दल ने निम्नलिखित प्रमुख प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के कुल 06 नमूने संग्रहित किए, जिसमें मैसर्स भोले शंकर राइस एण्ड जनरल मिल्स (कंचनपुरा, गोवर्धन), मैसर्स अग्रवाल ट्रेडर्स (बरसाना रोड, गोवर्धन), मैसर्स ओम एग्रोटेक (गोवर्धन), लक्ष्मी फ्लोर मिल (इण्डस्ट्रियल एस्टेट, बरारी, मथुरा), श्री गोवर्धन फ्लोर मिल (रिफाइनरी इण्डस्ट्रियल एरिया, मथुरा) शामिल है। इन प्रतिष्ठानों से मैदा, रवा (रबा), तंदूरी आटा तथा गेंहूँ का आटा के एक-एक नमूने (कुल 4 नमूने) जांच के लिए लिए गए।

नंदबाबा के आंगन से गूंजे श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के स्वर

हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप के दिशा-निर्देश पर नंदगांव में चला जनजागरण अभियान

- घर-घर कराए हस्ताक्षर, मंदिर तोड़े जाने संबंधी साक्ष्यों का साहित्य वितरित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, नंदगांव (मथुरा)।

ब्रज के प्रमुख तीर्थ नंदगांव स्थित श्री नंदबाबा मंदिर परिसर से गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति को लेकर व्यापक जन जागरण अभियान चलाया गया। हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट के दिशा-निर्देश में आयोजित इस अभियान के तहत मंदिर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों को भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि प्रकरण, न्यायालय में चल रही कानूनी प्रक्रिया तथा ऐतिहासिक साक्ष्यों की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान घर-घर संपर्क कर हस्ताक्षर कराए गए तथा विषय से संबंधित पुस्तिकाएं और पंपलेट वितरित किए गए।

श्री नंदबाबा मंदिर के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में संत श्री श्यामानंद जी महाराज ने इस विषय से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों और न्यायालय में चल रही प्रक्रिया की जानकारी दी। हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंदिर के सेवायतों एवं अभियान से जुड़े कार्यकताओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि जनजागरण का उद्देश्य समाज को ऐतिहासिक तथ्यों एवं न्यायालयीन प्रक्रिया से अवगत कराना है। उन्होंने सेवायतों से आग्रह किया कि वे प्रत्येक घर तक पहुंचकर लोगों को उपलब्ध दस्तावेजों और ऐतिहासिक प्रमाणों की जानकारी दें तथा अधिक से अधिक लोगों को हस्ताक्षर अभियान से जोड़ें। इसके बाद सेवायतों एवं कार्यकताओं की टोली ने नंदगांव के विभिन्न मोहल्लों और ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाया।

महिलाओं ने भी हस्ताक्षर कर अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। इस अवसर पर श्री नंदबाबा मंदिर के सेवायत जगदीश गोस्वामी, कान्हा गोस्वामी, सोनू गोस्वामी, गोविंद गोस्वामी, दान बिहारी गोस्वामी, योगेश गोस्वामी, रवि गोस्वामी, शिवहरि गोस्वामी, पंकज गोस्वामी, दीपक गोस्वामी, शशिकांत, अटल गोस्वामी, गोपाल गोस्वामी, हीरा तथा बलदेव गोस्वामी सहित विभिन्न प्रांतों से आए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एक जैसी होगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भंडारों की डिजाइन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- नगर आयुक्त ने 30 भंडारा संचालकों के समक्ष रखी अपनी बात
- डिजाइन और रंग नगर निगम निर्धारित करेगा

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने नगर निगम के संबंधित अधिकारियों एवं शहर के भंडारा संचालकों के साथ भूतेश्वर मुख्यालय के सभागार में एक बैठक की। बैठक में नगर के लगभग 30 भंडारा संचालक एवं सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान नगर आयुक्त ने सभी से सुझाव आमंत्रित करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दौरान आयोजित होने वाले सभी भंडारों में एकरूपता दिखाई दे। इसके लिए नगर निगम द्वारा निर्धारित डिजाइन एवं रंग के अनुसार ही टेंट एवं बैनर लगाए जाएं। बैनरों पर केवल नगर निगम द्वारा निर्धारित संदेश अंकित किए जाएं। साथ ही म सबने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है का संदेश प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए।

नगर आयुक्त ने सभी भंडारा संचालकों से अपील की कि वे 25 अगस्त तक अपने भंडारे का पंजीकरण एवं अनुमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर लें। बैठक में भंडारा संचालन हेतु निर्धारित नियम एवं शर्तों की भी विस्तृत जानकारी दी गई।

पानी, शरबत की प्याऊ के लिए 250 रुपए, पूड़ी सब्जी भंडारा के लिए 1100, श्रीकृष्ण जन्मभूमि के 800 मीटर क्षेत्र, मसानी-भूतेश्वर मार्ग तथा पोतरा कुंड फ्लाईओवर से एनएच-2 तक प्याऊ, शरबत वितरण की अनुमति नहीं होगी। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

मौसम को लेकर मथुरा में अलर्ट, आपदा प्रबंधन ने जारी की एडवाइजरी

जनपद में कहीं तेज, कहीं भारी बरसात और वज्रपात की संभावना

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी नवीनतम मौसम पूवार्नुमान के अनुसार जनपद मथुरा में आगामी दिनों के दौरान कहीं कहीं भारी वर्षा, तेज आंधी, वज्रपात, तीव्र हवाएं तथा जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका व्यक्त की गई है। संभावित मौसमी परिस्थितियों के दृष्टिगत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जनपद वासियों से विशेष सतर्कता एवं सावधानी बरतने की अपील की जाती है।

नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति में अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें।नदी, नालों, तालाबों, झीलों, यमुना नदी के तटों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों के समीप जाने से बचें तथा किसी भी दशा में जलमग्न सड़क, पुल अथवा तेज बहाव वाले मार्ग को पार करने का प्रयास न करें।

आंधी एवं वज्रपात के दौरान खुले स्थानों, ऊँचे वृक्षों, विद्युत पोलों, ट्रांसफार्मरों एवं जर्जर अथवा अस्थायी भवनों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें तथा निकटतम सुरक्षित भवन में आश्रय लें।

विद्युत तार टूटे हुए दिखाई देने पर तत्काल विद्युत विभाग को सूचना दें तथा स्वयं अथवा अन्य किसी व्यक्ति को उनके संपर्क में आने से रोकें।

आपातकालीन स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचना दें

जिला प्रशासन, मथुरा समस्त जनपदवासियों से अपील करता है कि किसी भी प्रकार की आपदा, बाढ़, जलभराव, वज्रपात, भवन ध्वस्त होने, सड़क दुर्घटना अथवा अन्य आपातकालीन स्थिति में घबराएँ नहीं।

तत्काल जिला आपदा नियंत्रण कक्ष को सूचना दें, जिससे राहत एवं बचाव दलों को शीघ्र घटनास्थल पर भेजकर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

सीमेंटेड नहीं, प्लास्टिक के खूबसूरत कवर से ढंकी जाएगी नालियां

- नगर आयुक्त ने रात में भंडार पर जाकर गुणवत्ता का किया परीक्षण
- निर्माण कार्यों में लापरवाही न बरतने के निर्देश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

नगर निगम शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक बनाने की दिशा में नई पहल कर रहा है। इसी क्रम में बुधवार रात करीब 9 बजे नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में नालियों पर लगाए जाने वाले एफआरपी (फाइबर रीइन्फोर्स्ड प्लास्टिक) कवर के नमूनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कवर की गुणवत्ता, मजबूती और उपयोगिता का बारीकी से परीक्षण किया।

नगर आयुक्त ने बताया कि यदि एफआरपी कवर सभी गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरते हैं तो इन्हें चरणबद्ध तरीके से शहर की प्रमुख नालियों पर लगाया जाएगा। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल अधिकांश स्थानों पर सीमेंट के स्लैब लगे हैं। ये काफी भारी होते हैं, जिससे सफाई और मरम्मत के दौरान इन्हें हटाने और दोबारा लगाने में परेशानी होती है। बार-बार उठाने से इनके टूटने की आशंका भी बनी रहती है। इसके मुकाबले एफआरपी कवर वजन में हल्के, अधिक मजबूत और लंबे समय तक टिकाऊ होते हैं। इनमें जंग नहीं लगती और मौसम का भी कम असर पड़ता है। जरूरत पड़ने पर इन्हें आसानी से हटाकर दोबारा लगाया जा सकता है। साथ ही इनका आकर्षक स्वरूप शहर के सौंदर्यीकरण में भी मदद करेगा।

गुणवत्ता से नहीं होगा समझौता

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने अधिकारियों से कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।आने वाले समय में शहर की आधारभूत सुविधाओं को और मजबूत करने तथा जलभराव जैसी समस्याओं के स्थायी समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

प्रधान प्रशासकों ने वीडीओ को को दिया ज्ञापन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, बलदेव।

विकासखंड बलदेव के ग्राम पंचायतों के प्रधान प्रशासकों ने बुधवार को खंड विकास अधिकारी बलदेव नेहा रावत को विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन दिया। प्रधान संगठन के अध्यक्ष पंडित योगेश गौतम ने कहा कि ग्राम पंचायतों में पिछले वित्तीय वर्ष के कई विकास कार्य पूर्ण हो चुके हैं, लेकिन अभी तक उनका भुगतान लंबित है, जिसके कारण पंचायतों में आगे के कार्य बाधित हो रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने नवीन कार्यों को शीघ्र स्वीकृत कर शुरू कराने की मांग की। ज्ञापन में पंचायतों में खराब पड़े हैंडपंपों और नलों के बोर को तत्काल ठीक कराने, पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा जी राम जी योजना के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों की आईडी शीघ्र जनरेट करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई।इस दौरान विकास शर्मा, अमर सिंह, अर्जुन सिंह, नीरज कुमार, सीमा परमार, ओम प्रकाश प्रधान विपिन कुमार प्रधान, जगवीर सिंह, शिव सिंह, कालीचरण, होरीलाल, सुमित्रा, मानवेंद्र सिंह बंदी, ब्रजेश कुमार, नाथूराम, किशन लाल आदि ग्राम प्रधान प्रशासक मौजूद रहे।

ओलंपियाड को लेकर हुई जन सांस्कृतिक मंच की बैठक

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मथुरा की 50 वर्ष पुरानी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था जन सांस्कृतिक मंच की कोर कमेटी की बैठक डैंपियर नगर स्थित कैडिटी कंप्यूटर सेंटर पर संपन्न हुई। बैठक में 23 अगस्त को होने वाले डिजिटल कंप्यूटर ओलिंपियाड को सफल बनाने के लिए परीक्षार्थियों के स्वल्पाहार, अतिथियों एवं हिस्सा लेने वाले समस्त विद्यालयों के आमंत्रित प्रधानाचार्यों के स्वागत एवं भोजन व्यवस्था आदि पर विस्तार से रूपरेखा तैयार की गई। रतनलाल फूल कटोरी देवी स्कूल में संपन्न होने वाले इस ओलंपियाड की विधिवत लिखित स्वीकृति स्कूल के प्रबंध तंत्र द्वारा दे दी गई है। बैठक में इस बात पर प्रशंसा जाहिर की गई कि मथुरा जिले के सभी प्रमुख स्कूलों से बड़े पैमाने पर विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरा है जिसकी अंतिम तिथि 10 अगस्त है। राजकिशोर अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक का संचालन सचिव रवि प्रकाश भारद्वाज ने किया। कोर कमेटी के सदस्य पूर्व सचिव सुनील आचार्य डॉ धर्मराज एवं संयुक्त सचिव आशुतोष गर्ग उपस्थित रहे।

जिज्ञासा कोचिंग संस्थान ने मनाया नौवां स्थापना दिवस, निदेशक आकाश सर जिज्ञासा रत्न से सम्मानित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।-वृन्दावन।

वृन्दावन स्थित जिज्ञासा कोचिंग संस्थान का नौवां स्थापना दिवस गुरुवार को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन से हुआ। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह को यादगार बना दिया। मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी फरह प्रवीण झा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन, निरंतर परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की वास्तविक कुंजी है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के निदेशक आकाश सर ने विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र बताते हुए नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच अपनाने की सलाह दी। गणित के अध्यापक संस्कार शर्मा ने प्रतियोगी परीक्षाओं में गणित विषय को आसान बनाने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स साझा किए। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक चेतन राघव ने सभी अतिथियों का स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने बताया कि जिज्ञासा कोचिंग संस्थान से अब तक सैकड़ों छात्र-छात्राओं का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस, उपनिरीक्षक (दरोगा), शिक्षक सहित विभिन्न सरकारी सेवाओं में हो चुका है, जो संस्थान की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की मेहनत का प्रमाण है। समारोह के दौरान संस्थान के निदेशक आकाश सर को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए जिज्ञासा रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

केएम विश्वविद्यालय में चार दिवसीय 'बोन एंड ज्वॉइन्ट वीक' का समापन

स्वास्थ्य और सुरक्षा का दिया गया संदेश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

केएम विश्वविद्यालय एवं अस्पताल में हैल्दी बोन, हैल्थी इंडिया थीम पर आयोजित चार दिवसीय बोन एंड ज्वॉइन्ट वीक वर्कशॉप का भव्य समापन हुआ। इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन एवं मथुरा ऑर्थोपेडिक सोसाइटी के तत्वावधान में 1 से 6 अगस्त तक आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया था। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने एमबीबीएस छात्रों, चिकित्सकों और कर्मचारियों को हड्डियों के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया।

कार्यशाला के दूसरे व तीसरे दिन हैल्दी स्टूडेंट, हैल्दी इंडिया थीम पर श्रीब्रजधाम स्कूल के लगभग 100 विद्यार्थियों के लिए सत्र आयोजित हुआ। इसमें ऑर्थोपेडिक विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. हर्षित जैन ने विद्यार्थियों को स्वस्थ शरीर, खान-पान, मन और नींद का मंत्र दिया। सामान्य जनता के लिए फ्री बीएमडी जांच शिविर लगाया गया। साथ ही एमबीबीएस छात्रों ने दुर्घटना बचाव और गठिया विषय पर आकर्षक मॉडल व पोस्टर प्रस्तुत किए। कुलाधिपति के भ्राता देवी सिंह (डीएम साहब) ने इन मॉडलों की सराहना की और नशा मुक्ति अभियान की शपथ दिलाई।

अंतिम सत्र का उद्घाटन कुलपति डॉ. एन.सी. प्रजापति, प्रति कुलपति डॉ. शरद अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. पूरन सिंह, चांसलर सलाहकार डा. एसपी गोस्वामी, डा. आरके गुप्ता, डा. यशपाल जिंदल, डॉ. एस. तारिक वली (फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी) अतिथियों ने किया। ऑर्थोपेडिक एचओडी डॉ. हर्षित जैन ने अतिथियों का पटुका पहनाकर स्वागत किया। सत्र में दफ्तर में बैठने की सही मुद्रा, आसान व्यायाम और ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव पर चर्चा की गई।

विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति ने कहा आधुनिक जीवनशैली में हड्डियों का स्वास्थ्य सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। ऐसे आयोजन सही पोस्चर, खान-पान और नियमित व्यायाम के प्रति जागरूक करने में मील का पत्थर साबित होंगे।

प्रतिकुलपति डा. शरद अग्रवाल ने कहा महिलाओं व बुजुर्गों में हड्डियों की कमजोरी की समस्या आम है। समय पर सही पोषण, कैल्शियम, विटामिन-डी और नियमित बीएमडी जांच से जोखिम कम किया जा सकता है। रोकथाम ही सबसे बेहतर इलाज है।

कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा छात्रों द्वारा मॉडल और पोस्टरों के माध्यम से नशा मुक्ति और दुर्घटना बचाव का संदेश देना बेहद सराहनीय प्रयास है।

इस अवसर पर मथुरा सोसाइटी के प्रेसिडेंट डा. आदर्श शर्मा(एमओएस), सैक्रेटरी डा. भास्कर तिवारी, विश्वविद्यालय परीक्षा नियंत्रक समीक्षा भारद्वाज, सहायक परीक्षा नियंत्रक अनिल चतुवेर्दी, डिप्टी रजिस्ट्रार सुनील अग्रवाल, सब रजिस्ट्रार दीपक माथुर, नेहा शर्मा, एएमएस डॉ. नमित गौतम, डॉ. आर.पी. गुप्ता, वर्कशॉप डायरेक्टर डॉ. आर.के. गुप्ता, डॉ. रामधन, डॉ. विभोर, डॉ. विष्णु और एंकर डॉ. अक्षय सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

करहल में बंजर और नाली की भूमि से हटाया गया अवैध कब्जा, मिशन समाधान के तहत चला बुल्डोजर

बंजर और नाली की भूमि पर माफियाओं ने कर डाली थी प्लाटिंग

टीएनएफ टुडे, करहल।

शासन के निदेशों के क्रम में चलाए जा रहे मिशन समाधान अभियान के तहत करहल प्रशासन ने गुरुवार को अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए देवी रोड स्थित ग्राम पलोखरा में बंजर एवं सार्वजनिक नाली की भूमि पर की गई अवैध प्लाटिंग को बुल्डोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। प्रशासन की इस कार्रवाई से भूमाफियाओं में हड़कंप मच गया, वहीं स्थानीय लोगों ने सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराने की पहल का स्वागत किया।

जानकारी के अनुसार, देवी रोड स्थित पलोखरा क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा बंजर और नाली की सरकारी भूमि पर अवैध रूप से प्लाटिंग कर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था। मामले की शिकायत मिलने पर राजस्व विभाग ने जांच की, जिसमें भूमि पर अवैध अतिक्रमण की पुष्टि हुई। इसके बाद एसडीएम करहल के नेतृत्व में राजस्व एवं प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर बुल्डोजर की मदद से अवैध निर्माण और प्लाटिंग को हटवाते हुए पूरी सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त करा लिया।

कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या प्लाटिंग किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकारी भूमि को सुरक्षित रखना प्रशासन की प्राथमिकता है और भविष्य में भी ऐसे अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

इस अभियान का नेतृत्व एसडीएम सुनिष्ठा सिंह ने किया। उनके साथ कानूनगो रामौतार शर्मा, लेखपाल रवनीश यादव, रविकांत यादव, रेखा, दीपक सहित राजस्व विभाग के कर्मचारी एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कार्रवाई के दौरान पर्याप्त पुलिस बल भी तैनात रहा, जिससे पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के कारण क्षेत्र में विकास कार्य प्रभावित हो रहे थे।

प्रशासन द्वारा समय रहते की गई कार्रवाई से न केवल सरकारी भूमि सुरक्षित हुई है, बल्कि भूमाफियाओं को भी कड़ा संदेश गया है कि अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एसडीएम सुनिष्ठा सिंह ने कहा कि मिशन समाधान के तहत सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान लगातार जारी है।

जहां भी बंजर, चारागाह, नाली, तालाब अथवा अन्य सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत मिलेगी, वहां तत्काल जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की जानकारी प्रशासन को दें, ताकि समय पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

डीएम ने अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास का किया औचक निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी सत्रोहन वैश्य ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने छात्रावास परिसर, शयन कक्षों, पेयजल, स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने छात्राओं से बातचीत कर उनके अध्ययन, भोजन की गुणवत्ता, आवासीय सुविधाओं तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली।

जिलाधिकारी ने छात्रावास अधीक्षक एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्रावास में रहने वाली बालिकाओं को सभी मूलभूत सुविधाएं समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने परिसर में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और सुरक्षा व्यवस्था लगातार बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि छात्राओं के पठन-पाठन और उज्ज्वल भविष्य के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया जाए।

करहल में एलपीजी सिलेंडर की कालाबाजारी का आरोप, पाइप खरीदने की मजबूरी बताकर वसूले जा रहे अधिक पैसे

टीएनएफ टुडे, करहल।

मैनपुरी जनपद के कस्बा करहल में एलपीजी गैस सिलेंडर की कालाबाजारी का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में आरोप लगाया गया है कि उपभोक्ताओं को जबरन गैस पाइप खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। आरोप है कि यदि उपभोक्ता गैस पाइप नहीं खरीदता, तो उससे घरेलू गैस सिलेंडर के लिए 1700 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। वहीं पाइप लेने पर सिलेंडर 1200 रुपये में दिया जा रहा है। इस कथित वसूली को लेकर लोगों में नाराजगी है और मामले की जांच की मांग उठ रही है।

शराब के नशे में दबंगों का तांडव, तलवार लेकर दामाद व ससुर को दौड़ाया, धमकी का वीडियो वायरल

टीएनएफ टुडे, करहल।

कुर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम मानपुर में शराब के नशे में कुछ लोगों द्वारा रिश्तेदारों के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़ित ने कुर्रा थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कल्याणपुर निवासी शिवम चौहान पुत्र सरमन सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके ससुर गजेंद्र पाल अपने घर लौट रहे थे। आरोप है कि मानपुर बंबे के पास चिंटू पुत्र रमेश, रिंकू पुत्र रमेश और रमेश पुत्र गजराज ने उन्हें घेर लिया और जबरन उनकी मोटरसाइकिल की चाबी निकाल ली। इसके बाद गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शिवम के अनुसार सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी अभद्रता और मारपीट की। जान बचाने के लिए जब वह अपने घर की ओर भागे तो आरोपी उनका पीछा करते हुए घर में घुस आए। आरोप है कि इस दौरान एक आरोपी तलवार लेकर हमला करने दौड़ा और खुलेआम जान से मारने की धमकी दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें आरोपियों द्वारा धमकी देते हुए देखा जा रहा है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। कुर्रा थाना पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त हो गई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बारिश के बीच गौशालाओं की होगी लाइव निगरानी, डीएम ने शुरू कराई डिजिटल मॉनिटरिंग

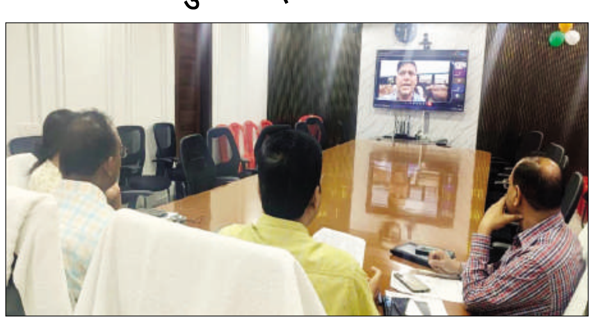

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच गौवंशों की सुरक्षा और गौशालाओं की व्यवस्थाओं पर नजर रखने के लिए जिला प्रशासन ने नई पहल की है। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के निर्देश पर पहली बार जनपद की सभी गौशालाओं की रियल टाइम (लाइव स्ट्रीमिंग) के माध्यम से निगरानी शुरू की गई है।

जिलाधिकारी ने बताया कि लगातार वर्षा के दौरान गौवंशों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए गौशालाओं में हरे चारे, सूखे भूसे, पेयजल, उपचार, साफ-सफाई और जल निकासी की व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है। वह स्वयं भी लाइव मॉनिटरिंग के माध्यम से गौशालाओं की स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं।

उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी और संबंधित ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी गौशालाओं में तिरपाल, चारा, दवाइयों और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं हर समय उपलब्ध रहें। बीमार गौवंशों का समय पर उपचार कराया जाए तथा पशु चिकित्सक नियमित रूप से गौशालाओं का निरीक्षण करें।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि यदि लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान किसी गौशाला में जलभराव, अव्यवस्था या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तत्काल समस्या का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि गौवंशों की सुरक्षा और देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन ठेकेदार सुनील यादव ने किया शुभारंभ, कथावाचक का हुआ भव्य स्वागत

टीएनएफ टुडे, करहल।

कस्बा करहल स्थित मोटामल मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन धार्मिक उल्लास और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्र के ठेकेदार सुनील यादव ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर आयोजकों एवं श्रद्धालुओं ने उनका फूल-मालाओं से भव्य स्वागत करते हुए अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरे परिसर में जयघोष एवं भजन-कीर्तन की गूंज सुनाई देती रही।

कार्यक्रम के दौरान ठेकेदार सुनील यादव ने कथावाचक माधव शास्त्री का पटका, पगड़ी और फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने भी तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका अभिनंदन किया। कथा प्रारंभ होने से पहले भगवान श्रीकृष्ण एवं श्रीमद्भागवत की विधिवत पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद कथा का शुभारंभ हुआ।

कथावाचक माधव शास्त्री ने अपनी मधुर वाणी और संगीतमयी शैली से श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने का माध्यम है। जहां नियमित रूप से भागवत कथा, भजन-कीर्तन और भगवान का स्मरण होता है, वहां नकारात्मक शक्तियां, भय और अशांति स्वतः दूर हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति मनुष्य के जीवन को पवित्र बनाती है तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और संस्कारों का संचार करती है।

मुख्य अतिथि ठेकेदार सुनील यादव ने अपने संबोधन में कहा कि सम्मान देने वाला व्यक्ति स्वयं भी सम्मान का अधिकारी बनता है। समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और सम्मान की भावना ही हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को एकजुट करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं।

कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए और पूरे वातावरण में भक्तिमय उल्लास छाया रहा। अंत में आरती के बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा आगामी दिनों तक प्रतिदिन निर्धारित समय पर जारी रहेगी तथा अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कथा श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की गई।

इस मौके पर ठेकेदार सुनील यादव, संदीप यादव, अनुज यादव, मुकेश यादव, अवधेश यादव, विजयराम, विश्राम सिंह, दफेदार सिंह पाल, अंकित यादव, विकास यादव, रोहित यादव, मनोज, आदेश समेत आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

सरकारी सहायता बनी सहारा, आर्थिक मदद से बेटी की शादी और रोजगार का सपना हुआ पूरा

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

पति की मृत्यु के बाद आर्थिक संकट से जूझ रहीं अनीता के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की निर्माण कामगार मृत्यु सहायता योजना संबल बनकर सामने आई। योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता से उन्होंने न केवल बेटी की शादी की तैयारी की, बल्कि चूड़ी बनाने का काम शुरू कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी कदम बढ़ाया। निर्माण मजदूर पति के निधन के बाद अनीता के सामने परिवार का पालन-पोषण, बेटी की शादी और आजीविका की बड़ी चुनौती थी। ऐसे समय में सहायक श्रमायुक्त कार्यालय से योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने आवेदन किया। पात्रता पूरी होने पर उन्हें निर्माण कामगार मृत्यु सहायता योजना के अंतर्गत 2.25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता तथा अंतिम संस्कार के लिए 25 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता प्रदान की गई। अनीता ने बताया कि इस सहायता राशि से वह नवंबर में अपनी बेटी का विवाह सम्मानपूर्वक कर सकेंगी। साथ ही उन्होंने चूड़ी बनाने का कार्य शुरू कर अपनी आय का साधन भी बना लिया है। अनीता ने कहा कि बिना किसी बिचौलिए के सीधे खाते में मिली सहायता ने उनके जीवन को नई दिशा दी। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कठिन समय में मिली इस मदद ने उन्हें दोबारा आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने का अवसर दिया।

बारिश के बीच कच्चे मकान की छत गिरी, एक ही परिवार के छह लोग मलबे में दबे

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

जिले में लगातार हो रही बारिश लोगों के लिए आफत बनती जा रही है। गुरुवार सुबह थाना नगला खंगर क्षेत्र के गांव परिहार मऊ में एक कच्चे मकान की छत भरभराकर गिर गई। हादसे के समय एक ही परिवार के छह सदस्य मलबे में दब गए। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंची और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को मलबे से निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिरसागंज पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल हरिओम, उनकी पत्नी मधु, एक महिला तथा दो बच्चों की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। अन्य घायलों का उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी व क्षेत्राधिकार सिरसागंज भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और चिकित्सकों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। घायलों में हरिओम (40) पुत्र राजबहादुर, पत्नी मधु (35), बच्चे निखिल (11), सूर्य (7), लालू (14), शिवा (6) तथा कृष्णा (करीब 7 वर्ष) शामिल हैं। लगातार हो रही बारिश के चलते प्रशासन ने लोगों से जर्जर और कच्चे मकानों से सावधानी बरतने की अपील की है।

संत रविदास जयंती समारोह में गरजे अनुजेश प्रताप यादव, 2027 को लेकर जताया भरोसा

टीएनएफ टुडे, करहल।

कस्बा करहल के मुहल्ला जाटवान स्थित महर्षि बाल्मीकि धर्मशाला में गुरुवार को संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा नेता एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी अनुजेश प्रताप यादव ने संत रविदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के लोग एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में आयोजक रामवीर बाल्मीक ने मुख्य अतिथि अनुजेश प्रताप यादव का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह के बाद आयोजित विचार गोष्ठी में अनुजेश प्रताप यादव ने संत रविदास जी के जीवन, उनके आदर्शों और सामाजिक समरसता के संदेश पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संत रविदास ने समाज को समानता, भाईचारे और मानवता का मार्ग दिखाया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और भेदभाव मिटाने की प्रेरणा देते हैं।

अपने संबोधन में अनुजेश प्रताप यादव ने उत्तर प्रदेश की राजनीति और विकास का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश की स्थिति अलग थी, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदल गई है। प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है, विकास कार्यों को गति मिली है और आम जनता का सरकार पर विश्वास बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि उन्हें भाजपा संगठन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जो प्यार, सम्मान और विश्वास मिला है, उसे वह कभी नहीं भूल सकते। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वर्ष 2027 में करहल की जनता उनके हाथों को और अधिक मजबूत करेगी तथा विकास और जनसेवा के इस अभियान में उनका साथ देगी।

कार्यक्रम के दौरान संत रविदास जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी लिया गया। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। पूरे कार्यक्रम का वातावरण श्रद्धा, सामाजिक समरसता और उत्साह से परिपूर्ण रहा।

इस मौके पर गौतम कठेरिया, उदयवीर कश्यप, कलपेन्द्र भारतीय, अंकित गुप्ता, कवीर यादव, कन्हैया रावल, धर्मेन्द्र यादव, दीपू राठौर, श्यामू चक, विमल चतुर्वेदी, दीन दयाल कठेरिया, रामवीर बाल्मीक, शिवम कठेरिया, संजय गिहार, आशीष कश्यप, राजेश दिवाकर, बारेलाल दिवाकर समेत आदि तमामं लोग मौजूद रहे।

डीएम ने कांच उद्योग विकास केंद्र और ग्लास फैक्ट्री का किया निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य के साथ जलेसर रोड स्थित कांच उद्योग विकास केंद्र और बीकेजी ओवरसीज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गुणवत्ता, आधुनिक तकनीक और सुरक्षा मानकों पर विशेष जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित कांच उद्योग विकास केंद्र की आधुनिक टेस्टिंग लैब का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि यहां जिले के विभिन्न कांच कारखानों में तैयार उत्पादों की मजबूती, रासायनिक संरचना और गुणवत्ता की जांच की जाती है। साथ ही उद्यमियों, तकनीशियनों और कारीगरों को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

जिलाधिकारी ने ग्लास कटिंग एवं डिजाइनिंग लैब में कारीगरों द्वारा कांच की कटिंग, तराशी और फिनिशिंग की प्रक्रिया देखी तथा उनके हुनर की सराहना की। उन्होंने निर्देश दिए कि गुणवत्ता नियंत्रण और आधुनिक तकनीक के बेहतर समन्वय से फिरोजाबाद के कांच उद्योग को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयास लगातार किए जाएं।

इसके बाद जिलाधिकारी ने बीकेजी ओवरसीज का निरीक्षण कर डेकोरेटिंग ग्लास, क्रिसमस ग्लास और ड्रिंकवेयर उत्पादों के निर्माण की गुणवत्ता, कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने उत्पादों की फिनिशिंग को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाए रखने तथा कारखानों में श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि फिरोजाबाद के कारीगरों का हुनर और मेहनत ही जिले की पहचान है। उन्होंने उद्योग संचालकों को भरोसा दिलाया कि पारंपरिक कांच उद्योग को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और इसके विकास के लिए प्रशासन हरसंभव सहयोग देता रहेगा। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त उद्योग संध्या भी मौजूद रहीं।

2027 में योगी आदित्यनाथ तीसरी बार बनाएंगे सरकार, जनता फिर भाजपा को देगी आशीर्वादः अनुजेश प्रताप यादव

टीएनएफ टुडे, करहल।

करहल पहुंचे भाजपा नेता अनुजेश प्रताप यादव ने पत्रकारों से विशेष बातचीत करते हुए दावा किया कि वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता का रुझान स्पष्ट रूप से भाजपा के पक्ष में है और लोग एक बार फिर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनाने का मन बना चुके हैं।

अनुजेश प्रताप यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले वर्षों में प्रदेश में विकास और सुशासन की नई मिसाल कायम की है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बिना किसी भेदभाव के प्रदेश के सभी जिलों, शहरों और गांवों में विकास कार्य कराए जा रहे हैं। सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून-व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं, जिनका लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उन्हें जो सम्मान, स्नेह और विश्वास मिला है, उसे वह जीवनभर नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें जो जिम्मेदारियां सौंपी हैं, उनका पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि नेतृत्व द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास किया जाएगा।

भाजपा नेता ने कहा कि प्रदेश की जनता विकास, सुशासन और मजबूत कानून-व्यवस्था के कारण भाजपा के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने दावा किया कि जनता ने मन बना लिया है कि वर्ष 2027 में फिर से भाजपा को प्रचंड बहुमत देकर योगी आदित्यनाथ के हाथों को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

अनुजेश प्रताप यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ गरीब, किसान, महिला, युवा और समाज के सभी वर्गों को मिल रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से भी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश की जनता एक बार फिर भाजपा पर भरोसा जताएगी और योगी आदित्यनाथ लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनकर प्रदेश के विकास की गति को और तेज करेंगे।

इस अवसर पर जिला मंत्री उदयवीर कश्यप, मंडल अध्यक्ष कलपेन्द्र भारतीय, अंकित गुप्ता, कवीर यादव, रामनरेश यादव, हरेंद्र सिंह तोमर, रामवीर बाल्मीक, दीपू राठौर समेत आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

एसपी ने थाना सहावर का किया आकस्मिक निरीक्षण

- अधीनस्थों को कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने रखने के दिये निर्देश
- कांवड़ यात्रा के दौरान माहौल बिगाड़ने वाले तत्वों के खिलाफ की जाए कार्रवाई

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

एसपी ओपी सिंह ने थाना सहावर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, मालखाना, बैरक, मेस, सीसीटीएनएस कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क सहित समस्त अभिलेखों का गहन परीक्षण किया गया तथा अभिलेखों में पाई गई कमियों के त्वरित निराकरण एवं समस्त अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव के निर्देश दिए। कबाड़ यात्रा को लेकर भी निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने पुलिस कर्मियों को कावड़ यात्रा में आए श्रद्धालुओं के साथ शालीन और विनम्र व्यवहार करने, सम्मानजनक भाषा का प्रयोग करने, मेला और धार्मिक स्थलों पर भीड़भाड़ के दौरान भी अपना गुस्सा नियंत्रित रखने और धैर्य से काम लेना हेतु ब्रीफ किया गया। इसके उपरान्त, थाना कार्यालय पर कावड़ की तैयारियों व अन्य महत्वपूर्ण निदेशों के सम्बन्ध में हल्का उपनिरीक्षकों व बीट पुलिस अधिकारियों से वार्ता की गई एवं शासन द्वारा कावड़ सम्बन्धी दिए गए निदेशों की समीक्षा की गयी एवं उनका अनुपालन कराने हेतु अधीनस्थों को निर्देशित किया गया तथा कावड़ मार्ग में निरन्तर भ्रमणशील रहने, यातायात डायवर्जन को प्रभावी रूप से लागू करवाने, मिश्रित आबादी क्षेत्रों में भ्रमण करने तथा सम्भ्रान्त लोगों, ग्राम प्रधानों, चौकिदारों व कावड़ मित्रों एवं डीजे मालिकों के साथ गोष्ठी कर शासन के निदेशों के अनुपालन के सम्बन्ध में अवगत कराया गया तथा कावड़ रुट पर निगरानी हेतु सीसीटीवी लगवाने एवं थाने पर लगे संचार उपकरणों को समय से दुरुस्त करने/कराने हेतु अवगत कराया गया एवं कांवड़ यात्रा के दौरान माहौल बिगाड़ने और सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई अमल में लाए जाने के लिए निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद अधीनस्थों के साथ बैठक कर अपराध एवं अपराधियों पर रोकथाम एवं कड़ी कार्यवाही करने के लिए कहा।

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं देश की महान विभूति थे मोहन लाल गौतम

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अलीगढ़।

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोहनलाल गौतम देश की महान विभूति थे। उक्त उद्गार जिला कृषि अधिकारी धीरेन्द्र सिंह चौधरी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोहनलाल गौतम की 129 वीं जयंती पर क्वार्सी कृषि फार्म में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि गौतम जी 24 नंवबर 1925 को काकोरी ट्रेन कांड में लाहौर से गिरफ्तार हुए थे। वह संविधान सभा के सदस्य और अलीगढ़ के क्वार्सी कृषि फार्म के जनक भी थे।

इस मौके पर प्रधान सहायक रतन सिंह चौहान, वरिष्ठ सहायक निधीश सक्सेना, अमित सैनी, हरीश कुमार ने स्वतंत्रता सेनानी परिवार के धर्मवीर सिंह, देवेन्द्र प्रताप गौतम, बसंत बंसल आदि ने मोहनलाल गौतम के चित्र पर माल्यार्पण किया। अंत में आजादी का अमृत महोत्सव के जिला समन्वयक सुरेन्द्र शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व मोहनलाल गौतम जिला महिला चिकित्सालय और सारसौल चौराहे पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया गया।

15 सितंबर से शुरू होगा 115वां विशाल लक्खी राजकीय मेला श्री दाऊजी महाराज, तैयारियों में जुटा प्रशासन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, हाथरस।

- डीएम ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश, श्रद्धालुओं की सुरक्षा रहेगी सर्वोच्च प्राथमिकता

15 सितंबर से प्रारंभ होने वाले ऐतिहासिक एवं सुप्रसिद्ध 115वें विशाल लक्खी राजकीय मेला श्री दाऊजी महाराज-2026 के सफल, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित आयोजन को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अतुल वत्स की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मेले की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं एवं आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेला परिसर में साफ-सफाई, शौचालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं समय से उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। साथ ही वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, जल निगम एवं अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से प्रभावी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मेले में आयोजित होने वाले सभी धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम पूर्व अनुमति के साथ निर्धारित कार्यक्रम कैलेंडर में शामिल किए जाएं।

यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रवेश एवं निकास मार्ग अलग-अलग निर्धारित किए जाएं। साथ ही मेला संबंधी सभी टेंडर समय से पूर्ण कराने, विद्युत सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने, उच्च क्षमता के जनरेटर लगाने तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए पृथक चेंजओवर व्यवस्था विकसित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में उपजिलाधिकारी सदर एवं मेला अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष मेले में दंगल, कवि सम्मेलन, संगीत सम्मेलन, मुशायरा, लाफ्टर शो सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नगर पालिका परिषद एवं पंचायतीराज विभाग द्वारा साफ-सफाई तथा नगर पालिका परिषद द्वारा पेयजल एवं जल निकासी की व्यवस्था कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त सड़क मरम्मत, अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापना, बैरिकेडिंग, प्रवेश-निकास व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई।

आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता पर फर्जी एफआईआर दर्ज

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- फर्जी एफआईआर दर्ज किए जाने को लेकर आजाद समाज पार्टी के जिला
- अध्यक्ष ने पुलिस कप्तान को सौंपा मांगपत्र

सांसद चंद्रशेखर आजाद के के नेतृत्व वाली आजाद समाज पार्टी (काशीराम) एक कार्यकर्ता पर फर्जी मुकदमा दर्ज किए जाने को लेकर बुधवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ इलामारन को पार्टी जिलाध्यक्ष जितेंद्र भास्कर आजाद ने ज्ञापन प्रेषित किया। उनका कहना था कि जलेसर निवासी नसीम अब्बास पार्टी का कार्यकर्ता है, उस पर जो मुकदमा दर्ज किया गया है, वह फर्जी और झूठा है।

आज समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष जितेंद्र भास्कर आजाद ने प्रभारी निरीक्षक जलेसर अखिलेश दीक्षित को वार्ता के दौरान बताया कि प्रार्थी नसीम अब्बास को विपक्षियों ने जाति सूचक शब्दावली निकालने के लिए धमकाया, और उसे कई तरीकों प्रताड़ित करने की धमकियां दी। लेकिन इसके बावजूद प्रभारी निरीक्षक दीक्षित द्वारा पीड़ित के साथ न सिर्फ गाली गलौज की गई बल्कि उसके विरुद्ध फर्जी मुकदमा भी दर्ज.करा दिया गया।

आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष जितेंद्र भास्कर आजाद ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. ईलामारन को ज्ञापन प्रेषित कर आगाह किया है, कि यदि नसीम अब्बास मामले में फर्जी एफआईआर शीघ्र निरस्त ना की गई, तो तो पार्टी के सासद राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद को संपूर्ण मामले की रिपोर्ट भेज कर एटा में बड़े संघर्ष शंखनाद किया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन के अलावा जिम्मेदार अधिकारियों की भी होगी।

इस दौरान पार्टी के जिला

मंत्री प्रवेंद्र कुमार, जितेंद्र गौतम, शिवराज सिंह, दिनेश चंद्रा, मुजम्मिल फारुख, शिवसिंह, बबलू यादव, सुनील कुमार, गुलशन, मोहित कुमार, पप्पू सागर, सौरभ, उदयवीर सहित तमाम लोग मौजूद थे।

बरसात से भरभरा कर गिरा नवनिर्मित मकान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- नहीं हुई कोई जनहानि, लाखों का माली नुकसान
- घटना की सूचना पर पहुंच गई थी थाना पुलिस

थाना अमापुर क्षेत्र के ग्राम रामपुर में बुधवार देर रात लगातार हुई बारिश के कारण एक बड़ा हादसा हो गया। गांव में स्थित एक नवनिर्मित दो मंजिला मकान अचानक भरभराकर ढह गया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। लाखों का माली नुकसान हुआ है।

मकान रामपुर निवासी राधेश्याम का था। उन्होंने बताया कि कुछ ही महीने पहले उन्होंने इस दो मंजिला मकान का निर्माण कराया था। बुधवार रात वह अपने पूरे परिवार के साथ किसी आवश्यक कार्य से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान तेज बारिश और पानी के रिसाव के कारण मकान की नींव कमजोर पड़ गई जिससे मकान गिर गया। मकान गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। मकान के मलवे में मकान के भीतर रखा गृहस्थी का सामान, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा अन्य कीमती वस्तुएं मलबे में दबकर नष्ट हो गईं। पीड़ित के अनुसार, हादसे में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही राधेश्याम और परिवार की लोग आ गए थे।पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता एवं उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

सहायक महाप्रबंधक ने ऋण वितरण, वसूली, एनपीए नियंत्रण और डिजिटल बैंकिंग की समीक्षा की

हाथरस। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय, हाथरस के सभागार में बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक में ग्राहक सेवा को और बेहतर बनाने तथा व्यवसायिक लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में शिविर कार्यालय मुरादाबाद से आए सहायक महाप्रबंधक अनिरुद्ध सिंह ने क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों एवं चयनित शाखाओं के शाखा प्रबंधकों के साथ बैंक के व्यवसाय, ऋण वितरण, ऋण वसूली, एनपीए नियंत्रण, ग्राहक सेवा तथा डिजिटल बैंकिंग सहित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की।
बैठक का शुभारंभ क्षेत्रीय प्रबंधक राम शरण वर्मा द्वारा सहायक महाप्रबंधक का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत के साथ हुआ। स्वागत उद्बोधन में उन्होंने हाथरस क्षेत्रीय कार्यालय की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन, कृषि ऋण, स्वयं सहायता समूहों के वित्तपोषण

आरटीआई के हवाले से एडीएचआर ने उठाए सवाल, संसद में कोल्ड ड्रिंक पर प्रतिबंध तो जनता के लिए क्यों नहीं?

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, हाथरस।

एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स (एडीएचआर) के राष्ट्रीय महासचिव एवं आरटीआई एक्टिविस्ट प्रवीन वार्ष्णेय ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत लोकसभा सचिवालय से प्राप्त जानकारी के आधार पर संसद परिसर में कोल्ड ड्रिंक पर लगे प्रतिबंध को लेकर सरकार की नीति पर सवाल उठाए हैं।

बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में प्रवीन वार्ष्णेय ने बताया कि उन्होंने 4 जुलाई को लोकसभा सचिवालय से आठ बिंदुओं पर सूचना मांगी थी। 30 जुलाई को प्राप्त जवाब के अनुसार संसद भवन की कैंटीनों में 6 अगस्त 2003 से सॉफ्ट एवं कोल्ड ड्रिंक की बिक्री पर प्रतिबंध लागू है। उनके अनुसार यह निर्णय तत्कालीन संयुक्त खाद्य प्रबंधन समिति के आदेश के आधार पर लिया गया था।

प्रवीन वार्ष्णेय का कहना है कि यदि संसद परिसर में जनप्रतिनिधियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कोल्ड ड्रिंक पर प्रतिबंध लगाया गया है, तो आम नागरिकों के लिए ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आरटीआई के जवाब में प्रतिबंध के वैज्ञानिक या स्वास्थ्य संबंधी आधार का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है।

उन्होंने सरकार से मांग की कि यदि ऐसे पेय पदार्थ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माने जाते हैं तो स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों और सरकारी कार्यालयों सहित पूरे देश में इनके संबंध में एक समान नीति लागू की जाए। उन्होंने इसे संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन एवं स्वास्थ्य के अधिकार) से भी जोड़ा।

प्रवीन वार्ष्णेय ने बताया कि मामले में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रथम अपील दायर की जाएगी तथा प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा जाएगा।

दुग्धशाला विकास विभाग के स्वर्ण जयंती वर्ष पर जनपद स्तरीय कॉन्क्लेव आयोजित, 28 लाभार्थियों को मिले चयन व अनुमति पत्र

हाथरस। दुग्धशाला विकास विभाग के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को विकास भवन सभागार में जनपद स्तरीय कॉन्क्लेव-2026 का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी पी.एन. दीक्षित की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक कीर्ति सिंह ने नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना, मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री पशुपालक प्रोत्साहन योजना तथा दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति-2022 की विस्तृत जानकारी देते हुए उनकी पात्रता एवं लाभों से पशुपालकों को अवगत कराया। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. विजय सिंह ने पशुपालन विभाग की योजनाओं की जानकारी देते हुए पशुओं में संक्रामक रोगों की रोकथाम, नियमित टीकाकरण और वैज्ञानिक पशुपालन अपनाने पर जोर दिया। वहीं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. बलबीर सिंह ने वर्षभर हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक चारा प्रबंधन की उपयोगिता बताई।

विश्व हिंदू महासंघ के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उल्लास?

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

- बृजभूषण शरण सिंह के बाइज्जत बरी होने पर
- समर्थकों ने जताया हर्ष, बाटी मिठाइयां

सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं: हुतेंद्र सिंह जादौन

विश्व हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष हुतेंद्र सिंह जादौन के नेतृत्व में ठंडी सड़क स्थित शारदा सिनेप्लेक्स पर वर्ष 2023 में महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोप में मुकदमे से घिरे पूर्व भारतीय कुश्ती संघ अध्यक्ष एवं सांसद बृजभूषण शरण सिंह केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से बरी होने पर मिष्ठान वितरण करते हुए हर्ष व्यक्त किया गया।
जिला अध्यक्ष हुतेंद्र सिंह जादौन ने कहा है कि नेताजी ब्राजभूषण शरण ने पहलवान प्रकरण पर अपने पहले ही वक्तव्य में कहा था कि यदि आरोप सिद्ध हो जाएगा तो मैं स्वयं फांसी पर लटक जाऊंगा। भारतीय कुश्ती संघ में नेताजी बृजभूषण शरण सिंह का पूरा कार्यकाल उल्लेखनीय रहा है। भारतीय कुश्ती संघ अध्यक्ष कार्यकाल में भारतीय कुश्ती को ऊंचाई तक ले गए और अंतरराष्ट्रीय पटल पर भारतीय कुश्ती को एक नई पहचान दिलाई।
उनका कार्यकाल अभूतपूर्व रहा है। जिलाध्यक्ष हतेंद्र सिंह जादौन ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं हो सकता। माननीय न्यायालय का हम सभी सम्मान करते हैं।

इस विशेष अवसर पर विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष हुतेंद्र सिंह जादौन के साथ जिला संयोजक जितेंद्र माहेश्वरी, जिला महामंत्री मुकेश गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष कुलदीप सोनी, चंद्र प्रकाश शर्मा, कमलेश चौहान, केसी राठौर, प्रेम राठौर नगर अध्यक्ष, अजय शर्मा जिला मंत्री, गणेश वार्षेय, गौरव सिकरवार, राहुल गुप्ता, विवेक ज्ञान भारती जिला कोषाध्यक्ष, अंकुर जैन पापुलर नगर प्रभारी, संकल्प शर्मा नगर महामंत्री, आकाश कश्यप नगर संगठन मंत्री, अजय गुप्ता नगर कोषाध्यक्ष, विवेक गुप्ता नगर मीडिया प्रभारी, रोहतास कुमार नगर संयोजक, संजीव वार्षेय नगर उपाध्यक्ष, गोविंद शर्मा, गौरव राठौर, अनुराग कुमार, संदीप कुमार नगर मंत्री, अनुज गुप्ता, मोहन चौहान, निशांत कुमार, रवि कुमार, सनी, आशीष कुमार, विवेक विक्की एवं अन्य कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

घर में ही फंदे पर झूलता हुआ मिला शव

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

थाना सुनगढ़ी के गांव देव नागर नगला मोहन में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, शव घर में ही फंदे पर झूलता मिला है।

नगला मोहन निवासी सुखबीर का विवाह लगभग 13माह पूर्व अंजलि से हुआ था उस पर एक संतान भी थी। बुधवार को जब घर में कोई नहीं था, सास जानकी खेत पर गई हुई थी, जब वह खेत से लौटीं तो घर में आकर देखा पुत्र बधू बधू अंजली का शब फंदे पर झूल रहा है। शब देखकर वह विलाप करने लगी विलाप की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर आ गए, सूचना घर के बाहर गए अन्य परिजनों एवं मायके पक्ष की भी दे दी ही। विवाहित के परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे।

फारेंसिक टीम ने एकत्रित किए साक्ष्य

एसपी ओ पी सिंह के निर्देश पर जिले की फारेंसिक टीम ने गांव पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया। मौके की फोटोग्राफी कराई और घटना से संबंधी साक्ष्य एकत्रित किए हैं।

सीईओ ने किया मौके का निरीक्षण

सहावर के सीईओ दुर्गेश कुमार मिश्रा ने घटना स्थल के निरीक्षण किया है था घटना के संबंध में परिजनों एवं ससुरालियों से पूंछताछ की है।

घर तिरंगा अभियान, 8 अगस्त तक चलेगा प्रथम चरण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- विभिन्न कार्यक्रमों का कराया जाएगा आयोजन
- एडीएम बनाए गए नोडल अधिकारी, एसडीएम होंगे उप नोडल अधिकारी

शासन के निदेर्शानुसार जनपद में हर घर तिरंगा अभियान के प्रथम चरण प्रारंभ हो चुका है जो आठ 8 अगस्त तक चलेगा इस दौरान विभिन्न विभागों के समन्वय से देशभक्ति एवं जनजागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रप्रेम की भावना को सुदृढ़ करना तथा तिरंगे के सम्मान के प्रतिव्यापकजनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

प्रथम चरण के अंतर्गत जनपद के सभी विद्यालयों की दीवारों एवं बोर्डों को तिरंगा थीम पर आधारित कलाकृतियों से सजाया जाएगा। इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक होंगे। संस्कृति मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई प्रदर्शनी का शैक्षणिक संस्थानों एवं सरकारी भवनों में प्रदर्शन भी कराया जाएगा, जिसके लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिसके नोडल अधिकारी भी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक होंगे।

अभियान के अंतर्गत विद्यार्थी सैनिकों एवं पुलिसकर्मियों के सम्मान में आभार पत्र लिखेंगे, जिन्हें डाक विभाग के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अपर जिलाधिकारी होंगे। वहीं स्थानीय बाजारों में तिरंगा एवं उससे संबंधित सामग्री की बिक्री को प्रोत्साहित करते हुए आकर्षक तिरंगा सजावट जीकराई जाएगी, जिसके लिए समस्त उपजिलाधिकारी नोडल अधिकारी होंगे।

स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए राष्ट्रीय ध्वजों की बिक्री सुनिश्चित कराने हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है।

पाकिस्तान की जेल में बंद अलीगढ़ के युवक

की सजा पूरी होने के बाद भी नहीं वापसी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अलीगढ़

- डीएम की पहल के बाद परिवार की उम्मीद जागी

पाकिस्तान की लाहौर सेंट्रल जेल में बंद अलीगढ़ के बादल बाबू की भारत वापसी के लिए जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। सजा पूरी होने के बावजूद उनकी रिहाई और वापसी नहीं होने पर जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने विदेश मंत्रालय को पत्र भेजकर सुरक्षित और शीघ्र भारत वापसी सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया है। जिलाधिकारी ने अपने पत्र में बताया कि नगला खिटकारी निवासी कृपाल सिंह ने 3 अगस्त को प्रार्थना पत्र देकर अपने बेटे को पाकिस्तान से वापस लाने की मांग की थी। उन्होंने बताया कि बादल बाबू बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के पाकिस्तान पहुंच गए थे, जहां उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट ने जेल की सजा सुनाई थी।

बादल बाबू के पिता कृपाल सिंह ने बताया कि 29 जुलाई को उनकी बेटे से व्हाट्सएप पर बातचीत हुई थी। इस दौरान बादल ने अपनी खराब तबीयत और मानसिक परेशानी का जिक्र करते हुए जल्द भारत वापस बुलाने की अपील की थी।

प्रशासन के अनुसार, विदेश मंत्रालय से मिली जानकारी में बताया गया था कि बादल बाबू को पाकिस्तान की अदालत ने एक वर्ष के कारावास और 5 हजार पाकिस्तानी रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई थी। वह दिसंबर 2024 से लाहौर सेंट्रल जेल में बंद हैं। सजा पूरी होने के बावजूद प्रत्यावर्तन की औपचारिकताएं पूरी नहीं होने से उनकी भारत वापसी अब तक नहीं हो सकी है।

कृपाल सिंह ने प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और भारत सरकार से मानवीय आधार पर हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि बेटा अपनी सजा पूरी कर चुका है, इसलिए उसे जल्द से जल्द भारत वापस लाया जाए।

जिलाधिकारी की पहल के बाद परिवार को बेटे की वापसी की उम्मीद जगी है। अब परिवार की निगाहें विदेश मंत्रालय और भारत की राजनयिक प्रक्रिया पर टिकी हैं। उनका कहना है कि हर गुजरते दिन के साथ चिंता बढ़ रही है और वे बादल बाबू की सुरक्षित घर वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

किसान समृद्धि योजना के प्रस्तावों पर हुई चर्चा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश
- जिला भूमि एवं जल संरक्षण तथा जिला मिशन समिति की बैठक

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति तथा जिला मिशन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भूमि संरक्षण अधिकारी द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत प्रस्तुत प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अति संवेदनशील लगभग 300 हेक्टेयर क्षेत्र के सापेक्ष वॉटरशेड सुधार हेतु चयनित छह परियोजनाओं तथा प्रभाव क्षेत्र उपचार से संबंधित तीन परियोजनाओं पर विचार किया गया। इसके साथ ही आर एंड आर योजना के अंतर्गत चयनित परियोजनाओं के प्रस्ताव भी समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त राजकीय कृषि प्रक्षेत्र अलीगंज में उसर सुधार कार्य तथा खेत तालाब योजना के अंतर्गत सात खेत तालाबों के निर्माण के प्रस्ताव भी समिति के समक्ष रखे गए। सभी प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श के उपरांत समिति ने सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक का उद्देश्य जनपद में भूमि एवं जल संरक्षण कार्यों को गति देना, कृषि उत्पादकता में वृद्धि करना तथा किसानों को योजनाओं का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराना रहा। सीडीओ वीरेंद्र सिंह ने योजना को लक्ष्य के सापेक्ष पूरा करने के निर्देश दिए।

अलीगढ़ जिले का नाम हरिगढ़ करने के लिए मांगी रिपोर्ट

अलीगढ़। अलीगढ़ जिले का नाम बदलकर हरिगढ़ किए जाने की सुगबुगाहट एक बार फिर तेज हो गई है। शासन ने इस मामले में जिला प्रशासन से एक विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। राजस्व परिषद के आयुक्त एवं सचिव सूरज कुमार यादव की ओर से जिला प्रशासन को भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया गया है कि जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अलीगढ़ का नाम हरिगढ़ करने का औपचारिक अनुरोध किया था। इसके मद्देनजर परिषद ने कमिश्नर के माध्यम से इस प्रकरण पर पूरी औचित्यपूर्ण आख्या जल्द से जल्द भेजने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर अलीगढ़ का नाम बदलकर हरिगढ़ रखने का प्रस्ताव सौंपा था।

मेटा पर सरकार की सख्ती जारी: अब व्हाट्सएप भी चर्चा में

एजेंसी, नई दिल्ली।

केंद्र सरकार और मेटा के बीच भारतीय कानूनों के पालन को लेकर बातचीत का दौर जारी है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, मेटा की वैश्विक टीम अगले कुछ दिनों तक भारत में ही रहेगी। इस दौरान तीन से चार और बैठकें होने की संभावना है। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य यह समझना है कि मेटा के सभी प्लेटफॉर्म भारत के कानूनों और नियमों के अनुरूप काम कर रहे हैं या नहीं। सरकार का कहना है कि भारतीय कानूनों का पालन सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए जरूरी है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि आगामी बैठकों में व्हाट्सऐप से जुड़े तकनीकी और कानूनी पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा होगी। मेटा पहले ही इस मामले में सार्वजनिक बयान दे चुका है। अब दोनों पक्ष तकनीकी जानकारी, सिस्टम लॉग और अन्य जरूरी पहलुओं पर विस्तार से बातचीत करेंगे। सरकार का कहना है कि इन बैठकों का उद्देश्य सभी तथ्यों को अच्छी तरह समझना और यह सुनिश्चित करना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म कानून के दायरे में काम करें।

क्या भारतीय कानूनों के पालन की होगी समीक्षा?

सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भारत में काम करने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म भारतीय कानूनों के अनुसार ही संचालित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी विदेशी कानून के आधार पर भारत में प्लेटफॉर्म नहीं चलाए जा सकते। सरकार सभी तकनीकी पहलुओं की जांच और समीक्षा कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नियमों का पूरी तरह पालन हो रहा है। उनका कहना है कि कानून का इस्तेमाल समाज के हित और लोगों की सुरक्षा के लिए होना चाहिए।

मोहन भागवत ने बताई सच्चे नेता की पहचान

'भाषण देना या चुनाव जीतना ही असली नेतृत्व नहीं'

एजेंसी, मुंबई।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि सच्चा नेतृत्व केवल भाषण देने, चुनाव जीतने या लोगों को उपदेश देने तक सीमित नहीं होता। उन्होंने कहा कि वास्तविक नेता वह होता है जो पीछे रहकर काम करता है, दूसरों को आगे बढ़ाता है और सफलता तथा सम्मान सभी के साथ साझा करता है। मुंबई में जेन जी और अल्फा के छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम में उन्होंने नेतृत्व की इसी सोच को विस्तार से समझाया।

मोहन भागवत ने कहा कि नेतृत्व का उद्देश्य केवल लोगों का नेतृत्व करना नहीं, बल्कि नए नेताओं को तैयार करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह स्वयं को नेता नहीं, बल्कि एक कार्यकर्ता मानते हैं। उनके अनुसार, नेतृत्व का मतलब लोगों को सही दिशा और प्रकाश की ओर ले जाना है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति केवल सामने आकर भाषण देता है या चुनाव जीतता है, वही नेता हो, ऐसा जरूरी नहीं है।

सच्चे नेता की पहचान क्या बताई?

भागवत ने एक संस्कृत श्लोक का उल्लेख करते हुए कहा कि सच्चे नेता के पास ज्ञान होना चाहिए और उसे दूसरों के गुणों की सराहना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक अच्छा नेता सफलता, सम्मान और उपलब्धियों का श्रेय अकेले नहीं लेता, बल्कि उसे सभी के साथ बांटता है।

उन्होंने यह भी कहा कि जब संघर्ष का समय आए तो नेता को योद्धा की तरह दृढ़ता से खड़ा होना चाहिए।

नेतृत्व का असली उद्देश्य क्या होना चाहिए?

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि नेतृत्व का उद्देश्य खुद हमेशा आगे रहना नहीं, बल्कि ऐसे लोगों को तैयार करना है जो भविष्य में समाज का नेतृत्व कर सकें। उन्होंने कहा, ₹मैं स्वयं को नेता नहीं मानता। मैं अपने आपको एक कार्यकर्ता मानता हूं।₹ उनके अनुसार, यदि किसी व्यक्ति का नेतृत्व दूसरों को नेतृत्व करने योग्य बना देता है, तभी वह वास्तविक नेतृत्व कहलाता है।

युवाओं को क्या संदेश दिया?

जेनरेशन जेड और अल्फा के छात्रों से बातचीत के दौरान भागवत ने कहा कि समाज और देश के लिए काम करने की भावना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से कहा कि नेतृत्व को पद, प्रसिद्धि या व्यक्तिगत सफलता से नहीं जोड़ना चाहिए। उनके अनुसार, जो व्यक्ति समाज के लिए निस्वार्थ भाव से काम करता है और दूसरों को आगे बढ़ने का अवसर देता है, वही सच्चा नेता कहलाने का अधिकारी होता है।

6 माह में 13 विदेशी दौरे

पीएम मोदी की विदेश यात्राओं पर कितने रुपये हुए खर्च? संसद में सरकार ने दिया जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली।

राज्यसभा में विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर हुए खर्च का ब्योरा संसद को दिया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर 74.58 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुआ है। वहीं, वर्ष 2021 से अब तक उनकी विदेश यात्राओं पर कुल खर्च 550 करोड़ रुपये से अधिक रहा है।

इस साल खर्च हुए इतने करोड़

विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने गुरुवार को राज्यसभा में लिखित जवाब में बताया कि वर्ष 2026 में जिन यात्राओं का खर्च उपलब्ध है, उनमें मई में हुई प्रधानमंत्री की पांच देशों की यात्रा के दौरान नॉर्वे दौरे पर सबसे अधिक 17.46 करोड़ रुपये खर्च हुए। जून में फ्रांस यात्रा का व्यय अभी संकलित किया जा रहा है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि वर्ष 2026 के कुछ अन्य खर्च अभी अस्थायी (प्रोविजनल) हैं और बिलों के निपटारे के बाद इन्हें अंतिम रूप दिया जाएगा।

आप सांसद संजय सिंह और सीपीआई सांसद वी. शिवदासन के सवाल के लिखित जवाब में विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस साल जुलाई तक प्रधानमंत्री के विदेशी दौरों पर कुल ?74.59 करोड़ खर्च हुए। जिन देशों का उन्होंने दौरा किया, उनमें मलयेशिया, इस्राइल, यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे, इटली, फ्रांस, स्लोवाकिया, सेशेल्स, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। मंत्रालय के आंकड़ों से पता चला कि मई के दूसरे हिस्से में नॉर्वे के दौरे पर सबसे अधिक ?17,46,50,390 खर्च हुए। इसके बाद फरवरी में प्रधानमंत्री के इस्राइल दौरे पर 11,92,25,938 खर्च हुए। उन्होंने इस साल अब तक 13 देशों का दौरा किया है।

जानें पिछले वर्षों का हिसाब

विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर वर्ष 2025 में 180 करोड़ रुपये से अधिक, वर्ष 2024 में 109 करोड़ रुपये, वर्ष 2023 में 93 करोड़ रुपये, वर्ष 2022 में 55 करोड़ रुपये और वर्ष 2021 में 36 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुआ। मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री के उच्चस्तरीय विदेशी दौरे भारत के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक संबंधों को मजबूत करने का एक स्थापित माध्यम हैं। इन यात्राओं के जरिए प्रौद्योगिकी, व्यापार एवं निवेश, रक्षा, ऊर्जा और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा दिया जाता है। विदेश मंत्रालय ने राज्यसभा को यह भी बताया कि जुलाई 2021 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं के दौरान 316 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। ये रक्षा, व्यापार एवं निवेश, डिजिटल प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, अंतरिक्ष सहयोग, गतिशीलता एवं प्रवासन, जलवायु कार्रवाई और सांस्कृतिक आदान-प्रदान सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हैं। मंत्रालय के अनुसार, इन समझौतों का उद्देश्य एशिया, यूरोप, अफ्रीका, मध्य पूर्व, ओशिनिया और अमेरिका के देशों के साथ भारत की द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करना और सहयोग का विस्तार करना है।

'गलत बातें फैला रहे राहुल-खरगे'

रविशंकर प्रसाद बोले- अमित शाह बहस के लिए तैयार, फिर भी भाग रहा विपक्ष

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों नेता गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ झूठी बातें फैला रहे हैं। विपक्ष जानबूझकर संसद में हंगामा कर रहा है। वह मुद्दों पर बहस करने से बच रहा है। संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए रविशंकर प्रसाद ने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री संसद में रोज आते हैं। सदन चलने पर वह विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने को तैयार हैं।

गृह मंत्री शाह तैयार, फिर भी क्यों भाग रहा विपक्ष?

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बताया कि गृह मंत्री अपने दफ्तर में सुबह 10 बजे से शाम सात बजे तक बैठते हैं। वह हर वक्त सदन में मौजूद रहते हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी और खरगे रोज नया नाटक करते हैं। वे पोस्टर लेकर आते हैं और गृह मंत्री को बुलाने की मांग करते हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि विपक्षी नेता पहले संसद को चलने दें। बहस की शुरूआत होने पर गृह मंत्री खुद सामने आएंगे। वह विपक्ष के आरोपों का करारा जवाब देंगे।

झारखंड परीक्षा धांधली पर राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल

पूर्व मंत्री ने विपक्ष पर संसद को ठप करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल काम नहीं होने देते। फिर भी सरकार पर चर्चा से भागने का आरोप लगाते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और पूरी एनडीए सरकार हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है। विपक्षी दल देश की जनता को गुमराह कर रहे हैं। रविशंकर प्रसाद ने झारखंड में हुई परीक्षाओं में गड़बड़ी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड सरकार ने एक कालीसूची में दर्ज कंपनी को परीक्षा का काम दिया। यह कंपनी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में पहले से प्रतिबंधित है। उन्होंने पूछा कि राहुल गांधी इस मामले पर चुप क्यों हैं। युवाओं के मुद्दे पर राजनीति करने वाले नेताओं का यह दोहरा चरित्र है।

कांग्रेस ने नीरज डांगी को राज्यसभा में बनाया व्हिप

एजेंसी, नई दिल्ली।

कांग्रेस ने अपनी संसदीय रणनीति को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राज्यसभा सांसद नीरज डांगी को राज्यसभा में पार्टी का नया व्हिप नियुक्त किया है। पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह जिम्मेदारी सदन में बेहतर समन्वय और रणनीतिक प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए सौंपी है।

नई जिम्मेदारी के तहत नीरज डांगी राज्यसभा में कांग्रेस सांसदों के बीच तालमेल बनाए रखने, सदन में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने और पार्टी की रणनीति के अनुसार मतदान कराने में अहम भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही वह राज्यसभा में पार्टी से जुड़े विभिन्न संसदीय कार्यों के संचालन और समन्वय की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

क्यों बनाया गया राज्यसभा में कांग्रेस का व्हिप?

राजस्थान कांग्रेस में नीरज डांगी को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सबसे भरोसेमंद और करीबी सहयोगियों में गिना जाता है। लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय रहते हुए उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। खास तौर पर दलित और अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के अधिकारों तथा उनके सामाजिक उत्थान से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाने के कारण उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है।

लखीमपुर खीरी हिंसा केस: आरोपी आशीष मिश्रा को फिलहाल राहत नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत की शर्तों में और अधिक ढील देने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने मिश्रा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने जमानत की शर्तों में और राहत देने की मांग की थी। आशीष मिश्रा की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि मौजूदा जमानत शर्तों के कारण वह अपने परिवार के कार्यक्रमों में भी शामिल नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी बेटियों के जन्मदिन जैसे पारिवारिक आयोजनों में भी शामिल होने से वंचित रह जाते हैं। इसी आधार पर जमानत की शर्तों में और ढील देने की मांग की गई थी।

'मोजतबा से संपर्क करना मुश्किल': सत्ता संघर्ष के बीच बोले ईरानी राष्ट्रपति

एजेंसी, तेहरान।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने देश के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में मोजतबा खामेनेई से संपर्क करना बहुत मुश्किल हो गया है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि खामेनेई अब भी देश के लिए ताकत का बड़ा स्रोत हैं और ईरान की रणनीति तथा जवाबी कार्रवाई में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका बनी हुई है। यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान की शीर्ष सत्ता में मतभेद और राष्ट्रपति तथा सुप्रीम लीडर के बीच तनाव की खबरें सामने आ रही हैं।

'उनकी मौजूदगी हमें आगे बढ़ने की ताकत देती है'

एक समाचार एजेंसी के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने कहा, 'इस समय उनसे संपर्क करना बहुत कठिन है, लेकिन उनकी मौजूदगी हमारे लिए बहुत बड़ी ताकत है, जिससे हम आगे बढ़ते रह सकते हैं'। मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से काफी समय से नजर नहीं आए हैं। अमेरिकी-इस्राइली हमले के दौरान घायल होने के बाद उन्होंने किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया है। वह अपने पिता और पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद इस पद पर पहुंचे थे।

सार्वजनिक रूप से नहीं दिख रहे, लेकिन फैसलों में सक्रिय

रिपोर्ट के मुताबिक, मोजतबा खामेनेई फिलहाल सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर हैं, लेकिन लिखित संदेशों के जरिए सरकार और अधिकारियों से संपर्क बनाए हुए हैं। उनकी गैरमौजूदगी को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। खास बात यह भी है कि वह पिछले महीने अपने पिता के अंतिम संस्कार में भी सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए थे। हालांकि राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी मोजतबा खामेनेई के साथ कई सकारात्मक बैठकें हुई हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम लीडर ने हमेशा उनके साथ 'सौहार्दपूर्ण व्यवहार और बेहद तार्किक सोच' का परिचय दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर उनकी अलग छवि पेश करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि वास्तविकता इससे अलग है।

मतभेद की खबरों ने बढ़ाई चर्चा

राष्ट्रपति का यह बयान उन रिपोर्टों के बाद आया है जिनमें दावा किया गया कि मोजतबा खामेनेई ने राष्ट्रपति पेजेश्कियन को अंतिम चेतावनी दी है और अहम फैसलों में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कमांडर अहमद वाहिदी का समर्थन किया है। इस्राइली चैनल 14 ने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि सुप्रीम लीडर ने राष्ट्रपति की राजनीतिक ताकत काफी हद तक सीमित कर दी है।

इस्तीफे की धमकी दे चुके हैं पेजेश्कियन- रिपोर्ट में दावा

रिपोर्ट में कहा गया कि राष्ट्रपति पेजेश्कियन पहले कई बार मतभेद होने पर इस्तीफे की धमकी दे चुके हैं और मई में उन्होंने औपचारिक रूप से इस्तीफा देने की भी कोशिश की थी। उनका आरोप था कि राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े फैसलों में उनकी सरकार को पूरी तरह किनारे कर दिया गया है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि अब सुप्रीम लीडर का झुकाव पूरी तरह ईरान की सैन्य नेतृत्व के साथ है, जिससे राष्ट्रपति की रणनीतिक फैसलों पर पकड़ कमजोर हो गई है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और ईरानी सरकार ने भी इन रिपोर्टों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पीओके में चुनाव: विरोध और बहिष्कार की अपील के बावजूद नवाज शरीफ की पार्टी को बढ़त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) की विधानसभा के चुनाव में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। चुनाव आयोग के मुताबिक, अब तक दो चरणों की मतगणना पूरी हो चुकी है, जिसमें पार्टी ने 34 में से 24 सीटों पर जीत दर्ज की है। इसके साथ ही पीएमएल-एन का अगली क्षेत्रीय सरकार बनाना लगभग तय माना जा रहा है। हालांकि चुनाव से पहले कई सप्ताह तक विरोध प्रदर्शन हुए और प्रतिबंधित संगठन ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने लोगों से मतदान का बहिष्कार करने की अपील की थी। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोगों ने वोट डाला।
क्षेत्रीय चुनाव आयोग के प्रवक्ता राजा शकील ने बताया कि सुरक्षा कारणों और भारी मानसूनी बारिश की वजह से चुनाव तीन चरणों में कराए जा रहे हैं। पहले दो चरणों में 34 सीटों पर मतदान और मतगणना पूरी हो चुकी है। बाकी 11 सीटों के लिए मतदान 10 अगस्त को होगा।

दुनिया को टैरिफ का डर दिखाते-दिखाते खुद फंसे ट्रंप, अमेरिका लौटा रहा 100 अरब डॉलर

एजेंसी, वाशिंगटन।

अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी) की ओर से दायर एक याचिका के अनुसार अमेरिका ने ट्रंप के 'लिबरेशन डे' टैरिफ के तहत लगभग 100 अरब अमेरिकी डॉलर का रिफंड प्रोसेस किया है। इन टैरिफ को बाद में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था। यह एजेंसी के इतिहास में टैरिफ रिफंड की सबसे बड़ी कोशिशों में से एक है।

यह रिफंड अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम के तहत लगाए गए अतिरिक्त मूल्य-आधारित शुल्कों से संबंधित है, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट ने इस साल फरवरी में रद्द कर दिया था। संसाधित राशि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रभावित टैरिफ के तौर पर जमा किए गए लगभग 166 अरब अमेरिकी डॉलर के आधे से ज्यादा हिस्से के बराबर है।

निदेशक ब्रेंडन लॉर्ड ने क्या घोषणा की थी?

सीबीपी के व्यापार कार्यालय में व्यापार कार्यक्रम निदेशालय के कार्यकारी निदेशक ब्रेंडन लॉर्ड की ओर से दायर घोषणा के अनुसार, एजेंसी ने अपने ऑटोमेटेड कमर्शियल एनवायरनमेंट (अउए) प्लेटफॉर्म में योग्य रिफंड की गणना और प्रोसेसिंग के लिए एक नई सिस्टम क्षमता विकसित की है।

कितने अरब अमेरिकी डॉलर के रिफंड स्वीकार हुए हैं?

वहीं, कंसोलिडेटेड एडमिनिस्ट्रेशन एंड प्रोसेसिंग ऑफ एंट्रीज' नाम की नई सुविधा 20 अप्रैल, 2026 को इंपोर्टर्स और कस्टम्स ब्रोकर्स के लिए उपलब्ध हो गई। लॉर्ड ने अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में दायर घोषणा में कहा,' शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026 को ईस्टर्न टाइम के अनुसार दोपहर 3 बजे तक, उअढए में प्रोसेसिंग के लिए लगभग 128.68 अरब अमेरिकी डॉलर के संभावित और सर्टिफाइड रिफंड स्वीकार किए जा चुके हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि सीएपीई रिफंड घटक के माध्यम से शुल्क और ब्याज सहित लगभग 100 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि का रिफंड पूरा हो चुका है, जिसे सीबीपी की ओर से प्रमाणित किया गया है और वितरण के लिए अमेरिकी वित्त विभाग को भेज दिया गया है।

कितने आवेदन जमा हुए है?

सीबीपी ने बताया कि सीएपीई प्रणाली ने शुरू होने के बाद से लाखों धनवापसी आवेदनों पर कार्रवाई की है। 31 जुलाई, 2026 तक, 252,496 सीएपीई आवेदन जमा किए गए थे, जिनमें से 178,213 आवेदन सत्यापन में सफल रहे।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में क्या कहा था?

टैरिफ रिफंड का संबंध ट्रंप प्रशासन की ओर से कुछ टैरिफ लगाने के लिए आईईईपीए के उपयोग को लेकर दायर की गई कानूनी चुनौती से है, यह नीति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार और विदेश नीति दोनों के एजेंडे का एक प्रमुख घटक बन गई थी। फरवरी में, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत के फैसले में कहा कि 1977 के आईईईपीए के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति के पास लगभग सभी अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों से आने वाले सामानों पर व्यापक आयात शुल्क लगाने का अधिकार नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि आईईईपीए राष्ट्रपति को शुल्क लगाने का अधिकार नहीं देता है। नौ न्यायाधीशों की पीठ ने 6-3 के मत से फैसला सुनाया, जिसमें मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने बहुमत की राय लिखी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ब्रेट कावानाघ ने अपने असहमति वाले मत में कहा कि इस फैसले के तत्काल परिणाम काफी गंभीर हो सकते हैं, जिसमें संभावित रूप से कई अरब डॉलर की वापसी भी शामिल है।

पाल्क जलडमरूमध्य में फंसा भारतीय ट्रॉलर: मछुआरों के लिए नौसेना ने शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन

एजेंसी, कोलंबो।

श्रीलंकाई जलक्षेत्र में 11 भारतीय मछुआरों को लेकर जा रहा एक भारतीय मछली पकड़ने वाला ट्रॉलर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके बाद श्रीलंका नौसेना ने बचाव अभियान शुरू कर दिया। गुरुवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, ट्रॉलर कथित तौर पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार कर श्रीलंकाई जलक्षेत्र में प्रवेश कर गया था और वहां बॉटम ट्रॉलिंग कर रहा था। इसी दौरान वह डेल्फ्ट द्वीप (नेदुन्थीवु) के पास समुद्री चट्टान से टकराकर फंस गया।

हादसा कहां और कैसे हुआ?

यह दुर्घटना श्रीलंका के उत्तरी तट से दूर पाल्क जलडमरूमध्य में स्थित डेल्फ्ट द्वीप (नेदुन्थीवु) के

निकट समुद्री चट्टानों पर हुई। श्रीलंका नौसेना के मीडिया प्रवक्ता कमांडर चमिंदा वालाकुलुगे ने दावा किया कि भारतीय ट्रॉलर श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रहा था। बुधवार को हुए इस हादसे के समय ट्रॉलर पर कुल 11 लोग सवार थे।

ट्रॉलर को कितना नुकसान पहुंचा?

श्रीलंका नौसेना के बयान के मुताबिक, समुद्री चट्टान से टकराने के कारण ट्रॉलर के ढांचे को आंशिक नुकसान पहुंचा है। हालांकि स्थिति गंभीर नहीं है और ट्रॉलर पर सवार किसी भी मछुआरे की जान को तत्काल कोई खतरा नहीं बताया गया है।

बचाव के लिए क्या कदम उठाए गए?

नौसेना ने बताया कि भारतीय मछुआरों की सहायता के लिए तुरंत बचाव दल रवाना किए गए। राहत एवं बचाव अभियान जारी है ताकि सभी मछुआरों को सुरक्षित निकाला जा सके और आवश्यक मदद उपलब्ध कराई जा सके। श्रीलंका नौसेना ने कहा कि इस घटना के संबंध में आगे की कार्रवाई संबंधित कानूनों और निर्धारित कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार की जा रही है।

भारत-श्रीलंका के बीच मछुआरों का विवाद क्यों बना रहता है?

भारतीय और श्रीलंकाई मछुआरों का मुद्दा दोनों देशों के संबंधों में लंबे समय से संवेदनशील बना हुआ है। श्रीलंकाई नौसेना पर कई बार पाल्क जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी करने और कथित तौर पर श्रीलंकाई जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में उनकी नौकाएं जब्त करने के आरोप लगते रहे हैं।

पाल्क जलडमरूमध्य इतना महत्वपूर्ण क्यों है?

भारत के तमिलनाडु और श्रीलंका के बीच स्थित पाल्क जलडमरूमध्य समुद्री संसाधनों से भरपूर क्षेत्र है। यही वजह है कि दोनों देशों के मछुआरे बड़ी संख्या में यहां मछली पकड़ने पहुंचते हैं। समुद्री सीमा स्पष्ट होने के बावजूद अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश करने की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं, जिसके चलते दोनों देशों के मछुआरों की गिरफ्तारी भी समय-समय पर होती रहती है।

क्या बदलने वाला है होर्मुज का नक्शा?: ईरान ने नई समुद्री व्यवस्था का किया खुलासा

एजेंसी, तेहरान।

ईरान और ओमान होर्मुज जलडमरूमध्य से व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही के लिए नई व्यवस्था को अंतिम रूप देने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। ईरान के एक वरिष्ठ राजनयिक के अनुसार, प्रस्तावित व्यवस्था के तहत फिलहाल लागू अस्थायी उत्तरी और दक्षिणी मार्गों की जगह दो से चार महीने के लिए ईरान के क्षेत्रीय जल से होकर गुजरने वाला एक नया एकल समुद्री मार्ग लागू किया जाएगा।

क्या नई शिपिंग व्यवस्था पर लगभग सहमति बन चुकी है?

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए को दिए गए साक्षात्कार में उप विदेश मंत्री (कानूनी एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों) काजेम गरीबाबादी ने कहा कि तीन सप्ताह से अधिक समय तक चली बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच प्रवेश और निकास मार्ग के नक्शे सहित लगभग सभी अहम मुद्दों पर सिद्धांततः सहमति बन गई है।

क्या इसका मतलब होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह खुल जाएगा?

गरीबाबादी ने स्पष्ट किया कि संभावित समझौते का यह अर्थ नहीं है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था केवल व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही के लिए निर्धारित मार्ग से संबंधित है और इसे पूर्ण रूप से सामान्य संचालन की बहाली नहीं माना जाना चाहिए।

आपको समाज सेवा करने का मौका देता है फार्मासिस्ट करियर

फार्मासिस्ट बनकर आपको समाज की सेवा करने का भी मौका मिलता है। ऐसे में यदि आप भी फार्मासिस्ट बनना चाहते हैं, तो इससे जुड़ी सभी डिटेल्स के बारे में आपको जानकारी होना जरूरी है।
अक्सर छात्र अपने करियर को लेकर काफी परेशान रहते हैं। क्योंकि मेहनत के साथ ही सही कोर्स का चुनाव करना भी जरूरी होता है। ऐसे में आप फार्मासिस्ट बन करने करियर को नई दिशा दे सकते हैं।
फार्मासिस्ट बनकर आपको समाज की सेवा करने का भी मौका मिलता है। ऐसे में यदि आप भी फार्मासिस्ट बनना चाहते हैं, तो इससे जुड़ी सभी डिटेल्स के बारे में आपको जानकारी होना जरूरी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस कोर्स की सारी डिटेल्स बताने जा रहे हैं।

क्वालिफिकेशन

फार्मासिस्ट बनने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं है। छात्र को फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी या मैथ्स विषय से 12वीं पास होना चाहिए। 12वीं के बाद बैचलर ऑफ फॉर्मेसी की डिग्री हासिल करनी होगी। बी फार्मा का कोर्स 4 साल का होता है। वहीं आप चाहें तो मास्टर ऑफ फार्मेसी भी कर सकते हैं, यह दो साल का कोर्स होता है। इसमें पीएचडी का भी एक ऑप्शन होता है, पीएचडी कर आप शोध और शिक्षण के क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

चयन प्रक्रिया

बी.फ़ार्मा में एडमिशन के लिए अधिकतम राज्यों और विश्वविद्यालयों द्वारा एंट्रेंस एग्जाम आयोजित कराए जाते हैं। तो वहीं कुछ प्रमुख परीक्षाओं में CUET और राज्य स्तरीय परीक्षाएं आदि भी शामिल हैं। एंट्रेस एग्जाम के बाद मेरिट लिस्ट के आधार पर काउंसलिंग की जाती है।
झइन जगहों पर कर सकते हैं नौकरी

- अस्पताल और क्लीनिक
- फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री
- रिटेल फार्मेसी
- रेगुलेटरी अफेयर्स
- शिक्षण

सैलरी

फार्मासिस्ट की सैलरी अनुभव, कार्यक्षेत्र और नौकरी की लोकेशन आदि पर निर्भर करती है। बता दें कि एक फार्मासिस्ट की औसत सैलरी 2.5 लाख से 4 लाख रुपए प्रति वर्ष हो सकती है। एक्सपीरियंस के साथ ही सैलरी बढ़ती जाती है। अनुभवी फार्मासिस्ट की सैलरी 8 लाख से 12 लाख रुपए प्रति वर्ष या इससे भी ज्यादा हो सकती है।

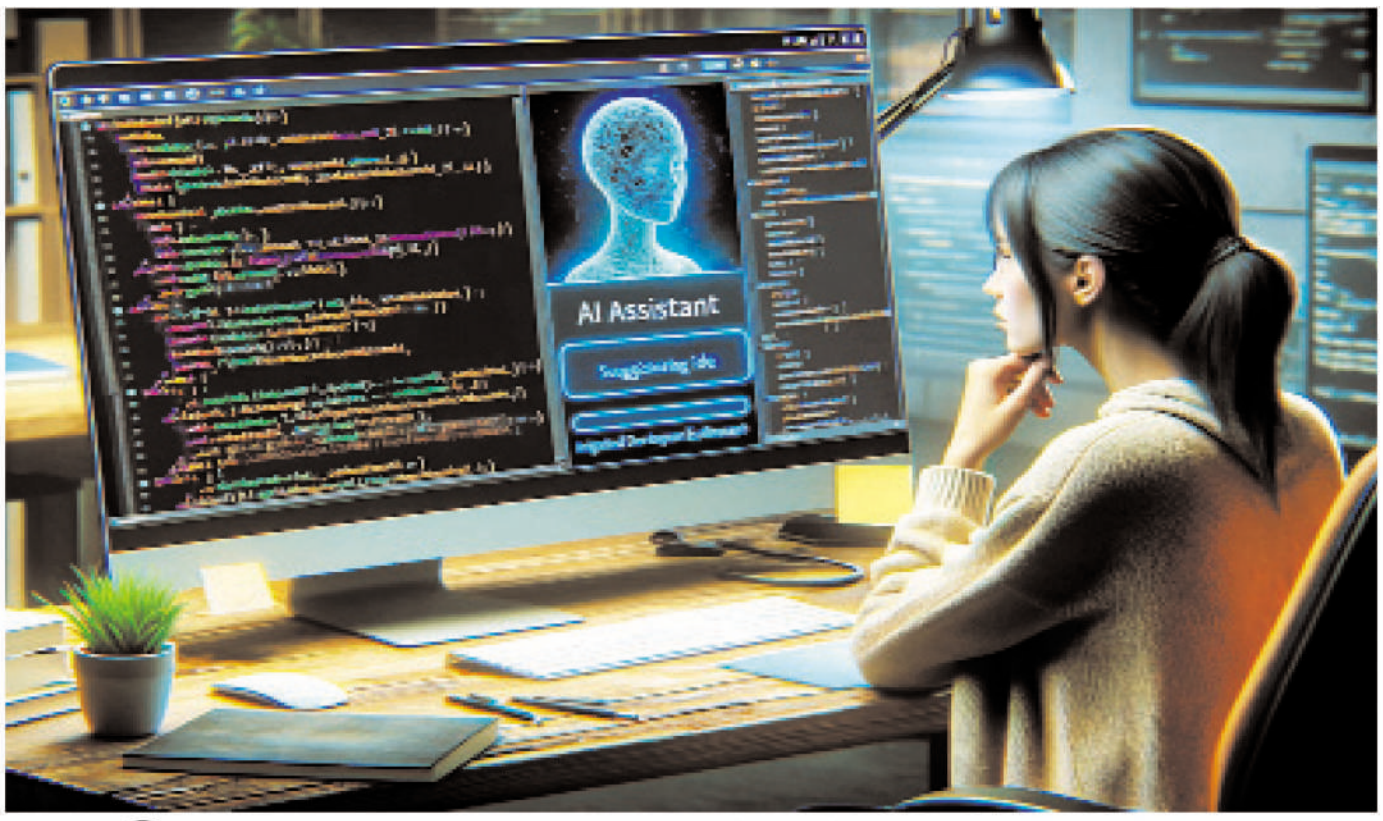

करियर में आगे बढ़ने के लिए मदद कर सकते हैं एआई शॉर्ट टर्म कोर्स

इन दिनों बहुत सारे लोग नौकरी, बिजनेस या फिर पढ़ाई करते हुए कई दूसरे स्किल भी सीख रहे हैं। ऐसे में जिन लोगों के पास समय नहीं होता है, वह शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। बता दें कि यह कोर्स पूरी तरह से ऑनलाइन होते हैं।
इन दिनों बहुत सारे लोग नौकरी, बिजनेस या फिर पढ़ाई करते हुए कई दूसरे स्किल भी सीख रहे हैं। लेकिन रेग्यूलर कोर्स करने के लिए आपको किसी संस्थान में जाना होता है, इसके लिए आपके पास पर्याप्त समय होना चाहिए। ऐसे में जिन लोगों के पास समय नहीं होता है, वह शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। बता दें कि यह कोर्स पूरी तरह से ऑनलाइन होते हैं। वहीं इनमें से बहुत सारे कोर्स ऐसे भी होते हैं, जिनको करने के लिए आप किसी खास या तय समय पर कंप्यूटर के सामने नहीं बैठना पड़ता, बल्कि आप अपने समयानुसार इन कोर्स को कर सकते हैं।
राज्य और केंद्र सरकार के अलावा Google, IBM, Reuters जैसी कंपनियां भी इन कोर्सेज को कराती हैं। इन कोर्स की फीस 500 रुपए से लेकर 15 हजार रुपए तक हो सकती है। इनमें से कुछ कोर्स फ्री होते हैं, लेकिन सर्टिफिकेट लेने के लिए कुछ पैसे देने पड़ते हैं।

AI कोर्स

आपको बता दें कि गूगल समेत कई कंपनियों की तरफ से कई तरह के AI कोर्स जारी किए गए हैं। यह कोर्स ऑनलाइन और पूरी तरह फ्री हैं। करियर में आगे बढ़ने के लिए यह कोर्स आपकी मदद कर सकते हैं। हालांकि यह कोर्स अंग्रेजी में होते हैं और आपको थोड़ी-बहुत कंप्यूटर की जानकारी होनी चाहिए। बाकि इन कोर्स को करने के लिए किसी खास तरह की योग्यता की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में आप यह कोर्स को अपनी रेज्यूमे में जोड़कर अच्छी नौकरी की तलाश पूरी कर सकते हैं।

लार्ज लैग्वेज मॉडल्स

इस कोर्स को करने के बाद आप भी ChatGPT जैसा प्लैटफॉर्म बना सकते है। इस कोर्स में आपको यह सिखाया जाता है कि किस तरह से ChatGPT जैसे प्लेटफॉर्म पर इमेज और कंटेंट क्रिएट किया जाता है। आप इस कोर्स को करने के बाद किसी भी टॉपिक पर आर्टिकल बना सकते हैं। यह किसी भी कंटेंट को दूसरी भाषा में ट्रांसफर कर सकते हैं। मिनटों में लंबे असाइनमेंट या प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं। लार्ज लैग्वेज मॉडल्स कोर्स में यह भी बताया व सिखाया जाता है कि आप किस तरह प्रॉम्प्ट ट्यूनिंग की मदद से आउटपुट पर कंट्रोल पा सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 8 घंटे की है।

इमेज जनरेटर

इमेज जनरेटर का कोर्स कर आप AI की मदद से कैसा भी कोई भी फोटो जनरेट कर सकते हैं। इस कोर्स में आप यह भी सीख सकते हैं कि कम रिजॉल्यूशन वाली फोटो को हाई रिजॉल्यूशन में कैसे बदलें। इस कोर्स को करने के बाद आप किसी का चेहरा भी डिजाइन कर सकते हैं और लैंडस्केप इमेज भी तैयार कर सकती हैं। इस कोर्स में टेक्स्ट प्रॉम्प्ट के आधार पर इमेज, स्केच और कार्टून आदि बनाने की ट्रेनिंग दी भी जाती है। इस कोर्स की अवधि 8 घंटे की है।

6 महीने का समय

इन कोर्स को करने का समय 3 घंटे से लेकर 6 महीने तक का हो सकता है। कोर्स को कब करना है, कितने बजे से कितने बजे तक करना है, यह फिक्स नहीं होता है। अपनी सुविधानुसार आप किसी भी समय इस कोर्स को कर सकते हैं।

AI में कैसे जॉब पाएं?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने से तकनीक क्षेत्र लेकर मीडिया लाइन में इसका काफी प्रयोग हो रहा है। यह आज के समय में काफी डिमांड में है। AI क्षेत्र में नौकरियां भी काफी तेजी से बढ़ रही हैं। AI को करियर के रुप में देखा जा रहा है। बड़ी-बड़ी कंपनियां AI पर फोकस कर रही हैं, इसी तरह लोग भी AI बेस्ड नई नौकरी पाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। आपको बता दें कि, AI में कई नौकरियां शामिल हैं जैसे मशीन लर्निंग इंजीनियर, प्रॉम्प्ट इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट या AI रिचर्स इत्यादि। अगर आप इसे करियर बनाना चाहते हैं तो आपको बता दें किस तरह की पढ़ाई करनी है और कंपनियां को किस तरह की प्रोफाइल वाले रिज्यूम पसंद आते हैं।

टेक्निकल पढ़ाई

दरअसल, बिजनेस इंसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ रिक्रूटर्स का कहना है कि AI जॉब के लिए टेक्निकल एजुकेशन होना काफी जरुरी है। उनका मानना है कि अक्सर AI बेस्ड जॉब देने वाली कंपनियां कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस, मैथ्स और एप्लाइड साइंस को कुछ मेन डिग्री के रुप में देखते हैं।

कानून की समझ हो

टैलेंट फर्म कैरेक्स कंसल्टिंग ग्रुप के एक टेक्निकल रिक्रूटर एंड्री मेंडोजा ने कहा कि क्योंकि AI एक नया फील्ड है, इसलिए इसकी ट्रेनिंग एक अच्छा ऑप्शन है। आगे उन्होंने बताया कि कानून की गहरी समझ होना जरुरी है और बेस्ट सिक्योरिटी प्रैक्टिस भी होनी जरुरी है। लेकिन शुरुआत में इतना काफी नहीं है। अगर आप इस नई फील्ड में अपनी जगह बनाने चाहते हैं तो आपका टेक्निकल बैकग्राउंड से होना बहुत जरुरी है। जो लोग अलग-अलग पढ़ाई या करियर वाले स्कूल से आत हैं, उन्हें AI में नौकरी नहीं मिल सकती है।

प्रोग्रामिंग लैंग्वेज आना चाहिए

अगर आप AI में नौकरी पाना चाहते हैं तो AI की स्पेफिक टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी और इंजीनियर होना बहुत जरुरी है, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज आना भी जरुरी है। AI में नौकरियों के लिए आवेदकों के लिए पायथन या जावास्क्रिप्ट की समझ होनी चाहिए।

कोडिंग की समझ भी जरुरी

एक्सपर्ट के मुताबिक, कोडिंग सर्टिफिकेट्स नौकरी पाने की संभावनाएं बढ़ा देते हैं। अगर AI में बेहतरीन नौकरी चाहिए तो कोडिंग की अच्छी समझ होनी चाहिए।

बिना कोडिंग के भी मिलेगा करोड़ों का इंटरनेशनल पैकेज, बढ़ रही इस बीटेक ब्रांच की डिमांड

आजकल जब भी कोई इंजीनियरिंग करने की सोचता है, तो सबसे पहले उसके दिमाग में बीटेक यानी कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग का नाम आता है. सबको लगता है कि बड़ा पैकेज और शानदार करियर सिर्फ कोडिंग या सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में ही मिल सकता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसी भी फील्ड है जहां बिना कोडिंग के भी छात्रों को करोड़ों रुपये के इंटरनेशनल पैकेज मिल रहे हैं. वो है बीटेक पेट्रोलियम इंजीनियरिंग
अगर आपकी रुचि कोर इंजीनियरिंग में है और आप दुनिया घूमने के साथ-साथ एक शानदार सैलरी पैकेज चाहते हैं, तो यह फील्ड आपके लिए एक बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकती है. आइए जानते हैं कि पेट्रोलियम इंजीनियरिंग क्या है और क्यों यह आज के समय में इतनी डिमांड में है.

क्या होती है बीटेक पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग इंजीनियरिंग की वह ब्रांच है जो जमीन के नीचे से कच्चे तेल और नेचुरल गैस को सुरक्षित और सही तरीके से बाहर निकालने की टेक्नीक पर काम करती है. एक पेट्रोलियम इंजीनियर का काम सिर्फ खुदाई करना नहीं होता. वे यह पता लगाते हैं कि जमीन या समुद्र के नीचे तेल कहां है, उसे बाहर निकालने के लिए कौन सी मशीनें लगेंगी और कैसे कम से कम खर्च में ज्यादा से ज्यादा तेल निकाला जा सकता है.

क्यों मिल रहे हैं इसमें इंटरनेशनल पैकेज

बहुत से लोगों को लगता है कि दुनिया अब इलेक्ट्रिक गाड़ियों और रिन्यूएबल एनर्जी की तरफ बढ़ रही है, तो तेल की डिमांड कम हो जाएगी. लेकिन सच यह है कि प्लास्टिक, दवाइयां, केमिकल और भारी उद्योगों में आज भी पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का कोई दूसरा विकल्प नहीं है. आजकल ज्यादातर छात्र कंप्यूटर साइंस की तरफ भाग रहे हैं, इसलिए बीटेक पेट्रोलियम इंजीनियरिंग के फील्ड में टैलेंटेड प्रोफेशनल्स की भारी कमी हो गई है. डिमांड ज्यादा और सप्लाई कम होने की वजह से बड़ी-बड़ी विदेशी कंपनियां जैसे अरामको, शेल, और शेवरॉन भारतीय छात्रों को सीधे कॉलेज कैंपस से ही करोड़ों रुपये के इंटरनेशनल पैकेज पर हायर कर रही हैं.

मिडिल ईस्ट में नौकरियों की भरमार

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग पूरी दुनिया से जुड़ा हुआ बिजनेस है. इस कोर्स को करने के बाद आपको सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में काम करने का मौका मिलता है. विशेष रूप से दुबई, सऊदी अरब, कतर, ओमान जैसे मिडिल ईस्ट (खाड़ी) देशों में तेल के विशाल भंडार हैं. इसके अलावा अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में भी पेट्रोलियम इंजीनियर्स की भारी मांग रहती है. इन देशों में काम करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि वहां सैलरी बहुत ज्यादा होती है और कई देशों में तो इनकम टैक्स भी नहीं देना पड़ता है.

कोर्स के दौरान क्या-क्या पढ़ना होता है

अगर आप इस फील्ड में आना चाहते हैं, तो आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स पढ़ना जरूरी है. इसके बाद आप IITs या देश की अन्य टॉप यूनिवर्सिटीज से 4 साल का बीटेक पेट्रोलियम इंजीनियरिंग कोर्स कर सकते हैं. इस कोर्स के दौरान आपको नीचे दिए गए मुख्य विषयों के बारे में सिखाया जाता है:
ड्रिलिंग टेक्नोलॉजी: जमीन और समुद्र में गहरे कुएं कैसे खोदे जाते हैं.
रिजर्वोइयर इंजीनियरिंग: तेल के भंडारों का सही अंदाजा लगाना.
प्रोडक्शन ऑपरेशन्स: तेल को जमीन से बाहर निकालने की पूरी प्रक्रिया.
जियोलॉजी: धरती की परतों और चट्टानों का अध्ययन करना.

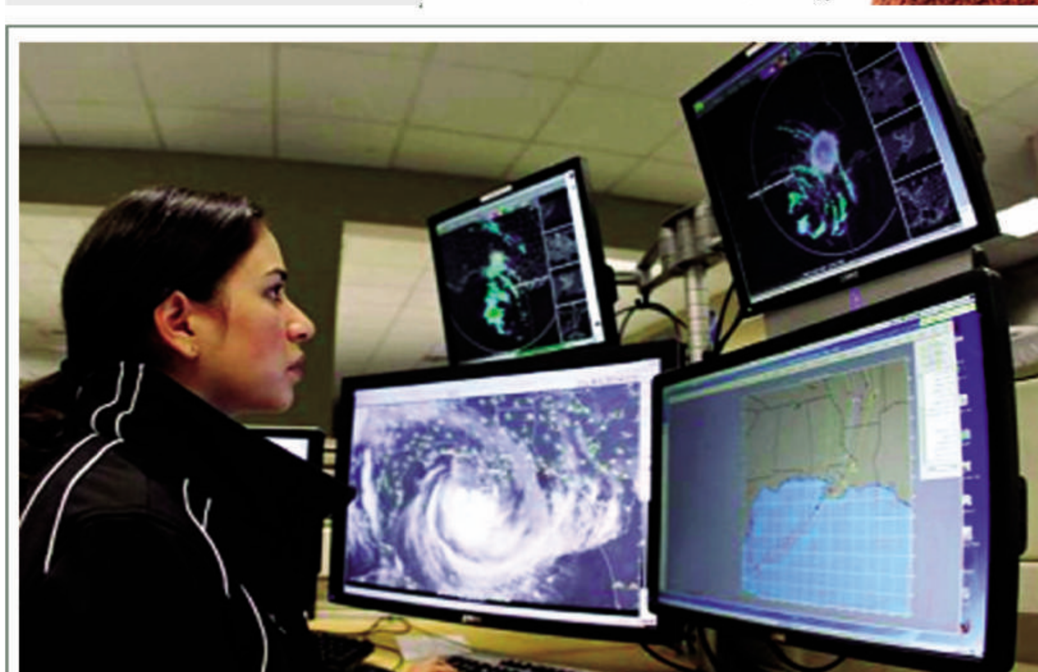

आपके शहर, घर और पसंदीदा जगहों की सेटेलाइट तस्वीरें की हो या फिर उस जीपीएस तकनीक की, जिसकी मदद से आप कोई पता तलाशते हैं, किसी अनजाने क्षेत्र में जाने के लिए आसान रास्ता ढूंढते हैं या कोई नजदीकी होटल खोजते हैं। कुछ साल पहले तक कोरी कल्पना लगने वाली ये तकनीकें अब हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं। यह सब संभव हुआ है जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी के कारण।

हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी

जीआईएस या जियोमेटिक्स एक नई वैज्ञानिक अवधारणा है, जिसका इस्तेमाल जियोग्राफिकल इंफॉर्मेशन साइंस या जियोस्पेशल इंफॉर्मेशन स्टडीज में होता है। अकादमिक रूप से यह जियोइंफॉर्मेटिक्स विषय की एक शाखा है। इस विषय के सिद्धांतों को आधार बनाकर तैयार की गई तकनीकों को जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी कहा जाता है। इस तकनीक की मदद से सभी तरह की भौगोलिक सूचनाओं को इकट्ठा करके उनका संग्रहण, विश्लेषण और प्रबंधन किया जा सकता है। इस कार्य में जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस), ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) और रिमोट सेंसिंग का प्रयोग किया जाता है। भारत में जियोमेटिक्स का क्षेत्र अभी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन एक उद्योग के रूप में यह तेजी से विस्तार कर रहा है। इसको अपने कामकाज के लिए बड़े पैमाने पर स्पेशल डाटा (आकाशीय आंकड़ों) की जरूरत होती है। मगर शुरुआती दौर में होने की वजह से इस उद्योग में कुशल पेशेवरों की कमी बनी हुई है। इस कारण यहां रोजगार और तरक्की की दृष्टि से काफी संभावनाएं हैं। इस तकनीक का लाभ परिवहन, रक्षा, विनिर्माण और संचार सहित सैकड़ों क्षेत्रों में लिया जा रहा है। अर्बन प्लानिंग, लैंड यूज मैनेजमेंट, इन-कार नेविगेशन सिस्टम, वचरुअल ग्लोब, पब्लिक हेल्थ, इंवायरन्मेंटल मॉडलिंग एंड एनालिसिस, मिलिट्री, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क प्लानिंग एंड मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर, मीटिअरोलॉजी, ओशियनोग्राफी एंड एटमॉस्फेयर मॉडलिंग, बिजनेस लोकेशन प्लानिंग, आर्किटेक्चर, आर्कियोलॉजिकल रिकंस्ट्रक्शन, टेलीकम्यूनिकेशंस, क्रिमिनोलॉजी एंड क्राइम सिमुलेशन, एविएशन और मैरीटाइम ट्रांसपोर्ट आदि से संबंधित कार्यो में जियोइंफॉर्मेटिक्स काफी मददगार साबित हो रहा है। क्लाइमेट चेंज स्टडीज, टेलीकम्यूनिकेशंस, डिजास्टर मैनेजमेंट और उसकी तैयारियों में इस तकनीक से विशेष मदद मिलती है। इसी तरह बिजनेस लोकेशन प्लानिंग, आर्किटेक्चर और आर्कियोलॉजिकल रिकंस्ट्रक्शन में इस तकनीक को अपनाए जाने के बाद काम की गुणवत्ता में काफी सुधार आया है। जियोग्राफी और अर्थ साइंस के विशेषज्ञों और शोधार्थियों को भी इस तकनीक से सटीक अध्ययन में काफी मदद मिली है।
जियोइंफॉर्मेटिक्स के बढ़ते महत्व का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अब यह सरकारी और निजी क्षेत्र के संगठनों में बड़े निर्णयों का आधार भी बनने लगा है। व्यावसायिक प्रतिष्ठान, पर्यावरण एजेंसियां, सरकार, शोध-शिक्षण संस्थान, सर्वेक्षण और मानचित्रीकरण संगठन अपने कामकाजी फैसलों में इस तकनीक से प्राप्त आकंड़ों को वरीयता देते हैं। कई सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों ने अपने दैनिक कार्यो का प्रबंधन करने के लिए भी स्पेशल डाटा का उपयोग शुरू कर दिया है।

संभावनाएं

जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी में कई तरह के रोजगार उपलब्ध हैं। साथ ही नए-नए अवसर भी इस क्षेत्र में पैदा हो रहे हैं। एनालिस्ट, काटरेग्राफर, सर्वेयर, प्लानर, एरियल फोटोग्राफर और मैपिंग टेक्निशियन आदि रोजगार के कुछ प्रमुख विकल्प हैं, जिन्हें जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी की पढ़ाई कर रहे छात्र चुन सकते हैं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत पाएगी टीम इंडिया ?

कोच गंभीर ने खिलाड़ियों को क्या दी नसीहत?

एजेंसी, पोर्ट ऑफ स्पेन।

भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम इंडिया को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हर चुनौती का सामना करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहने की सलाह दी है।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आगाज 15 अगस्त से होना है। इससे पहले, भारतीय टीम श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेगी, जिसकी शुरूआत सात अगस्त से होनी है। पहले टेस्ट की मेजबानी गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम करेगा, जबकि दूसरा टेस्ट मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो का सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

बीसीसीआई ने शेयर किया वीडियो

गंभीर ने गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, 'दोस्तों, हम जानते हैं कि हमारे सामने क्या है। हम जानते हैं कि हम किसके लिए खेल रहे हैं। हम जोर लगा सकते हैं, हम अपनी सीमा को पार कर सकते हैं, हम सभी चीजों को पूरा कर सकते हैं। 15 तारीख की सुबह, चाहे हम पहले बैटिंग कर रहे हों, या पहले गेंदबाजी कर रहे हों, हमें हर सवाल और हर जवाब के लिए पूरी तरह तैयार रहना है। इसलिए पक्का करें कि हम अभी से सभी चीजों को पूरा करें।'

गंभीर ने सारांश-नबी का किया स्वागत

गंभीर ने नए खिलाड़ियों, ऑफ-स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर सारांश जैन और तेज गेंदबाज आकिब नबी का टेस्ट सेटअप में आधिकारिक तौर पर स्वागत किया। इसके साथ ही हेड कोच ने नए नियुक्त फील्डिंग कोच, सुभादीप घोष का भी स्वागत किया। गंभीर वीडियो में कहते हैं, 'दोस्तों, सभी का स्वागत है। हमारे साथ कुछ नए लोग आए हैं। सबसे पहले, सारांश, बधाई हो, आपने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। जब भी आपको मौका मिले, अपने परिवार और देश को गर्व महसूस कराना सुनिश्चित करें। दूसरी बात, मैं आकिब को बधाई देना चाहता हूं, आपका पिछला सीजन शानदार रहा था, और आपने जम्मू-कश्मीर को रणजी ट्रॉफी जिताई, जो एक बड़ी उपलब्धि है। एक बार फिर बधाई।'

फील्डिंग कोच सुभादीप का भी स्वागत

हेड कोच ने आगे कहा, 'आखिर में, मैं सुभादीप का भी स्वागत करना चाहता हूं। उन्होंने इतने वर्षों तक कई टीमों के साथ काम किया है। मुझे यकीन है कि उनका जुनून, उनकी प्रतिबद्धता इस टीम को आगे ले जाएगी और यह सुनिश्चित करेंगे कि उनका एनर्जी लेवल सभी को टारगेट हासिल करने में मदद करे।'

इनफैनटिनो ने क्यों मांगी माफी? फीफा प्रमुख बने रहने के लिए मिला सीनियर अधिकारियों का साथ

एजेंसी, लंदन।

फीफा प्रमुख जियानी इनफैनटिनो ने माना है कि वर्ल्ड कप को निजी निवेशकों को बेचने की कोशिश में गलतियां हुईं और उन्होंने अपनी गलतियों के लिए माफी मांगी है। हालांकि, मोरक्को में हुई संकटकालीन बैठक के दौरान सीनियर अधिकारियों ने इनफैनटिनो के फीफा प्रमुख बने रहने का समर्थन किया।

इनफैनटिनो को 'फीफा फॉरवर्ड एंटरप्राइज' (एफएफई) बनाने की अपनी योजना वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह कंपनी फीफा के टूर्नामेंट्स के कमर्शियल और ऑपरेशनल पहलुओं को चलाने के लिए बनाई जानी थी। यूईएफए, कॉनकाकैफ, एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) और कई राष्ट्रीय संघों के साथ-साथ फीफा के अंदर से भी इस योजना का भारी विरोध हुआ था। इसके साथ ही फीफा के अंदर भी इस योजना की काफी आलोचना हुई।

बैठक में मौजूद सेक्रेटरी जनरल मैटियास ग्राफस्ट्रॉम ने फीफा स्टाफ को भेजे एक आंतरिक ज्ञापन में लिखा कि यह स्थिति घटनाओं की एक दुखद और निंदनीय सीरीज है। लगातार बढ़ती आलोचना के बाद, इनफैनटिनो ने फुटबॉल की वर्ल्ड गवर्निंग बॉडी के सीनियर लीडर्स से रबात में होने वाली संकटकालीन बैठक में शामिल होने को कहा है।

हालांकि, मीटिंग के बाद एक बयान में फीफा सेक्रेटरी जनरल और वहां मौजूद फीफा मैनेजमेंट बोर्ड के सदस्यों ने फीफा प्रमुख इनफैनटिनो के लिए अपना पूरा सपोर्ट दिखाया। इनफैनटिनो 211 फीफा मेंबर एसोसिएशन द्वारा चुने गए एकमात्र अधिकारी हैं। फीफा के बयान में कहा गया, 'इसके बदले फीफा अध्यक्ष ने कहा कि वो अपने विजन यानी अपने प्लान को पूरा करने के लिए फीफा के महासचिव और फीफा प्रशासन की टीम के साथ हैं। उन्होंने उनके मेहनती और शानदार काम की तारीफ की और पूरा सपोर्ट देने की बात दोहराई।'

फीफा ने कहा कि संकटकालीन बैठक में फीफा फॉरवर्ड एंटरप्राइज (एफएफई) प्रपोजल पर भी बात हुई, जिसमें हुईं गलतियों को माना गया। इस बात पर सहमति बनी कि फीफा काउंसिल और फीफा मेंबर एसोसिएशन का मकसद यह महसूस करना नहीं था कि उन्हें प्रोसेस से बाहर रखा गया है और प्रोसेस को अलग तरीके से हैंडल किया जाना चाहिए था। यह भी माना गया कि प्रपोजल के मीडिया में लीक होने के बाद भी गलतियां हुईं।

इन गलतियों के लिए फीफा काउंसिल और फीफा के सभी मेंबर देशों से एक अलग चिट्ठी में माफी मांगी गई थी। इसके साथ ही ये वादा भी किया गया कि आगे से ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। फीफा ने कहा, 'अब एक रिव्यू किया जाएगा, और फीफा काउंसिल की अगली तय बैठक में एक रिपोर्ट पेश की जाएगी।'

हालांकि, बयान में यह भी कहा गया कि प्रोजेक्ट वापस लेने के साथ, यह सहमति बनी है कि फीफा अब अपनी ईमानदारी, अच्छे शासन और सही प्रोसेस पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और अपने नाम और प्रतिष्ठा को बचाने और सुरक्षित रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा। इसमें कहा गया, 'हमेशा सीखने के लिए सबक होते हैं, और फीफा इस अनुभव को देखते हुए अपने प्रोसेस में सुधार करता रहेगा। हालांकि, इस मामले में यह जोर देना जरूरी है कि गलतियां हुईं, लेकिन जो कुछ भी किया गया वह फीफा रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के पूरी तरह से पालन में किया गया।'

मनोरंजन

'शादी जब होनी होगी', हुमा कुरैशी कब करेंगी शादी?

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'महारानी' फेम एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने शादी को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। जानिए एक्ट्रेस कब करने वाली हैं शादी।

शादी को लेकर क्या बोलीं एक्ट्रेस?

हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में हुमा कुरैशी ने शादी को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने हंसते हुए कहा कि शादी के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''आप और मेरी मम्मी दोनों एक ही सवाल पूछते हैं।

मेरे पास अभी इसका कोई जवाब नहीं है कि शादी कब होगी। शादी जब होनी होगी तब हो जाएगी। फिलहाल मेरे पास बहुत काम है। ये साल मेरे लिए काफी व्यस्त है और अभी मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान दे रही हूं।''

कियारा का किया था समर्थन

बता दें कि हुमा अपने बेबाक जवाबों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में फिल्म 'टॉक्सिक' में इंटिमेट सीन करने के लिए ट्रोल हो रहीं कियारा को लेकर भी हुमा ने अपनी बात रखी थी।

युवाा के शो 'बी ए मैन यार' में बातचीत के दौरान निखिल तनेजा ने यह मुद्दा उठाया कि कियारा को यश से ज्यादा ट्रोल किया जा रहा है। इस पर हुमा ने कहा, ''ये बहुत बीमार है, घिनौना है। लेकिन मुझे लगता है कि इस फिल्म की महिलाएं आखिर में हंसेंगी। हर चीज को डिफेंड करने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि आप शब्दों से लोगों की सोच नहीं बदल सकते। मैं चाहूंगी कि फिल्म ही इसका जवाब दे।''

इस फिल्म में नजर आएंगी हुमा

बता दें कि हुमा आने वाले समय में फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और यह 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और हुमा कुरेशी जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे। इससे पहले हुमा 'बेबी डू डाई डू' में नजर आई थीं।

संदीपा धर ने शेयर किया लेग-डे वॉर्म-अप रूटीन

फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए मशहूर अभिनेत्री संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस को लेग-डे वर्कआउट की तैयारी की एक झलक दिखाई है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपने लेग-डे से पहले अपनाई जाने वाली एक प्रभावी वॉर्म-अप टेक्निक दिखाई है, जो उनके वर्कआउट रूटीन का अहम हिस्सा है।

गौरतलब है कि लेग-डे वर्कआउट में ताकत, लचीलापन और सहनशक्ति की जरूरत होती है। ऐसे में सही वॉर्म-अप मसल्स को एक्टिव करने और शरीर को कठिन एक्सरसाइज के लिए तैयार करने में मदद करता है। संदीपा का यह फिटनेस-फर्स्ट अप्रोच उनकी अनुशासित और नियमित लाइफस्टाइल को दशार्ता है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो संदीपा धर जल्द ही नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज 'चुंबक' में नजर आनेवाली हैं। इस एंसेम्बल कॉमेडी सीरीज में उनके साथ नीना गुप्ता, अर्जुन बिजलानी, सुमीत व्यास, हेली शाह और कई अन्य कलाकार दिखाई देंगे।

मुंबई के बैकग्राउंड पर आधारित यह सीरीज 28 अगस्त 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। एक ओर जहां संदीपा अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं, वहीं दूसरी ओर वह अपनी फिटनेस और वेलनेस को भी उतनी ही प्राथमिकता दे रही हैं। उनका यह संतुलन उनके प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

'क्रॉप ओवर' उत्सव में रिहाना का दिखा अलग अंदाज

सिंगर रिहाना जब भी 'क्रॉप ओवर' के लिए बारबाडोस लौटती हैं, तो फैशन पसंद करने वाले जानते हैं कि वे कुछ ऐसा देखने वाले हैं जिसे वे कभी नहीं भूल पाएंगे। यह सिंगर लंबे समय से इस आइलैंड के सबसे बड़े जश्न में शामिल होती रही हैं। 2024 के बाद 'ग्रैंड कडूमेंट डे' परेड में रिहाना ने अपनी जबरदस्त वापसी की। यहां उन्होंने अपने फैंस का दिल जीता।

कैसा है रिहाना का लुक?

इस साल के जश्न के लिए, रिहाना ने बारबाडोस की डिजाइनर लॉरेन ऑस्टिन की बनाई हुई कॉस्ट्यूम पहनी। इस कॉस्ट्यूम में एक बहुत ही बारीक बॉडीसूट था जो पूरी तरह से चमकदार सजावट से ढका हुआ था। हजारों रंग-बिरंगे जेमस्टोन, क्रिस्टल, बारीक बीडवर्क और फूलों वाले पैटर्न ने इस बॉडीसूट को एक शानदार लुक दिया।

पंखों ने बढ़ाई शोभा

रिहाना की ड्रेस में पीछे लगे बड़े-बड़े पंखों वाले हिस्से ने पूरे लुक को और भी शानदार बना दिया। कोबाल्ट ब्लू, लाइम ग्रीन, ऑरेंज और मोर के रंगों जैसे शेड्स से भरे इन बड़े पंखों ने रिहाना के पीछे एक शानदार घेरा बना दिया।

रिहाना ने सड़क पर किया डांस

ड्रेस पहन कर रिहाना बारबाडोस की सड़कों पर डांस कर रही थीं। उनके सिर पर सजा हेडपीस भी उसी रंग-बिरंगे स्टाइल का था। चमकदार हेडपीस उनके चेहरे पर बहुत अच्छा लग रहा था और कॉस्ट्यूम को ऊंचाई दे रहा था।

कौन हैं रिहाना?

आपको बता दें कि रिहाना एक मशहूर बारबाडियन पॉप सिंगर, एक्ट्रेस और कारोबारी हैं। उनका असली नाम रॉबिन रिहाना फेंटी है। उन्हें 'अम्ब्रेला', 'डायमंड्स' और 'वी फाउंड लव' जैसे सुपरहिट गानों के लिए जाना जाता है। शानदार गायकी के लिए उन्होंने 8 ग्रैमी अवॉर्ड्स जीते हैं। वह एक मशहूर ब्यूटी ब्रांड की मालकिन भी हैं।

मृणाल ने एआई डीपफेक को लेकर दी कानूनी चेतावनी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के गलत इस्तेमाल से दुनिया भर के लोगों, खासकर मशहूर हस्तियों के बीच चिंता बढ़ रही है। इस टेक्नोलॉजी के जरिए डीपफेक, छेड़छाड़ किए गए वीडियो और पहचान के गलत इस्तेमाल के कई मामले सामने आए हैं। ऐसे में मृणाल ठाकुर ने इसके खिलाफ आवाज उठाई है। उन्होंने डीपफेक बनाने वालों को चेतावनी दी है।

मृणाल ठाकुर ने दी चेतावनी

मृणाल ठाकुर ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर डीपफेक कंटेंट बनाने या फैलाने के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की। उन्होंने लिखा 'मेरी शक्ल का इस्तेमाल करके डीपफेक कंटेंट बनाना या शेयर करना गैर-कानूनी और अस्वीकार्य है। इसे तुरंत रोकने के लिए मेरी तरफ से औपचारिक नोटिस समझें। मेरी पहचान का आगे कोई भी गलत इस्तेमाल हुआ तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'

ये हस्तियां भी उठा चुकीं आवाज

मृणाल उन कई भारतीय मशहूर हस्तियों में से एक हैं जिन्होंने डीपफेक के बारे में बात की है। हाल के समय में, कई एक्टर्स ने एआई से होने वाले गलत इस्तेमाल से अपनी पहचान, इमेज और पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इन कलाकारों में अक्षय कुमार, वरुण धवन, अनिल कपूर, शिल्पा शेट्टी, प्रीति जिंटा, कार्तिक आर्यन, सुनील शेट्टी और कई स्टार्स शामिल हैं।

मृणाल ठाकुर का वर्कफ्रंट

अभिनेत्री हाल ही मे 'डकैत' और 'है जवानी तो इश्क होना है' जैसी फिल्मों में नजर आई हैं। फिलहाल, वह एटली कुमार के निर्देशन में बन रही बहुप्रतीक्षित एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' से जुड़ी हुई हैं। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन, दीपिका पादुकोण और रश्मिका मंदाना जैसे बड़े नाम शामिल हैं। फिल्म को दिसंबर 2027 में रिलीज करने का प्लान है, हालांकि मेकर्स ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है।